16 नवंबर 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

राहुल सिंह की धमाकेदार जीत के बाद डुमरांव में फूटा जश्न का ज्वार

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

नौगाम धमाके पर गृह मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस, डीजीपी ने दी घटना की पूरी जानकारी

एजेंसी/श्रीनगर

श्रीनगर के नौगांव पुलिस स्टेशन में शुक्रवार की देर रात धमाका हो गया। यहां विस्फोटक से नमूना लेते समय धमाका हुआ। डीजीपी नलिन प्रभात ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस पूरी घटना के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गृह मंत्रालय ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "नौगाम पुलिस ने ही डॉक्टर मॉड्यूल का खुलासा किया था। फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक थाने में रखे गए थे। फॉरेंसिंक जांच के दौरान धमाका हो गया। धमाके में 9 लोगों की मौत हो गई है। इसमें कोई आंतकी एंगल नहीं है, यह एक हादसा था। वहीं नौगाम में हुए ब्लास्ट पर जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने कहा, 'नौगाम थाने में दर्ज एफआईआर की जांच के दौरान, 9 और 10 नवंबर को फरीदाबाद से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ, रसायन और रीजेंट भी बरामद किए गए थे। यह बरामदगी, बाकी बरामदगी की तरह, पुलिस स्टेशन नौगाम के खुले क्षेत्र में सुरक्षित रूप से रखी गई थी।' उन्होंने कहा, 'बरामदगी के नमूनों को आगे की फॉरेंसिक और रासायनिक जांच के लिए भेजा जाना था। बरामदगी की भारी प्रकृति के कारण, एफएसएल टीम द्वारा यह प्रक्रिया पिछले 2 दिनों से, यानी कल और परसों से चल रही थी।

नौगाम ब्लास्ट में अभी तक 9 लोगों की मौत 32 लोग घायल

नौगाम में 14 नवंबर की रात 11.20 बजे हुए ब्लास्ट में अभी तक 9 लोगों की मौत हुई हैं, वहीं 32 लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह धमाका इतनी तेज था कि काफी दूर तक इसकी आवाज सुनी गई। ब्लास्ट के कारण नौगाम पुलिस स्टेशन के आसपास के घरों के कांच तक टूट गए। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

हादसे में 9 की मौत

डीजीपी ने कहा, 'दुर्भाग्यवश, कल रात लगभग 11.20 बजे एक आकस्मिक विस्फोट हो गया। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें अनावश्यक हैं। इस घटना में 9 लोगों की जान चली गई है। एसआईए के 1 कर्मी, एफएसएल टीम के 3 कर्मी, 2 क्राइम सीन फोटोग्राफर, 2 राजस्व अधिकारी जो मजिस्ट्रेट की टीम का हिस्सा थे, 1 दर्जी जो टीम से जुड़े थे। इसके अलावा, 27 पुलिसकर्मी, 2 राजस्व अधिकारी और आसपास के इलाकों के 3 नागरिक घायल हो गए हैं, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

आस-पास की इमारतें भी क्षतिग्रस्त

डीजीपी ने बताया कि, 'पुलिस स्टेशन की इमारत बहुत गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है और यहां तक कि आस-पास की इमारतें भी प्रभावित हुई हैं। यह नुकसान कितना हुआ इसका पता लगाया जा रहा है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की जांच की जा रही है। दुख की इस घड़ी में जम्मू-कश्मीर पुलिस मृतकों के परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है।

बिहार में हार के बाद खड़गे के घर बैठक : राहुल गांधी भी रहे मौजूद

एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने शनिवार को दिल्ली में पहली समीक्षा बैठक बुलाई। यह बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई, जिसमें राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन मौजूद रहे। बैठक में नेताओं ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की, संगठन की कमियों पर चर्चा की और आगे की रणनीति को लेकर सुझाव दिए। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अब समझने की कोशिश कर रही है कि बिहार में इतनी बड़ी हार क्यों हुई। बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी गड़बडियों के सबूत इकट्ठा कर रही है। 2 हफ्तों में देश के सामने रखेंगे। दरअसल कांग्रेस ने इस चुनाव में 60 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन सिर्फ 6 सीटें जीत पाई। पार्टी का वोट शेयर 8.71% रह गया, जबकि 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 19 सीटें जीती थीं और 9.6% वोट मिले थे।

पीएम मोदी ने सूरत एयरपोर्ट पर शनिवार को बिहार के लोगों को संबोधित किया

बिहार ने जाति की राजनीति को ठुकराया : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

पीएम मोदी ने सूरत एयरपोर्ट पर शनिवार को बिहार के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार ने हाल के विधानसभा चुनाव में जाति की राजनीति को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, जिन लोगों को हार मिली है, उन्हें इस सदमे से बाहर निकलने में महीनों लगेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार का टैलेंट दुनिया में हर जगह है। यहां के लोग दुनिया की राजनीति को समझते हैं। बिहार ने सांप्रदायिकता के जहर को ठुकरा दिया। एनडीए ने बिहार में 243 सीटों में से 202 जीती हैं। इससे पहले वे पंडोरी माता के मंदिर गए। पंडोरी माता को गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के आदिवासी समुदाय अपनी कुलदेवी मानते हैं। पीएम ने डेडियापाडा में 4 किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान आदिवासी समुदाय के हजारों लोग सड़क किनारे नजर आए। इसके बाद उन्होंने 9700 करोड़ के कई प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और उद्घाटन किया।पीएम मोदी ने कहा, 'बिहार ने ऐतिहासिक विजय हासिल की है। यदि मैं बिहार की जनता से मिले बिना सूरत छोड़ देता, तो हमारा यह सफर अधूरा रह जाता है। इसलिए, गुजरात में रहने वाले मेरे बिहारी भाई-बहन, विशेषकर सूरत में रहने वाले, इस अधिकार के हकदार हैं। यह मेरा स्वाभाविक दायित्व भी है कि मैं आपके बीच आकर इस विजय उत्सव का हिस्सा बनूं। बिहार चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर पीएम मोदी ने कहा,'इस चुनाव में विजयी एनडीए गठबंधन और पराजित महागठबंधन के बीच 10% वोटों का अंतर है। यह एक बहुत बड़ा अंतर है।

पीएम ने कहा- बिहार में जमानती नेता वक्फ कानून को फाड़ देते थे

पीएम ने कहा, बिहार में सार्वजनिक कार्यक्रमों में गैरकानूनी तरीके से जमीन कब्जा करके वक्फ बना दिया जाता था। कर्नाटक में भी ऐसा ही हुआ। तब जाकर हमने वक्फ कानून बनाया। उन्होंने कहा, बिहार में ये जमानती नेता वक्फ कानून को फाड़ देते थे। कहते ते वक्फ कानून को लागू नहीं होने देंगे। बिहार के लोगों ने इस सांप्रदायिक जहर को भी विकास की राह पर चलके पूरी तरह से नकार दिया है।

रोहिणी आचार्य का भाई पर बड़ा आरोप बोलीं- तेजस्वी ने मुझे घर से निकाला

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी की करारी हार के बाद पार्टी के भीतर बड़ा राजनीतिक भूचाल आ गया है. आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी रोहिणी आचार्य ने शनिवार को राजनीति छोड़ने और परिवार से नाता तोड़ने का ऐलान कर दिया. वह राबड़ी देवी के आवास से बाहर निकलीं और मीडिया से कहा, "मेरा कोई परिवार नहीं है. जिम्मेदारी नहीं लेनी है. चाणक्य से पूछिए जाकर संजय यादव, तेजस्वी से पूछिए. सवाल पूछने पर गाली दिया जाएगा, चप्पल से पिटवाया जाएगा." उन्होंने तेजस्वी यादव पर परिवार से निकाले जाने का आरोप लगाया. रोहिणी आचार्य ने अपने इस्तीफे के बाद एक्स पर भी स्पष्ट शब्दों में लिखा कि वह राजनीति से संन्यास ले रही हैं और परिवार से संबंध खत्म कर रही हैं. उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव के सलाहकार संजय यादव और एक रमीज ने उनसे ऐसा करने के लिए कहा था। उन्होंने लिखा, "मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूं. यही संजय यादव और रमीज चाहते थे, और अब मैं पूरा दोष अपने ऊपर ले रही हूं." डॉक्टर से नेता बनीं रोहिणी ने 2024 लोकसभा चुनाव में सारण सीट से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन वह बीजेपी के राजीव प्रताप रूडी से हार गईं. इसके बाद से ही उनका परिवार और पार्टी से दूरी बढ़ता दिख रहा था. बताया जा रहा है कि रोहिणी पटना से दिल्ली के लिए रवाना हो गई हैं. कहा जा रहा है कि रोहिणी वापस सिंगापुर जा रही हैं।

कोलकाता हाई कोर्ट बोला- नाबालिग भी अग्रिम जमानत ले सकते हैं

एजेंसी/कोलकाता

कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अब किसी भी अपराध में आरोपी नाबालिग (किशोर) भी एंटीसिपेटरी बेल के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले सिर्फ बालिग आरोपियों को ही गिरफ्तारी से पहले जमानत लेने का हक था। तीन जजों की डिवीजन बेंच ने कहा कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट तब लागू होता है जब नाबालिग पकड़ा जाता है और उसे जुवेनाइल बोर्ड के सामने पेश किया जाता है। लेकिन अग्रिम जमानत तो गिरफ्तारी से पहले का अधिकार है, ताकि किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुरक्षित रहे। यह फैसला जस्टिस जय सेनगुप्ता, जस्टिस तीर्थंकर घोष और जस्टिस बिवास पटनायक की बेंच ने दिया। देश के किसी भी हाईकोर्ट की तरफ से सुनाया गया इस तरह का यह पहला फैसला है।यह मामला उन चार नाबालिगों की याचिका से शुरू हुआ, जिन्हें 2021 में पश्चिम बंगाल के रघुनाथगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों में गिरफ्तारी का डर था। मुद्दा यह था कि क्या जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 उन्हें अग्रिम जमानत (धारा 438) का अधिकार देता है या नहीं। इस बात पर जजों की अलग-अलग राय थी इसलिए एक सिंगल जज ने इसे बड़ी पीठ के पास भेज दिया था, ताकि फैसला हो सके।

ओड़िशा में तटरक्षक बल का भी अभ्यास

भारत-चीन सीमा पर तीनों सेनाओं ने दिखाई ताकत

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सटे पूर्वी सेक्टर में भारतीय सेना ने शनिवार को उच्चतम स्तर की संयुक्त सैन्य क्षमता दिखाते हुए एक्सरसाइज पूर्वी प्रचंड प्रहार का सफल आयोजन किया। यह युद्धाभ्यास कठिन पर्वतीय भूभाग, ऊंचाई वाले क्षेत्रों और शून्य से नीचे तापमान वाली परिस्थितियों में त्रि-सेवा समन्वय की शानदार मिसाल बनकर उभरा। भारतीय सेना के पूर्वी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने अग्रिम मोर्चे पर जवानों का हौसला बढ़ाया।रक्षा मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक इस अभ्यास में भारतीय थलसेना, वायुसेना, नौसेना और आईटीबीपी की संयुक्त कार्रवाई के जरिए यह साबित किया गया कि जटिल, बहु-डोमेन युद्धक्षेत्र में भारतीय सेनाएं एक एकीकृत कॉम्बैट टीम के रूप में किसी भी चुनौती का जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। अभ्यास में स्पेशल फोर्सेज, मार्कोस, गरुड़, भैरव बटालियन और अरुणाचल स्काउट्स जैसी एलीट इकाइयों ने फोर्स मल्टीप्लायर की भूमिका निभाई।

तेज मोबिलाइजेशन और त्रि-सेवा इंटरऑपरेबिलिटी

पूर्वी प्रचंड प्रहार ने दिखाया कि उत्तरी सीमाओं पर उभरते खतरों के बावजूद भारतीय सशस्त्र बल न केवल तेजी से मोचार्बंदी कर सकते हैं, बल्कि बहु-क्षेत्रीय तालमेल के साथ पूरी तरह तकनीक-आधारित ऑपरेशंस को अंजाम देने में भी सक्षम हैं। यह अभ्यास भारत-चीन सीमा पर बदलते सामरिक परिदृश्य के बीच सैन्य तैयारियों का स्पष्ट संदेश देता है—भारतीय सेनाएं भविष्य की किसी भी चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

फूलों की वर्षा के बीच राजपुर के नव निर्वाचित विधायक संतोष कुमार निराला ने किया क्षेत्र भ्रमण

- विजय जुलूस में शामिल हुए हजारों समर्थक, बोले जनता से किए वादे को करूंगा पूरा

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर विधानसभा में इस बार जनता का जनादेश पूरी तरह बदलता हुआ दिखाई दिया है। क्षेत्रवासियों ने जदयू के उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला पर अपना भरोसा रखते हुए उन्हें भारी मतों से विजयी बनाया। जीत की घोषणा होते ही क्षेत्र में जश्न का माहौल फैल गया और समर्थकों की भीड़ नवनिर्वाचित विधायक के स्वागत में उमड़ पड़ी।

विजय के बाद संतोष कुमार निराला ने हजारों समर्थकों के साथ ईटाढ़ी, धनसोई, बन्नी, तियरा, राजपुर, भलुहा सहित दर्जनों गांवों का दौरा किया। जैसे ही वे किसी गांव में पहुंचते, ग्रामीणों ने उन पर फूलों की वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान निराला ने प्रत्येक गांव में लोगों से आशीर्वाद प्राप्त किया और उनके बीच जाकर जनादेश के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायक ने कहा कि मैं समस्त राजपुर की जनता को इस अद्वितीय और ऐतिहासिक जनादेश के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में आपके हर सपने, हर आशा और हर अपेक्षा को पूरा करने के लिए मैं पूरी तरह समर्पित रहूंगा। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मैंने जो भी घोषणाएं की थी, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि राजपुर की यह जीत सिर्फ किसी उम्मीदवार की जीत नहीं बल्कि जनता-जनार्दन की जीत है। निराला ने आश्वत किया कि हम ह्यविकास और विरासतह्ल को साथ लेकर प्रगति और प्रतिष्ठा का नया अध्याय लिखेंगे। निराला की जीत पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष फुटूचन्द सिंह, भाजपा नेता सत्येंद्र नारायण सिंह, राकेश कुमार, सुगंध राम, धर्मेन्द्र सिंह, मनोज त्रिगुण समेत कई स्थानीय नेताओं एवं कार्यकताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। स्थानीय कार्यकताओं ने कहा कि यह जीत अथक परिश्रम, संगठन की एकजुटता और जनता के विश्वास का परिणाम है। गांव-गांव में उमड़ी भीड़ और जनता का उत्साह इस बात का संकेत है कि राजपुर अब बदलाव और विकास की नई राह पकड़ चुका है। संतोष कुमार निराला की यह जीत आने वाले दिनों में क्षेत्र की राजनीतिक दिशा और विकास की गति दोनों को नई ऊर्जा दे सकती है।

केसठ में जनजातीय गौरव दिवस पर पदयात्रा और संगोष्ठी का आयोजन

- बिरसा मुंडा जयंती पर युवाओं और छात्र-छात्राओं की उत्साही भागीदारी

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के नेहरू युवा विकास समिति के तत्वावधान में शनिवार को बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर पदयात्रा और संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सोनू कुशवाहा ने की।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास देश की अस्मिता और स्वतंत्रता संघर्ष का अभिन्न अध्याय है। बिरसा मुंडा जैसे वीर नायकों ने समाजिक समानता, अधिकार और स्वाभिमान के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। संगोष्ठी में शिक्षा, संस्कृति संरक्षण व सामाजिक विकास पर विस्तार से चर्चा की गई।इसके बाद जनजातीय इतिहास और वीर शहीदों के त्याग को याद करते हुए पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा प्रखंड मुख्यालय से शुरू होकर बस पड़ाव तक पहुंची, जहां प्रतिभागियों ने जनजातीय नायकों के सम्मान में नारे लगाए। इस दौरान विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, युवाओं तथा स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने बिरसा मुंडा सहित अन्य जनजातीय नायकों के योगदान को याद करते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।मौके पर अंकित कुमार, पंकज कुमार, पिंटू कुमार, खुशबू कुमारी, चंदा कुमारी, सुमन कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

राहुल सिंह की धमाकेदार जीत के बाद डुमरांव में फूटा जश्न का ज्वार

- चिलहरी से डुमरांव तक होली-दीवाली जैसा माहौल, समर्थकों ने निकाल दिया ऐतिहासिक विजयी जुलूस

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू प्रत्याशी एवं नवनिर्वाचित विधायक राहुल कुमार सिंह की ऐतिहासिक जीत के बाद शुक्रवार की रात डुमरांव पूरी तरह उत्सव में डूब गया। एनडीए कार्यकताओं और समर्थकों ने जिस अंदाज में खुशी का इजहार किया, उसने पूरे क्षेत्र को रंगों और रोशनी से भर दिया। देर रात तक डुमरांव की सड़कों पर अबीर-गुलाल उड़ता रहा, आतिशबाजी होती रही और ह्यराहुल सिंह जिंदाबादह्ल के गगनभेदी नारे गूंजते रहे। पूरे शहर में ऐसा माहौल बना मानो एक साथ होली और दीवाली मनाई जा रही हो।

चिलहरी से ही शुरू हो गया जश्न, नारे और फूल-मालाओं की बरसात

शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना पूरी होने के बाद जैसे ही राहुल सिंह को डुमरांव सीट से भारी जीत का प्रमाण पत्र मिला, समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बक्सर से वापस लौटते समय जैसे ही उनका काफिला चिलहरी पहुंचा, ढोल-नगाड़ों के बीच जश्न की शुरूआत हो गई। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी उत्साह में सराबोर नजर आए। समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और लगातार नारे लगाते हुए विजय जुलूस को आगे बढ़ाया।

चिलहरी से उठी यह उत्सव की लहर पुराना भोजपुर होते हुए पूरे रास्ते में रुक-रुककर जश्न का रूप लेती गई। जगह-जगह कार्यकताओं ने नवनिर्वाचित विधायक का स्वागत किया। कई स्थानों पर महिलाएं भी अबीर के साथ खड़ी दिखीं। इस बीच, आतिशबाजी और ढोल की आवाजें उत्साह को और परवान चढ़ा रही थीं।

डुमरांव में ऐतिहासिक स्वागत, हजारों लोग जुटे सड़कों पर

जैसे ही विजयी काफिला डुमरांव पहुंचा, वहां का माहौल पूरी तरह उत्सव में तब्दील हो गया। भाजपा और जदयू के हजारों कार्यकताओं ने भारी उत्साह के साथ विधायक का स्वागत किया। भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय, युवा मोर्चा के दीपक यादव, ब्रह्मा ठाकुर, भाजपा नेता राजीव कुमार भगत, वंदना भगत, ओमज्योति भगत, शीला त्रिवेदी, विजय कुशवाहा, जदयू नेत्री प्रीति पटेल, नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, रोहित सिंह, मुखिया सिंह कुशवाहा, संटू मित्रा, अभिषेक समेत हजारों समर्थक इस विजयी जुलूस में शामिल रहे। इन सभी ने अबीर-गुलाल उड़ाया, पटाखे छोड़े और एक दूसरे को मिठाइयां खिलाकर विजय का जश्न मनाया। कई स्थानों पर मंच बनाकर नेताओं ने नवनिर्वाचित विधायक को सम्मानित किया। पूरा डुमरांव क्षेत्र नारों और रंग-बिरंगी रोशनियों से जगमगा उठा।

मंदिरों में जाकर मांगा आशीर्वाद, शहर में हुआ भव्य स्वागत

डुमरांव पहुंचने के बाद राहुल कुमार सिंह सबसे पहले नगर देवी मां डुमेजनी के मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे और मत्था टेका। मंदिरों में बड़ी संख्या में समर्थक पहले से ही मौजूद थे, जिन्होंने उनका हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। इसके बाद नया थाना के पास जिला प्रवक्ता शक्ति राय के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और जयकारों के बीच विधायक का काफिला देर रात तक शहर में घूमता रहा।

विजय के उत्साह में डूबा पूरा डुमरांव

रात बीतती गई, पर जश्न थमा नहीं। लोगों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। समर्थक कह रहे थे कि यह जीत केवल उम्मीदवार की नहीं बल्कि डुमरांव की जनता की जीत है। हर गली, चौक और सड़क पर कार्यकताओं की भीड़ जुटी रही। बिक्री बंद होने के बावजूद लोग मिठाई की दुकानों से मिठाइयां खरीदकर जश्न मनाते रहे। राहुल सिंह की विजय यात्रा जिस उत्साह, ऊर्जा और जनसमर्थन के साथ डुमरांव की धरती पर पहुंची, उसने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया। डुमरांव की जनता ने सचमुच देर रात तक ह्यहोली-दीवालीह्ल एक साथ मनाकर इस जीत को यादगार बना दिया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

सूखी नहर में मिला अधेड़ का शव, हत्या या हादसा, पुलिस कई एंगल से कर रही जांच

- डुमरांव-एकरासी पथ पर मनपा पुल के पास मिली लाश से फैली सनसनी, शरीर पर मिले कई संदिग्ध चोट के निशान

केटी न्यूज/चौगाई

मुरार थाना क्षेत्र शनिवार की सुबह एक रहस्यमय घटना से हिल गया, जब डुमरांव-एकरासी मुख्य पथ पर स्थित मनपा पुल के समीप सूखी नहर में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने की सूचना फैलते ही इलाके में दहशत और चर्चा दोनों का माहौल बन गया। सुबह टहलने निकले किसानों ने नहर में पड़े शव को सबसे पहले देखा। चूंकि नहर में पानी नहीं था, शव साफ दिखाई दे रहा था। किसानों ने इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

सूचना मिलते ही मुरार थाना पुलिस तत्परता से घटनास्थल पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला। पुलिस ने पहचान की प्रक्रिया शुरू की तो मृतक की पहचान कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के अरियांव गांव निवासी एतवारु मुसहर (60 वर्ष) के रूप में हुई। परिजनों को इसकी जानकारी दे दी गई है। परिजन मौके पर पहुंचे तो बिलख पड़े और घटना को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

प्राथमिक जांच में पुलिस को मृतक के शरीर पर कई चोटों के निशान मिले हैं, जो घटना को और रहस्यमय बनाते हैं। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि संभवतः व्यक्ति पुल से नीचे गिरा होगा और नीचे पड़े ईंट-पत्थरों से टकराकर उसे गंभीर चोटें आई होंगी। हालांकि जिस तरह शरीर पर निशान मिले हैं, उससे पुलिस कोई भी संभावना खारिज नहीं कर रही है। हत्या की आशंका को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार एतवारु मुसहर शुक्रवार देर शाम घर से बाहर निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिवार और गांव वाले रातभर तलाश करते रहे पर कोई सुराग नहीं मिला। सुबह शव मिलने की खबर ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि घटना संदिग्ध है क्योंकि मृतक शांत स्वभाव का व्यक्ति था और किसी से कोई विवाद भी नहीं था।

थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि मौत के कारणों की पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। पुलिस स्थल निरीक्षण से लेकर मृतक के मोबाइल, कॉल डिटेल और अंतिम बार किसने देखा, इन सभी बिंदुओं को खंगाल रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस इसे एक संवेदनशील मामला मानते हुए हर एंगल से जांच में जुटी है। घटना ने इलाके में कई सवाल खड़े कर दिए हैं, क्या यह हादसा है या इसके पीछे किसी की साजिश? इसका जवाब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

डुमरांव की जनता से मिला प्रेम व समर्थन जीत से कम नहीं : डॉ. अजित कुमार सिंह

- डुमरांव के पूर्व विधायक ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट, हार-जीत लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा चुनाव में हार के बाद महागठबंधन प्रत्याशी सह पूर्व विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने शनिवार दोपहर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक भावुक संदेश जारी किया। उन्होंने लिखा कि भले ही चुनाव परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहा, लेकिन जनता ने जिस ऐतिहासिक समर्थन और प्रेम का परिचय दिया, वह उनके लिए किसी बड़ी जीत से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें 77 हजार से अधिक मत देकर लोगों ने उन पर जो विश्वास जताया, वह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। पूर्व विधायक ने महागठबंधन और अपनी पार्टी के सभी मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही चुनाव प्रचार के दौरान दिन-रात मेहनत करने वाले कार्यकताओं का भी विशेष धन्यवाद दिया।

पूर्व विधायक ने लिखा कि हार-जीत लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जनता के स्नेह और भरोसे ने उनके भीतर नई ऊर्जा का संचार किया है और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाया है। वे पहले की तरह आगे भी जनता के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता की हर लड़ाई उनकी अपनी होगी और हर समस्या व चुनौती में वे लोगों की आवाज बनकर सड़क से लेकर सदन तक अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका रिश्ता जनता से सिर्फ चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमेशा लोगों के बीच रहकर उनकी जरूरतों और समस्याओं को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि डुमरांव के विकास और जनता की खुशहाली के लिए उनका समर्पण जीवनपर्यंत रहेगा। जनता के प्रेम और आशीर्वाद को अपनी वास्तविक जीत बताते हुए उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे।

एनडीए की रिकॉर्ड जीत पर महिला कार्यकर्ताओं ने खेली अबीर-गुलाल की होली, जमकर मनाया जश्न

केटी न्यूज/डुमरांव

विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक व रिकॉर्ड तोड़ जीत के बाद शनिवार को डुमरांव के सफाखाना रोड स्थित एक निजी सभागार में महिला कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। सुबह से ही महिलाएं अपने-अपने घरों से अबीर-गुलाल लेकर सभागार पहुंचीं। निर्धारित समय पर बड़ी संख्या में महिलाओं के जुटने के बाद रंग-अबीर का दौर शुरू हुआ और देखते ही देखते माहौल उल्लासमय हो उठा। महिला कार्यकताओं ने एक-दूसरे को अबीर लगाकर जीत की शुभकामनाएं दीं और मुंह मीठा कराकर अपनी खुशी का इजहार किया। जश्न में शामिल महिलाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नेतृत्व क्षमता और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर चलाई जा रही योजनाओं का जनता ने भरपूर समर्थन किया है। उनका कहना था कि स्वयं सहायता समूहों, आरक्षण, शिक्षा और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक महिलाओं में आत्मविश्वास को बढ़ाया है। यही कारण है कि आज महिलाएं बगैर किसी भय या संकोच के स्वतंत्र रूप से आवाजाही करती हैं और सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

महिलाओं ने बताया कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ परिवारों तक पहुंचा है। बच्चों के लिए स्कूलों में मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति, साइकिल-ड्रेस योजना जैसी पहलों ने शिक्षा को बढ़ावा दिया है और गरीब से गरीब परिवार के बच्चे भी नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं। कार्यकताओं ने कहा कि मातृशक्ति ने इस चुनाव में विकास और स्थिरता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी पर भरोसा जताया है। उनके अनुसार, जनता ने विकसित बिहार के संकल्प को आगे बढ़ाने का जनादेश दिया है।

इस मौके पर कुसुम मिश्रा, प्रेमलता, मिंटू, माया, कविता, शोभा, मधु, सोनी, लक्ष्मी, निधि, जया समेत दर्जनों महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल उत्सव जैसा रहा और महिलाओं ने खुशी, उत्साह और उमंग के साथ विजय परंपरा का जश्न मनाया।

केसठ के ईंट भट्टों में छाई रौनक, मजदूरों के हाथों में लौटी रौनक, ईंट निर्माण में बढ़ी रफ्तार

पीके बादल/केसठ

ठंड के आगमन के साथ ही केसठ प्रखंड के विभिन्न इलाकों में स्थित ईंट भट्टों में फिर से रौनक लौट आई है। इन दिनों सुबह की हल्की धूप और शाम की गुलाबी ठंडक के बीच मजदूरों के हाथों में तेजी आ गई है। एक बार फिर ईंट निर्माण का सिलसिला शुरू हो गया है और भट्टों पर काम की रफ्तार बढ़ने लगी है। खेतों से निकल चुकी फसल के बाद अब ग्रामीण मजदूरों का रुख रोजी रोटी के लिए ईंट भट्टों की ओर हो गया है। कुलमनपुर, बैजनाथपुर, रामपुर और आसपास के इलाकों में दर्जनों छोटे-बड़े भट्टों पर काम जोरों पर है। सुबह होते ही मजदूरों की टोली मिट्टी गूंथने, सांचा भरने और कच्ची ईंटों को धूप में सुखाने में लग जाती है। महिलाएं और पुरुष दोनों मिलकर मेहनत की मिसाल पेश कर रहे हैं। बच्चे भी छोटे मोटे कामों में हाथ बंटाते नजर आ रहे हैं।

ईंट भट्टा संचालको ने बताया कि इस बार मौसम समय पर बदलने से ईंट निर्माण कार्य सुचारू रूप से शुरू हो गया है। पिछले साल बारिश और मिट्टी की कमी के कारण काफी दिक्कतें आई थीं, लेकिन इस बार उम्मीद है कि बेहतर रहेगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता दी जा रही है ताकि गांव के लोगों को रोजगार मिल सके।

वहीं मजदूरों का कहना है कि ईंट भट्टे उनके लिए सर्दी के दिनों में आजीविका का मुख्य जरिया बन जाते हैं। मजदूरो ने बताया कि दिनभर की मेहनत के बाद जब ईंटों की कतारें भट्ठे में तैयार होती हैं, तो दिल को सुकून मिलता है। हालांकि बढ़ती महंगाई और मजदूरी दर में मामूली वृद्धि अब भी चिंता का विषय है।ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इन भट्टों की अहम भूमिका है। कृषि कार्य समाप्त होने के बाद यही भट्टे सैकड़ों परिवारों के जीवन का सहारा बन जाते हैं। दिनभर के परिश्रम के बीच मिट्टी से सोना गढ़ने की यह परंपरा केसठ के गांवों में वर्षों से चली आ रही है।ईंट भट्टों पर जलती भट्ठियों की लाल आंच और मेहनतकश मजदूरों के पसीने से अब एक बार फिर गांव में जीवन की चहल पहल लौट आई है। ठंडी हवा और धुएं के बीच मेहनत की यह गर्माहट केसठ की मिट्टी में रची बसी जीवंत कहानी सुना रही हैं।

एक नजर

सिद्धिपुर में अखंड हरि नाम कीर्तन सम्पन्न, भक्तिमय रहा माहौल

केसठ। केसठ प्रखंड के सिद्धिपुर स्थित मां काली मंदिर प्रांगण में शुक्रवार से चल रहे अखंड हरि नाम कीर्तन का समापन शनिवार को एकादशी तिथि पर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कीर्तन में शिवपुर से व्यास अर्जुन सिंह, पतरकोना से व्यास रविंद्र तिवारी तथा पवरपुर से व्यास गुरु दयाल सिंह अपने-अपने मंडलियों के साथ शामिल हुए। मंडलियों द्वारा विभिन्न लय और साज-बाज के साथ हरिनाम संकीर्तन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। दो दिनों तक कीर्तन की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। समापन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व राम गणेश तिवारी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों में भोला तिवारी, विजय तिवारी, नीमू नारायण तिवारी, जगदीश यादव, कामेश्वर यादव, गोविंदर तिवारी, हरेंद्र तिवारी सहित अनेक लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शिक्षक दरबार में नौ शिक्षकों ने रखी अपनी समस्याएं, अधिकारियों ने दिया समाधान का आश्वासन

केसठ। शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देश के अनुरूप प्रखंड संसाधन केंद्र परिसर में शनिवार को शिक्षक दरबार का आयोजन किया गया। शिक्षक दरबार का नेतृत्व एमडीएम बीआरपी अनिल कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत नौ शिक्षक शामिल हुए, जिन्होंने अपने-अपने विद्यालय से जुड़े मुद्दों तथा व्यक्तिगत सेवा से संबंधित समस्याओं पर आवेदन प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने वेतन विसंगति, लंबित भुगतान, अवकाश स्वीकृति, एमडीएम से जुड़ी समस्याएं, कार्यभार अधिक होने तथा संसाधनों की कमी जैसे प्रमुख बिंदुओं पर अपनी बात रखी। अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और प्रत्येक आवेदन को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का आश्वासन दिया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारू रखने के लिए शिक्षकों की समस्याओं का समय पर समाधान आवश्यक है।एमडीएम बीआरपी अनिल कुमार ने बताया कि शिक्षक दरबार का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के लंबित मामलों का त्वरित निपटारा कर उन्हें बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सभी नौ शिक्षकों द्वारा दिए गए आवेदनों की जांच की जाएगी और उचित कार्रवाई कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने शिक्षकों से विभागीय नियमों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य जारी रखने की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसी बैठकों से शिक्षकों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होता है और जमीनी स्तर की समस्याओं को समझने में सहायता मिलती है। शिक्षक दरबार के सफल आयोजन से शिक्षकों में भी उम्मीद जगी है कि उनकी समस्याओं का समय पर समाधान होगा और शिक्षण व्यवस्था और अधिक प्रभावी हो सकेगी।

राज्य में एनडीए की रेकार्ड तोड़ जीत पर महिला कार्यकर्ताओं अबीर-गुलाल की खेली होली

डुमरांव। सफाखाना रोड़ के निजी सभागार में में एनडीए के रेकर्ड तोड़ जीत पर महिला कार्यकताओं ने जमकर जश्न मनाया। महिलाएं घर से अबीर-गुलाल लेकर निर्धारित स्थान पर पहुंची, फिर एक दूसरे को अबीर लगाते हुए जश्न का दौर शुरू किया, एक दूसरे को मुंह मीठा कराया गया। महिलाओं का कहना था कि नीतीश कुमार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। गांव हो या शहर बगैर किसी डर-भय को महिलाएं बेझिझक होकर आती-जाती हैं। महिलाओं के लिये नीतीश कुमार कई कल्याणकारी योजनाओं को शुरू किया है, जिसमें काम करते हुए उनका आत्मबल बढ़ा है। इस आत्मबल के सहारे महिलाएं अपने परिवार को विकसित करते हुए आगे बढ़ा रही हैं। गरीब हो या अमीर सभी परिवार के बच्चे स्कूल जाते हैं, वहां उनकों भरपेट खाना भी मिलता है। मातृ शक्ति का कहना था, कि जनता ने विकसित बिहार के लिए मोदी नीतीश की जोड़ी पर भरोसा जताया है। इस मौके पर कुसुम मिश्रा, प्रेमलता, मिंटू, माया, कविता, शोभा, मधु, सोनी, लक्ष्मी, निधि, जया सहित दर्जनों महिलाएं शामिल हुई।

जनता के भरोसे की पहली परीक्षा : डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने सड़कों की बदहाली पर लिया कड़ा एक्शन

- महरौरा मोड़ के गड्ढों को देख भड़के विधायक, अधिकारियों की लगाई फटकार
- त्योहारों के बाद काम ठप रहने पर संवेदक के खिलाफ कार्रवाई तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधान सभा के नवनिर्वाचित विधायक राहुल कुमार सिंह ने अपनी पहली प्राथमिकता के रूप में जनता की सबसे बड़ी समस्या–जर्जर सड़कों–पर सीधा मोर्चा खोल दिया है। विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश करते ही उन्होंने महरौरा मोड़ से लेकर मुख्य बाजार तक की सड़कों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बड़े-बड़े गड्ढों और नाली, गली की स्थिति देखकर वे काफी नाराज दिखे। विधायक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तुरंत गड्ढों की भराई और पानी निकासी की व्यवस्था शुरू कराने का निर्देश दिया। फिर फोन लगा एनएच-120 के कार्यपालक अभियंता को फोन लगाकर जमकर क्लाश लगाई। आदेश मिलते ही दोनों कार्यों को त्वरित गति से शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि जनता ने उन पर विश्वास जताया है, इसलिए विकास कार्यों में किसी तरह की सुस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निविदा पूरी, बजट आवंटित, फिर भी क्यों रुका काम

राहुल सिंह ने बताया कि सड़क के जीर्णोद्धार के लिए लगभग 1 करोड़ 31 लाख रुपये की स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है, इसकी निविदा प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी है, बावजूद काम नहीं को बीच में रोक दिया गया। इसको उन्होंने कार्य एजेंसी और विभाग के अभियंताओं की मनमानी बताते हुए, उन्होंने साफ शब्दों में कहा की हमें काम चाहिए, जो धरातल पर दिखाई पड़े। उन्होंने खुलासा किया कि दशहरा के दौरान व्यापारियों ने बाजार में ग्राहकों की कमी की शिकायत करते हुए कुछ दिनों के लिए काम रोकने का अनुरोध किया था। निर्माण कार्य के चलते यातायात डायवर्ट कर दिया गया था, जिससे दुकानदारों के व्यवसाय पर असर पड़ा था। त्योहारों के सम्मान में प्रशासन ने आश्वस्त किया था कि दशहरा के बाद काम पुनः शुरू होगा, परंतु दीपावली और छठ पूजा गुजर जाने के बावजूद निर्माण कार्य फिर से शुरू नहीं किया गया।

संवेदक पर एफआईआर, फिर भी रफ्तार शून्य

काम में बढ़ती ढिलाई और बार-बार मिल रही शिकायतों को देखते हुए डुमरांव प्रशासन ने संवेदक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवा दी। बावजूद इसके, निर्माण कार्य अब तक पटरी पर नहीं लौट पाया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं और बारिश के पानी से वे और भी खतरनाक हो गए हैं। कई स्थानों पर छिटपुट दुर्घटनाएं भी हुई हैं, जिससे लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

वादा किया था, इसलिए सबसे पहले सड़क

नवनिर्वाचित विधायक राहुल सिंह ने कहा कि चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने जनता से वादा किया था कि जीत मिलते ही सबसे पहले सड़क मरम्मत पर काम होगा। जनता को राहत देना मेरी जिम्मेदारी है। मैं स्वयं हर प्रगति की मॉनिटरिंग कर रहा हूं। उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि कोताही किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग को सड़क निर्माण जल्द से जल्द पूरा करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया है और वे इसकी नियमित समीक्षा कर रहे हैं।

जलनिकासी से मिली राहत, गड्ढों की भराई जारी

विधायक के पहल करने और अधिकारियों को हड़काने के बाद रोड बनाने वाली सारी मशीनरी सड़क पर नकजर आने लगी। पहले सड़क पर जमा गंदा पानी लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ था, उसे हटाने का कार्य प्रारंभ किया गया, फिर गड्ढा भराई का कार्य शुरू किया गया। ।

जनता को जल्द मिलेगी बेहतर सड़क का लाभ

डुमरांव की सड़क लंबे समय से शहर की सबसे बड़ी समस्या बनी हुई थी। विधायक के हस्तक्षेप के बाद अब निर्माण कार्य तेज गति से आगे बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया है कि विभागीय स्तर पर लापरवाही की जांच की जा रही है और दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी। विधायक के सक्रिय हस्तक्षेप से लोगों में उम्मीद जगी है कि आने वाले दिनों में डुमरांव की सड़कें फिर से नई चमक के साथ नजर आएंगी और क्षेत्र को वर्षों से झेल रही परेशानी से राहत मिलेगी।

डुमरांव में ठंड बढ़ी, ऊनी कपड़ों की मांग तेज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में तापमान में लगातार गिरावट के साथ ही बाजारों में सर्दी का असर साफ दिखने लगा है। शहर के पुराना भोजपुर स्थित भगवती एंटरप्राइजेज में इन दिनों ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। अचानक ठंड बढ़ने के बाद से लोगों ने गर्म कपड़ों की खरीददारी तेज कर दी है। दुकान के प्रोपराइटर सौरव कुमार पाठक, मनीष कुमार और संदीप पाठक बताते हैं कि पिछले एक सप्ताह में बिक्री कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि ठिठुरन भरी सुबह और शाम के चलते जैकेट, स्वेटर, मफलर, मंकी कैप और अन्य ऊनी वस्त्रों की मांग अचानक बढ़ गई है। लोग परिवार के साथ पहुंचकर बड़े पैमाने पर खरीददारी कर रहे हैं। दुकान में एडिडास, यूएस पोलो,

डॉलर, कैल्विन क्लीन सहित कई ब्रांडों के कपड़े उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार, इस बार बाजार में हल्के लेकिन ज्यादा गर्म रखने वाले कपड़ों का नया कलेक्शन ग्राहकों को काफी पसंद आ रहा है। युवाओं में ट्रेंडी हूडी और जैकेट की बिक्री में खास बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं बच्चों और बुजुर्गों के लिए थर्मल वियर की भी अच्छी मांग बनी हुई है। दुकानदारों का कहना है कि त्योहारों के बाद बाजार में कुछ समय के लिए रौनक कम हो गई थी, लेकिन ठंड का असर बढ़ते ही ग्राहकों की आवाजाही फिर से बढ़ गई है। सुबह-सुबह कोहरा और तेज हवा के कारण बिना गर्म कपड़ों के निकलना मुश्किल हो रहा है, यही वजह है कि ऊनी कपड़ों की खरीददारी लगातार बढ़ रही है।

शपथ निभाने मोकामा पहुंचे ददन यादव, दिवंगत दुलारचंद के परिजनों से बोले, न्याय दिलाना अब मेरी जिम्मेदारी

- चुनाव व्यस्तता में छूटी मुलाकात का दर्द, पूर्व विधायक ने कहा दुलारचंद सिर्फ साथी नहीं, परिवार थे

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के पूर्व विधायक और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री ददन यादव ने अपने चुनावी वादे को निभाते हुए शनिवार को मोकामा पहुंचकर दिवंगत सामाजिक कार्यकर्ता दुलारचंद यादव को श्रद्धांजलि दी। हाल ही में दुलारचंद की हुई हत्या से क्षेत्र में शोक और आक्रोश दोनों की लहर है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में सक्रिय रहे दुलारचंद को ददन यादव ने ह्जीवन यात्रा के सच्चे साथीह्व के रूप में याद किया। चुनाव व्यस्तता के कारण मृत्यु उपरांत तुरंत नहीं पहुंच पाने की कसक पूर्व विधायक के शब्दों में साफ झलकी। उन्होंने कहा कि दुलारचंद न सिर्फ राजनीतिक सहयोगी थे, बल्कि हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने वाले भरोसेमंद मित्र भी थे। मोकामा स्थित उनके आवास पर पहुंचकर ददन यादव ने चित्र पर पुष्प अर्पित किया, परिजनों से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त करते हुए दुख की इस घड़ी में पूरा साथ देने का भरोसा दिलाया। ददन यादव ने कहा कि वर्षों के साथ-साथ

से जुड़ी स्मृतियां आज मन को झकझोर दे रही हैं। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुलारचंद की हत्या सिर्फ एक परिवार का नुकसान नहीं, समाज का अपूरणीय क्षति है। दोषियों को सजा दिलाने के लिए मैं हर संभव कदम उठाऊंगा। न्याय दिलाना अब मेरी जिम्मेदारी है। स्थानीय लोगों ने भी पूर्व विधायक के इस दौरे को संवेदनाओं और जिम्मेदारी से भरा कदम बताया। ग्रामीणों ने कहा कि यह घटना पूरे इलाके को हिलाकर रख देने वाली है और इसके दोषियों पर जल्द कार्रवाई होनी चाहिए। दुलारचंद की सामाजिक सक्रियता, व्यापक जनसंपर्क और लोगों की मदद के लिए तत्परता को लंबे समय तक याद किया जाएगा। ददन यादव ने आश्वासन दिया कि न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने में उनका हर संभव सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि दुलारचंद जैसे जुझारू और समाज के प्रति समर्पित व्यक्तित्व की कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती, लेकिन उनके सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी अब समाज की है। मौके पर स्थानीय नेताओं, ग्रामीणों और समर्थकों की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और न्याय के लिए अपनी आवाज बुलंद की।

नावानगर व्यापार मंडल में धान अधिप्राप्ति अभियान 2025-26 का शुभारम्भ

- जिला प्रशासन ने समर्थन मूल्य पर सुचारु क्रय सुनिश्चित करने के लिए शुरू की कार्यवाही, किसानों को 48 घंटे में भुगतान का आश्वासन

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के निर्देश पर शनिवार को नावानगर व्यापार मंडल परिसर में धान अधिप्राप्ति वर्ष 2025-26 का औपचारिक शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला सहकारिता पदाधिकारी चन्द्रमा राम एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष मीरा सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, नावानगर के अलावा बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष धान

का न्यूनतम समर्थन मूल्य साधारण धान के लिए 2369 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड ह्यएह्ल धान के लिए 2389 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। धान अधिप्राप्ति की तिथि 15 नवंबर से 28 फरवरी 2026 तक तय की गई है, जबकि राज्य खाद्य निगम को परिष्कृत चावल (सीएमआर) उपलब्ध कराने की अंतिम तिथि 15 जून 2026 निर्धारित की गई है।

जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि नावानगर व्यापार मंडल के साथ-साथ जिले के चार अन्य पैक्स दुल्फा पैक्स राजपुर, मुंगाव पैक्स डुमरांव, इन्दौर पैक्स इटाढ़ी एवं करहंसी पैक्स बक्सर में भी अधिप्राप्ति केंद्र प्रारम्भ कर दिए जाएंगे। जिले के अन्य सभी चयनित पैक्स पहले से क्रियाशील है, जहां किसान अपना धान लाकर बेच सकते हैं। कुल 142 पैक्स तथा 8 व्यापार मंडलों में से 101 पैक्स और 7 व्यापार मंडल इस बार धान अधिप्राप्ति के लिए चयनित किए गए हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल कृषि विभाग पर निर्बंधित किसानों के माध्यम से ही धान की खरीद की जाएगी। रैयत किसानों से अधिकतम 250 क्विंटल एवं गैर-रैयत किसानों से 100 क्विंटल तक धान खरीदा जाएगा। खरीद के बाद किसानों को भुगतान राज्य खाद्य निगम द्वारा सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के जरिए 48 घंटे के भीतर उनके बैंक खातों में भेज दिया जाएगा।

खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पैक्स और व्यापार मंडल द्वारा किसान या उनके नामित प्रतिनिधि का आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है। धान जमा करने पर किसानों को प्राप्ति रसीद दी जाएगी, जिसमें धान की मात्रा, मूल्य तथा संभावित भुगतान तिथि अंकित होगी। इसके अतिरिक्त किसानों को पूरी जानकारी एसएमएस के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जाएगी।

धान परिवहन की निगरानी के लिए इस वर्ष जीपीएस ट्रैकिंग प्रणाली को भी अनिवार्य किया गया है। गोदामों से मिल तक धान एवं सीएमआर ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस उपकरण लगे होंगे, जिनकी निगरानी प्रशासन द्वारा की जाएगी। साथ ही पैक्स एवं व्यापार मंडलों को धान क्रय पंजी, भुगतान स्टॉक पंजी एवं धान अस्वीकरण पंजी का नियमित संधारण करने का निर्देश दिया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार किसानों को बेहतर लाभ दिलाने एवं सुचारु खरीद व्यवस्था सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान समर्थन मूल्य पर बेच सके और समय पर भुगतान प्राप्त कर सके।

केसठ में जनजातीय गौरव दिवस पर पदयात्रा और संगोष्ठी का आयोजन

- बिरसा मुंडा जयंती पर युवाओं और छात्र-छात्राओं की उत्साही भागीदारी

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के नेहरू युवा विकास समिति के तत्वावधान में शनिवार को बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर पदयात्रा और संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता सोनू कुशवाहा ने की।कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास देश की अस्मिता और स्वतंत्रता संघर्ष का अभिन्न अध्याय है। बिरसा मुंडा जैसे वीर नायकों ने समाजिक समानता, अधिकार और स्वाभिमान के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। संगोष्ठी में शिक्षा, संस्कृति संरक्षण व सामाजिक विकास पर विस्तार से चर्चा की गई।इसके बाद जनजातीय इतिहास और वीर शहीदों के त्याग को याद करते हुए पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा प्रखंड मुख्यालय से शुरू होकर बस पड़ाव तक पहुंची, जहां प्रतिभागियों ने जनजातीय नायकों के सम्मान में नारे लगाए। इस दौरान विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, युवाओं तथा स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने बिरसा मुंडा सहित अन्य जनजातीय नायकों के योगदान को याद करते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।मौके पर अंकित कुमार, पंकज कुमार, पिंटू कुमार, खुशबू कुमारी, चंदा कुमारी, सुमन कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने रूई लदे पिकअप से भारी मात्रा में गांजा किया जब्त

केटी न्यूज/रोहतास

जिला क्षेत्र के चेनारी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर भारी मात्रा गंजा किया बरामद। बताया जाता है कि थानाध्यक्ष चेनारी थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि चेनारी थानान्तर्गत ग्राम मल्हर स्थित सिंहासन पाण्डेय का मिट्टी का टूटा हुआ घर के पास ढलाईनुमा रोड पर एक रूई से लदा पीकअप गाड़ी खड़ी है, जिसके अन्दर भारी मात्रा में गांजा रखा हुआ है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सासाराम-1 के निर्देशन में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गठित छापामारी दल के द्वारा घटनास्थल पर पहुँचने के उपरान्त

पिकअप गाड़ी रजि.नं. जीएच 10 सीएन 2746 त्रिपाल से ढका हुआ लावारिश हालत में पाया गया। जिसके संबंध में आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर उक्त वाहन को बीते रात से ही रोड पर खड़ा रहने एवं उसके मालिक या चालक के बारे में कुछ नहीं बताया गया। तत्पश्चात उक्त वाहन को विधिवत रूप से जाँच किए जाने पर वाहन के अन्दर छह प्लास्टिक का प्लास्टिक टेप से लपेटा हुआ बोरा पाया गया। जिसे खोलने पर प्रत्येक बोरा में 25 पैकेट गांजा, कुल मिलाकर 06 बोरा में 150 पैकेट गांजा पाया गया। जिसे वजन करने पर प्रत्येक बोरा में 26 किलो ग्राम कुल 06 बोरा में गांजा की मात्रा 156 किलोग्राम पाया गया। जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 20 लाख रूपए हैं। इस संदर्भ में चेनारी थाना कांड सं. 442/2025, धारा 8 (ू)/20(ु) (2) (ू) /22(ू),25/29 ठउढर एक्ट के अन्तर्गत उक्त वाहन मालिक व चालक के विरूद्ध दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। बरामद समानों की सूची में

156 किलोग्राम गांजा, एक पिकअप रजि. गाड़ी शामिल है। इस छापेमारी दल में रंजन कुमार, थानाध्यक्ष चेनारी थाना,जितेन्द्र कुमार, चेनारी थाना,सुबोध कुमार राय, चेनारी थाना,आनन्द कुमार, चेनारी थाना,शशीभूषण कुमार शशी, चेनारी थाना, हरिहर यादव, चेनारी थाना,अखिलेश कुमार, चेनारी थाना,चौकीदार 5/8 संजय कुमार पासवान, चेनारी थाना,चौकीदार 5/6 सुनील कुमार पासवान, चेनारी थाना के पदाधिकारी और पुलिस बल के जवान शामिल थें।

पश्चिम चंपारण का जनादेश, कहीं थ्रिलर मुकाबला तो कहीं एकतरफा जीत, एनडीए का दबदबा बरकरार

एजेंसी। पटना

पश्चिम चंपारण जिले की सभी 9 विधानसभा सीटों के नतीजे शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच जारी किए गए। सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना देर शाम तक चली। इस दौरान कहीं बड़े अंतर से जीत दर्ज हुई, तो कई जगह बेहद रोमांचक मुकाबले ने जिले की राजनीति में सस्पेंस बनाए रखा। कुल मिलाकर इस बार भी जिले में एनडीए ने अपना मजबूत दबदबा कायम रखा, जबकि कांग्रेस, राजद और जन सूराज ने कुछ सीटों पर संघर्ष किया, लेकिन उसे जीत में बदलने में सफल नहीं हुए।वाल्मीकि नगर विधानसभा क्षेत्र संख्या 1 से कांग्रेस के सुरेन्द्र प्रसाद ने मात्र 1,675 वोटों के बेहद कम अंतर से जीत हासिल की। उन्हें कुल 1,07,730 वोट मिले, जबकि जदयू के धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह को 1,06,055 वोट मिले। यह

सीट पूरे जिले में सबसे कम अंतर से जीती गई और अंतिम राउंड तक मुकाबला बेहद रोमांचक रहा।

रामनगर: भाजपा की बड़ी जीत

विधानसभा क्षेत्र 2 रामनगर में भाजपा प्रत्याशी नंदकिशोर राम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 35,680 वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 1,15,214 वोट मिले। राजद उम्मीदवार सुबोध कुमार को 79,534 वोट मिले। यहां भाजपा शुरूआत से ही आगे रही।

नरकटियागंज: भाजपा के संजय पांडेय की जीत

नरकटियागंज (संख्या 3) में त्रिकोणीय मुकाबले के बावजूद भाजपा के संजय कुमार पांडेय ने 26,458 वोटों से जीत दर्ज की।

मिले वोटः 1,00,044

राजद के दीपक यादव को 73,586 वोट,

कांग्रेस के शाश्वत केदार को 5,388 वोट मिले।

बगहा: भाजपा की जीत, कांग्रेस के वोटों में गड़बड़ी की चर्चा

बगहा (संख्या 4) से भाजपा के राम सिंह ने 6,313 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 1,06,875 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी जयैश मंगलमय सिंह के वोटों का आंकड़ा (10,00,562) मतगणना कर्मियों और स्थानीय राजनीति में गड़बड़ी का विषय बना रहा। जनसुराज के नरेंद्र पांडेय को 5,799 वोट मिले।

लौरिया: भाजपा के विनय बिहारी की धमाकेदार जीत

लौरिया (संख्या 5) से विनय बिहारी ने 26,966 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 96,510 वोट मिले, जबकि दूसरे स्थान के रन कौशल प्रताप सिंह को 69,544 वोट मिले।

नौतन: भाजपा का कब्जा बरकरार

नौतन (संख्या 6) में भाजपा के नारायण प्रसाद ने 22,072 वोटों से जीत हासिल की।

कुल वोटः 1,01,952

कांग्रेस उम्मीदवार अमित कुमार को 79,880 वोट मिले।

चनपटिया: कांग्रेस की सांसें अटकीं, सिर्फ 602 वोट से जीत

चनपटिया (संख्या 7) में बेहद रोमांचक मुकाबले में कांग्रेस के अभिषेक रंजन ने केवल 602 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

प्राप्त वोटः 87,538

उमाकांत सिंह को 86,936 वोट

जन सूराज के मनीष कश्यप को 37,172 वोट मिले।

बेतिया: भाजपा की एक और जीत, रेणु देवी आगे रहीं

बेतिया (संख्या 8) से भाजपा की रेणु देवी ने 22,373 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 91,907 वोट मिले

कांग्रेस के वही अहमद को 69,534 वोट

निर्दलीय रोहित कुमार शिकारीया को 24,665 वोट मिले।

सिकटा: जदयू की धमाकेदार वापसी, समृद्ध वर्मा की सबसे बड़ी जीत

सिकटा में जदयू के समृद्ध वर्मा ने जिले की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

जीत का अंतरः 47,144 वोट

मिले वोटः 97,173

पूर्व मंत्री खुर्शीद उर्फ फिरोज अहमद को 50,029 वोट

महागठबंधन के विरेन्द्र प्रसाद गुप्ता को 37,431 वोट मिले।

जिले की 9 में से अधिकांश सीटें भाजपा और जदयू के खाते में गईं। कांग्रेस को चनपटिया और वाल्मीकि नगर में कड़ा संघर्ष करने के बाद जीत मिली, जबकि जन सूराज किसी भी सीट पर अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सका।

पावर सब स्टेशन में लगी आग, लाखों का नुकसान, बिजली आपूर्ति बाधित

केटी न्यूज/आरा

पावर सब स्टेशन के ट्रांसफॉर्मर में शुक्रवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया. 10 एमबीए के ट्रांसफॉर्मर में लगी आग के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई और लाखों रुपये का नुकसान हुआ. आग इतनी भीषण थी कि फायर ब्रिगेड की दो बड़ी गाड़ियां और तीन छोटी गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया. आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं, जिससे क्षेत्र में खौफ का माहौल बन गया. पावर सब स्टेशन के पास बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गये और कई लोग अपने मोबाइल कैमरे से तस्वीरें और वीडियो बनाते देखे गये. घटनास्थल पर तैनात फायर ब्रिगेड कर्मियों ने अपनी जान की परवाह किये बिना आग बुझाने के लिए अथक प्रयास किये. जगदीशपुर के सहायक विद्युत अभियंता नवीन कुमार ने बताया कि आग के कारण

ट्रांसफॉर्मर और उसके आसपास के वायर का भी काफी नुकसान हुआ है. एमआरटी की टीम पावर सब स्टेशन पर पहुंच कर नुकसान का आकलन कर रही है. इस बीच, दिनभर बिजली आपूर्ति बाधित रहने के बाद संध्या समय हेतमपुर ग्रिड से कनेक्ट कर देर शाम तक नगर के लिए बिजली आपूर्ति शुरू की गयी. सूत्रों के अनुसार, ट्रांसफार्मर की गारंटी पीरियड में होने के बावजूद इसे ठीक करने की कोशिश की जा रही है।

लाइनमैन का कहना है कि जल्द ही ट्रांसफॉर्मर को सही कर दिया जावेगा. इस घटना से नगरवासियों को काफी परेशानी हुई, लेकिन राहत की बात है कि अब बिजली आपूर्ति बहाल हो गयी है।

एनडीए के ऐतिहासिक जीत पर एनडीए कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद बिक्रमगंज स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं मनाया जश्न। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर मिठाईयां खिलाकर और पटाखे छोड़कर खुशी का इजहार किया । कार्यालय परिसर देर रात तक जयकारों और विजयगीतों से गूंजता रहा । जश्न की अगुवाई भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मदन प्रसाद वैश्य ने की । उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को अबीर-गुलाल लगाकर मिठाई खिलाई और कहा कि यह जीत बिहार की जनता द्वारा किए गए सुशासन और विकास के प्रति विश्वास का परिणाम है । उन्होंने एनडीए के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह जनादेश प्रदेश को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा । मौके पर मौजूद देवमुनी पांडेय,योग गुरु मनोज

कुमार गुप्ता, सुनील कुशवाहा,भोला सिंह,संतोष पांडेय,हरेराम पांडेय,बद्री नारायण दुबे,रोहित यादव सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी भगवान समान मतदाताओं के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया । सभी ने कहा कि जिस उत्साह से जनता ने एनडीए पर भरोसा जताया है,वह आने वाले दिनों में विकास की रफ्तार को और मजबूती देगा । कार्यालय परिसर में रंग-बिरंगे गुलाल और मिठाइयों की सौगात के बीच जश्न देर शाम तक चलता रहा । कार्यकर्ताओं ने इसे प्रदेश के उज्जवल भविष्य का शुभ संकेत बताया । वहीं दूसरी ओर भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रो.

बलिराम मिश्रा, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, राजेश्वर सिंह, प्रो. सुरेश तिवारी, भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन, शिक्षाविद अखिलेश तिवारी,अमित शेखर,सुरेश गुप्ता,रितेश राज,नवीन चंद्र साह, मालती कुशवाहा,रविकांत मिश्रा सहित कई नेताओं ने इस जनादेश और एनडीए गठबंधन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताया।

हर्ष : बिहार में विकास की बयार पर एनडीए को लोगों ने दिया ऐतिहासिक जीत : अरुणा देवी

- रोहतास में एनडीए के विजयी प्रत्याशियों को जदयू नेत्री ने दी बधाई

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव में 243 सीटों में 14 नवंबर को एनडीए के ऐतिहासिक जीत पर रोहतास जिला के एनडीए कार्यकर्ताओं सहित जनता में जश्न का माहौल हैं।

इस अवसर पर जदयू राज्य परिषद सदस्य सह बिहार विधानसभा प्रदेश चुनाव अभियान समिति सदस्य अरुणा देवी ने रोहतास जिला क्षेत्र के सात विधानसभा अंतर्गत 6 सीटों पर एनडीए समर्थित पांच दलों के विजयी प्रत्याशी में डेहरी से सोनू सिंह, सासाराम से स्नेहालता कुशवाहा, करहगर से बशिष्ठ सिंह,चेनारी से गौतम मुरारी, नोखा से नागेंद्र चंद्रवंशी, दिनारा से आलोक सिंह को

उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। साथ ही एनडीए गठबंधन के जीते हुए सभी प्रत्याशियों से अपने क्षेत्रों में विकास कार्य की बयार लाने की उनसे अपील की। काराकाट विधानसभा क्षेत्र की बहुचर्चित जदयू नेत्री अरुणा देवी ने एनडीए के ऐतिहासिक जीत खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत बिहार में विकास की बयार के साथ विकास पुरुष मुख्यमत्री नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के डबल इंजन की सरकार में बिहार में तेज रफ्तार विकास की जीत है। जिसे बिहार की जनता चुनते हुए महागठबंधन पार्टी को उखाड़ फेंक एनडीए गठबंधन को अपने बहुमूल्य वोटों से ऐतिहासिक जीत दिलाने कार्य किया है। जिस चुनाव में बिहार की महिलाओं ने शत-प्रतिशत वोट कर अपने सशक्तिकरण का परिचय देते सीएम नीतीश कुमार के हाथों को ओर सशक्त बनाने का कार्य किया है। जो बिहार की जनता ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। जदयू नेत्री ने कहा कि हम एनडीए के सभी कार्यकर्ता बिहार की जनता जनार्दन के सेवक हैं। जो अब बिहार में 2025 से 30 तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की ऐतिहासिक बयार बहेगी।

डीडीयू मंडल अधिकारियों ने रेलवे सासाराम स्टेशन किया निरीक्षण

केटी न्यूज/रोहतास

सासाराम स्टेशन का निरीक्षण डीडीयू मंडल के अधिकारियों द्वारा किया गया। जिसमे सहायक वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार ,मंडल पर्यावरण और गृह व्यवस्था प्रबंधक विराज कुमार, सहायक साकेतिक टेलीकॉम प्रबंधक रवि कुमार एवम सहायक मंडल अभियंता सुमन कुमार द्वारा सासाराम स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म एवम सकुर्लेटिंग एरिया का निरीक्षण किये एवम जहां गंदगी दिखाई दी वहां पर तत्काल मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक रंजीत कुमार एवम स्टेशन प्रबंधक प्रवीण कुमार सिन्हा को उचित दिशा निर्देश दिए ,साथ ही प्लेटफॉर्म पर गंदगी फैलाने वालों के बिरुद्ध उचित जुमार्ना करने का निर्देश

दिये,एवम खान पान स्टाल को भी चेक किये एवम यात्रियों को उचित मूल्य पर सामान देने का निर्देश दिए एवम पहचान पत्र स्कैनर के साथ होना निश्चित किये।सौचालय पर गंदगी देख ठेकेदारों पर जुमार्ना ठोका। निरीक्षण के दौरान आरपीएफ निरीक्षक संजीव कुमार,सीटीआई गौरव कुमार,सिग्नल अवम टेलीकॉम इंस्पेक्टर मोतीलाल सीआईटी नीरज कुमार, वरीय खंड अभियंता इलेक्ट्रिक रवि कुमार उपस्थित रहे।

एक नजर

बिहार में विकास की बयार पर लोगों ने एनडीए को दिलाई ऐतिहासिक जीत : डॉ. मनीष

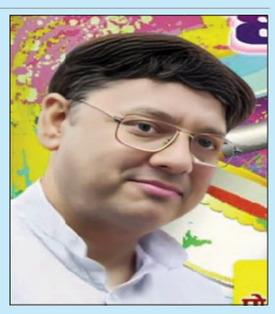

बिक्रमगंज। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर हर्ष जताया। 14 नवंबर शुक्रवार को एनडीए कार्यकताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर बिहार के 243 विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न विधानसभा में जीत के बाद जमकर नृत्य किया। कार्यकताओं ने आतिशबाजी करने के साथ ही लोगों को अबीर गुलाल लगा उन्हें मिठाई खिलाया। अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने कहा कि यह विजय जनता के बीच विकास और विश्वास का परिणाम के साथ यह जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गरीब कल्याण योजनाओं व सुशासन की जीत है। जिसे बिहार की जनता ने एक बार स्थिर सरकार व विकास के पक्ष में मतदान किया है। इस ऐतिहासिक जीत पर डॉ. मनीष ने रोहतास जिले क्षेत्र के 6 विधानसभा सीटों विरोधी दलों को परास्त कर जीत का परचम लहराने वाले एनडीए समर्थित प्रत्याशी आलोक सिंह, सोनू सिंह, नागेंद्र चंद्रवंशी, स्नेहलता कुशवाहा, बशिष्ठ सिंह, गौतम मुरारी को जीत की हार्दिक शुभकामनाएं दिया। साथ ही भाजपा नेता डॉ. मनीष ने कहा कि यह जीत पूरे देश के उत्साह को बढ़ाने वाली है और आने वाले चुनावों में भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

जागरूकता : सौर ऊर्जा की उपयोगिता से विद्युत उपभोक्ता को मिलेगी विशेष लाभ : ई. ब्रवीम

सासाराम। सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने और विद्युत उपभोक्ता के बिजली खर्च को कम करने के उद्देश्य से बिजली कम्पनी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ तेजी से लोगों तक पहुंचाने में जुटा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया कि यह योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है । जिसके तहत आम लोगों को अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है । इसके लिए इच्छुक उपभोक्ता ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं । योजना का मुख्य उद्देश्य रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देना और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता को कम करना है । उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से बिजली उत्पादन पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल है,क्योंकि इसमें प्रदूषण नहीं होता । इससे न सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन संभव होता है बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी आती है । यह उन परिवारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है,जिनके घरों में विद्युत की खपत अधिक होती है । सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज ने बताया कि यदि कोई उपभोक्ता तीन किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगवाता है,तो उसे हर महीने लगभग 300 यूनिट बिजली लाभ मिलेगी । इससे उपभोक्ता को सालाना करीब 15 हजार रुपये की बचत होगी। जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल हर महीने 1800 से 2000 रुपये तक आता है,उनके लिए यह योजना बेहद फायदेमंद साबित हो सकती है।

भाजपा कार्यकताओं ने तेंदुनी चौक पर मनाया जीत का जश्न

बिक्रमगंज । शनिवार को भाजपा कार्यकताओं ने बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर बिक्रमगंज तेंदुनी चौक पर पटाखों के साथ मिठाइयां खिलाकर जीत का जश्न मनाया। सभी कार्यकताओं ने जमकर जय श्रीराम, नरेंद्र मोदी, नीतीश, उपेंद्र, चिराग, जीतन राम मांझी जिंदाबाद के नारे लगाए । इस मौके पर उपस्थित भापजा युवा मोर्चा रोहतास जिला के जिलाध्यक्ष रितेश राज ने बिहार की जनता को इस अपार,प्यार और विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रचंड विजय लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में बिहार की नारीशक्ति का आशीर्वाद,बढ़ती पेंशन से प्रसन्न बुजुर्गों के स्नेह,रोजगार के अपार अवसरों पर युवाओं के भरोसे और किसानों की उम्मीदों का परिणाम है । जन-जन के इस विश्वास ने सुशासन और विकास की ताकत को एक बार फिर प्रमाणित किया है । अब बिहार नई गति,नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा और भी मजबूत और भी सक्षम होगा । इस मौके पर पंकज कुमार,सुदर्शन प्रसाद गुप्ता,अमर सिंह,विक्की चौबे,मोहन गुप्ता,शाश्वत राज,पप्पू सिंह,सनी सिंह,सत्यप्रकाश तिवारी,आर्यन सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

खगड़िया में एनडीए की चौतरफा जीत, चारों सीटें जीतीं, महागठबंधन पूरी तरह क्लीन बोल्ड

एजेंसी/पटना

1बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की मतगणना के दौरान खगड़िया जिले में इस बार एकतरफा तस्वीर देखने को मिली, जहां चारों सीटों खगड़िया, अलौली, बेलदौर और परबत्ता पर एनडीए ने शानदार जीत दर्ज करते हुए पूरा जिला अपने कब्जे में ले लिया। शुक्रवार सुबह 8 बजे कृषि बाजार समिति परिसर में कड़ी सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी के बीच मतगणना शुरू हुई। सभी चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग हॉल बनाए गए थे और प्रत्येक में 14 टेबलों पर चरणबद्ध तरीके से पोस्टल बैलेट के बाद ईवीएम की गिनती की गई।खगड़िया विधानसभा सीट पर जदयू के बबलू मंडल ने शुरूआती राउंड से ही बढ़त बनाए रखी और अंत तक बड़ी जीत दर्ज की। वहीं अलौली विधानसभा, जो पिछले चुनाव में महागठबंधन के पास थी, इस बार एनडीए की झोली में चली गई। जदयू के रामचंद्र सदा ने लगातार राउंड में बढ़त बढ़ाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया।बेलदौर विधानसभा में जदयू के वरिष्ठ नेता पन्ना लाल सिंह पटेल ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। राउंड दर राउंड उनकी बढ़त बढ़ती गई और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वियों को स्पष्ट अंतर से मात दी। वहीं परबत्ता विधानसभा से एलजेपी (आरआर) के बाबूलाल शौर्य ने एनडीए को चौथी जीत दिलाई। भारी मतदान शुरू से ही उनके पक्ष में रहा और परिणाम उनके पक्ष में ही जाता दिखा। इस बार की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि खगड़िया और अलौली, जो पहले महागठबंधन के कब्जे में थीं, इस चुनाव में एनडीए ने दोनों सीटें जीतकर महागठबंधन को जिले से पूरी तरह बाहर कर दिया। चारों सीटों पर एनडीए की जीत से समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जिले में ढोल-नगाड़े बजाए गए, मिठाइयां बांटी गईं और जश्न का माहौल देर शाम तक जारी रहा।

मुजफ्फरपुर : शॉर्ट सर्किट के चलते घर में लगी आग, एक ही परिवार के 5 लोग जिंदा जले

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र के मोतीपुर बाजार में एक घर में आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जल गए। इन सभी की मौत हो गई है। वहीं चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए है। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। आग को लेकर इलाके में अफरातफरी मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है। बताया गया कि लाल बाबू गुप्ता के घर में शुक्रवार की देर रात आग लगी। इसी में सभी लोग चपेट में आ गए। सभी लोग घर में सोए हुए थे। सूचना पर मोतीपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। मृतकों में ललन शाह, उनकी मां, पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं। पांच घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपाधीक्षक सुचित्रा कुमारी ने कहा, "यह घटना मोतीपुर इलाके के वार्ड संख्या 13 में आधी रात के आसपास हुई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग ने इमारत की तीसरी मंजिल को उस समय अपनी चपेट में ले लिया जब लोग सो रहे थे। उन्होंने आगे कहा, "दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरूआत में, स्थानीय लोग आग की लपटें उठते देखकर और तेज चीखें सुनकर मौके पर पहुंचे, लेकिन ज्यादा कुछ नहीं कर सके। उन्होंने फायर कंट्रोल रूम और स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।

क्या है पूरा मामला

मुजफ्फरपुर के मोतीपुर बाजार में दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। एक घर में अचानक आग लगने से पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण घर में आग लगी है और जिस समय ये हादसा हुआ, परिवार के लोग सोए हुए थे। इसी वजह से उन्हें घर से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने आग की लपटें उठती देख शोर मचाया और मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने आग बुझाने की कोशिश भी की लेकिन आग इतनी तेज थी कि काबू कर पाना मुश्किल हो गया था। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने झुलसे हुए पांच लोगों को बाहर निकालकर इलाज के लिए एसकेएमसीएच अस्पताल भेजा। हादसे में मृतकों की पहचान ललन साह, उसकी मां, पत्नी और दो बच्चों के रूप में हुई है। घटना से पूरे इलाके में मातम का माहौल है।

डीएसपी का सामने आया बयान

डीएसपी पश्चिमी, सुचित्रा कुमारी ने बताया कि मोतीपुर के वार्ड 13 में गेना साह के घर में तीसरी मंजिल पर आग लग गई। इस आग की वजह से पांच लोगों की मौत हो गई और पांच लोग झुलसकर घायल हो गए हैं। इनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि पांच लोग घर के अंदर ही बुरी तरह जल गए जिससे उनकी मौत हो गई। पांच लोगों को बाहर निकाला गया। सुबह चार से पांच बजे के बीच कमरे से चिल्लाने की आवाज सुनाई दी, तब परिजनों को आग के बारे में जानकारी हुई। परिजनों ने शॉर्ट सर्किट से आग लगने की जानकारी दी है। मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर

सारण में एनडीए की शानदार वापसी, दो महिला विधायक बनीं, एक भाजपा से और दूसरी राजद से

सारण। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सारण प्रमंडल ने इस बार पूरी तरह से राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। वर्ष 2020 के मुकाबले इस बार नतीजे बिल्कुल उलट रहे। पहले जहां एनडीए को सिर्फ तीन सीटें मिली थीं, वहीं 2025 में भाजपा और जदयू ने मिलकर अधिकतर सीटों पर जीत हासिल कर ली। राजद को केवल तीन सीटें मढ़ौरा, गड़खा (सुरक्षित) और परसा ही मिल सकीं। इस बार सारण प्रमंडल से दो महिलाएं विधानसभा पहुंचीं छपरा से भाजपा प्रत्याशी छोटी कुमारी और परसा से राजद प्रत्याशी करिश्मा। बनियापुर से भाजपा के केदारनाथ सिंह लगातार पांचवीं बार विधायक बने, वहीं मढ़ौरा से राजद के जितेंद्र कुमार राय लगातार चौथी बार जीत दर्ज कर चुके हैं। मांझी, सोनपुर और बनियापुर में एक ही राजनीतिक परिवार के तीन सदस्यों की जीत चर्चा का विषय बनी रही।

जदिया में दो बाइक की टक्कर, चार युवक घायल, 2 की हालत गंभीर

सुपौल। सुपौल के जदिया थाना क्षेत्र के हाई स्कूल के समीप शनिवार देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक पर सवार सभी युवक बुरी तरह जख्मी हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को सड़क से हटाकर निजी वाहनों की मदद से त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सरवन कुमार और नर्सिंग टीम ने सभी घायलों का इलाज शुरू किया। डॉक्टर ने बताया कि प्राथमिक उपचार के दौरान दो घायलों की स्थिति अत्यंत गंभीर पाई गई, जिसके बाद उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। बाकी दो घायलों का अनुमंडल अस्पताल में इलाज जारी है। घायलों की पहचान जदिया वार्ड नंबर 11 निवासी सूर्य देव मंडल के पुत्र सोनू कुमार, कॉलोनी डफरखा वार्ड नंबर 27 निवासी मोहम्मद शकील के 19 वर्षीय पुत्र एमडी एसमाल, राजश्री पूर्वी तीनतंगी वार्ड नंबर 13 निवासी रामचंद्र यादव के 35 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार तथा त्रिवेणीगंज निवासी सैफुद्दीन के पुत्र लड्डू कुमार के रूप में हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही जदिया थाना पुलिस अनुमंडलीय अस्पताल पहुंची। थाना प्रभारी नंदकिशोर नंदन ने बताया कि यह सड़क दुर्घटना का मामला था। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था, जिनमें से दो को रेफर किया गया है और दो का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

बिहार में सरकार गठन को लेकर दिल्ली में मंथन अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े रहे मौजूद

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद पटना में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। शनिवार शाम बिहार में सरकार गठन को लेकर दिल्ली में चली। इसमें अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और विनोद तावड़े मौजूद रहे। ललन सिंह और संजय झा के साथ सरकार गठन को लेकर चर्चा हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री आवास में शनिवार की सुबह से ही नेताओं का आना-जाना जारी रहा। सबसे पहले विजय कुमार चौधरी सीएम हाउस पहुंचे। दानापुर से जीत हासिल करने वाले रामकृपाल यादव नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। इस दौरान डिप्टी सीएम बनने के सवाल पर कहा- पार्टी नेतृत्व तय करेगी, मुझे कुछ मालूम नहीं है। वहीं, लोजपा(आर) चिराग पासवान और खउब के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी सीएम हाउस पहुंचे। संजय झा अपने हाथों में जीते हुए कैंडिडेट की लिस्ट ले कर पहुंचे थे। इसी दौरान फुलवारी से नवनिर्वाचित विधायक श्याम रजक भी मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। जेडीयू ने अपने सभी विधायकों को पटना बुलाया है। कल विधायक दल की बैठक हो सकती है। जेडीयू - श्याम रजक ने स्पष्ट कहा कि बिहार में नेतृत्व का एक ही भरोसेमंद चेहरा है, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। बिहार में दूसरा कोई चेहरा नहीं है, नीतीश कुमार ही विकल्प हैं। शपथ ग्रहण कब होगा इस पर श्याम रजक ने कहा कि यह मुख्यमंत्री जी तय करेंगे। नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री चेहरा है उनके अलावा कुछ सोचा भी नहीं जा सकता है। जेडीयू - विनोद तावड़े ने कहा था सभी पार्टी एक साथ बैठकर तय करेंगे की सीएम कौन होगा। चिराग पासवान, विजय चौधरी, सुनील कुमार, मनीष वर्मा, अरुण मांझी, इंजीनियर शैलेन्द्र, जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, कृष्ण कुमार मंटू, ललन सिंह, जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा श्याम रजक, नितिन नवीन। सीएम हाउस में मुख्यमंत्री की टेबल पर पेपर भी दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि चुनाव खत्म होने के बाद सीएम नीतीश कुमार एक-एक सीटों की समीक्षा कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद बाहर निकले। उनसे जब पूछा गया कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, तो उन्होंने साफ कहा कोई वैकेंसी बिहार में नहीं है।मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, बिहार में सुशासन बाबू का काम और पीएम ने बिहार की तरक्की के लिए जो मदद की।

जमुई में भी मोदी-नीतीश की जोड़ी हिट! चार सीटों में तीन पर एनडीए की जीत, चकाई में बदला समीकरण

एजेंसी/पटना

जमुई जिले की चारों विधानसभा सीटों सिकंदरा, जमुई, झाझा और चकाई के नतीजे सामने आ गए हैं। परिणामों में तीन सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की है, जबकि चकाई सीट पर महागठबंधन ने बाजी मारी। इस तरह जिले में एक बार फिर राजनीतिक समीकरणों ने दिलचस्प मोड़ लिया है। जिले में एनडीए ने अपनी मजबूत पकड़ बरकरार रखी, हालांकि चकाई में जदयू मंत्री को हार का सामना करना पड़ा।

सिकंदरा विधानसभा (240)

सिकंदरा सीट से एनडीए समर्थित हम पार्टी के उम्मीदवार प्रफुल्ल कुमार मांझी ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने 91,603 वोट पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी उदय नारायण चौधरी को 23,907 मतों से पराजित किया। यह जीत जिले में एनडीए गठबंधन की मजबूती को स्पष्ट करती है।

जमुई विधानसभा (241)

जमुई सीट से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी और वर्तमान विधायक श्रेयसी सिंह ने एक बार फिर बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने 1,23,868 मत हासिल किए और अपने प्रतिद्वंदी शमशाद आलम को 54,498 मतों से हराया। लगातार दूसरी जीत ने जिले में उनकी मजबूत पकड़ और संगठनात्मक आधार को फिर साबित किया। नतीजों के बाद जमुई बीजेपी कार्यालय में जश्न का माहौल रहा, कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

झाझा विधानसभा (242)

झाझा सीट पर भी एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी दामोदर रावत ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। उन्होंने 1,08,317 वोट हासिल करके अपने प्रतिद्वंदी जयप्रकाश यादव को 4,262 मतों से हराया। कड़ा मुकाबला होने के बावजूद जदयू ने यह सीट बरकरार रखी।

चकाई विधानसभा (243)

चकाई सीट पर इस बार सत्ता परिवर्तन देखने को मिला। महागठबंधन समर्थित राजद उम्मीदवार सावित्री देवी ने 80,357 वोट प्राप्त कर 12,972 मतों से जीत हासिल की। उन्होंने जदयू के उम्मीदवार और बिहार सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह को हराया। सुमित सिंह पिछली बार प्रदेश के इकलौते निर्दलीय विधायक थे, बाद में जदयू में शामिल होकर मंत्री बने। उनकी हार चकाई में बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखी जा रही है।

बिहार में प्रेम की मिसाल : पति की मौत के दो घंटे बाद पत्नी ने भी तोड़ा दम, दोनों ने एकसाथ दुनिया को कहा अलविदा

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर के कटरा प्रखंड के खंगूरा डीह पंचायत, वार्ड संख्या 10 में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां पति-पत्नी की मौत ने पूरे गांव को गम में डूबो दिया है। महज कुछ ही घंटे के अंतराल पर दोनों की सांसें थम गईं और गांव में चर्चा है कि उन्होंने सच अर्थों में ह्लसाथ जीने और साथ मरनेह्व का वादा पूरा कर दिया। गांव के 81 वर्षीय सम्मानित बुजुर्ग महेंद्र शर्मा की शनिवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही मिनटों में उनकी हालत इतनी गंभीर हो गई कि परिवार कुछ समझ पाता उससे पहले ही उन्होंने अंतिम सांस ले ली। उनके निधन की खबर फैलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव के लोग भी दौड़े चले आए। सबसे ज्यादा सदमे में उनकी पत्नी सुकुमारी देवी थीं। वे पति के शव के पास लगातार बेहोश हो रही थीं। परिजन उन्हें संभालने और पानी पिलाने की कोशिश करते रहे, लेकिन उनके भीतर उठ रहे दुख के तूफान को कोई समझ नहीं पा रहा था। करीब दो घंटे बाद उन्होंने गहरी सांस ली और देखते ही देखते उनकी भी मौत हो गई। यह दृश्य देखकर गांव वाले स्तब्ध रह गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों एक-दूसरे के लिए जीवन थे। कई बुजुर्गों ने इसे कुदरत का करिश्मा बताया। पूरे गांव की मौजूदगी में पति-पत्नी की अंतिम यात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे के साथ दोनों की चिताएं एक साथ उठीं ठीक वैसे ही, जैसे शादी के समय उनके घर में शहनाइयाँ बजी थीं। महिलाओं की सिसकियाँ थम नहीं रही थीं और गांव भर में इस घटना की चर्चा हो रही है। लोग इसे प्रेम की अनोखी मिसाल बता रहे हैं।

बिहार के दर्जनों जिलों में गिरा तापमान, अगले 4 दिन विशेष सावधानी बरतने की जरुरत

एजेंसी/पटना

पटना समेत 25 जिलों में गिरा तापमान। मोतिहारी सबसे गर्म। पछुआ हवाओं से शुष्क हुआ मौसम, अगले 4 दिन तक लोगों को बरतनी होगी विशेष सावधानी. चुनाव के परिणामों के बीच बिहार में अब मौसम ने भी करवट ले ली है। शुक्रवार को पटना सहित 25 जिलों में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पटना का अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस रह गया। जबकि पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में 30 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ज्यादा तापमान दर्ज हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती परिसंचरण बनने से पछुआ हवाओं का असर बढ़ गया है। इससे आगे भी मौसम शुष्क बना रहेगा। सुबह-शाम हल्की ठंडक बढ़ गई है। दिन में धूप निकलने से राहत तो मिल रही है, लेकिन पछुआ हवाओं की चुभन से लोग गर्म कपड़े निकालने लगे हैं। केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया है कि अगले तीन-चार दिनों तक कई जगहों पर घना कोहरा छाने की संभावना है। तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। न्यूनतम तापमान 12 से 16 डिग्री के बीच ही रहेगा। प्रमुख शहरों के तापमान के बारे में बात करें तो पटना में अधिकतम 27.7 और न्यूनतम 15.7 डिग्री। गया का अधिकतम 26.8 और न्यूनतम 12.2 डिग्री। भागलपुर में अधिकतम 26.8 तथा न्यूनतम 14.6 डिग्री। मुजफ्फरपुर का अधिकतम तापमान 26.4 और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रहा। दक्षिण बिहार के जिलों में ठंड ज्यादा महसूस हो रही है।

सुबह घना कोहरा, दिन में शुष्क मौसम

अगले एक हफ्ते तक बिहार का मौसम शुष्क रहने वाला है. बारिश की कोई संभावना नहीं है, लेकिन कोहरे का असर गहराता जाएगा. सुबह के समय गंगा के मैदानी जिलों और उत्तर बिहार में दृश्यता 50 मीटर तक गिर सकती है. इससे सुबह-सुबह सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है. कोहरे के साथ हवा की क्वालिटी भी बिगड़ेगी. धूलकण और प्रदूषण जमीन के पास ठहर जाएंगे, जिससे अदकखराब होने की आशंका है।

दक्षिण और उत्तर बिहार में अलग-अलग तापमान का असर

आईएमडी के अनुसार, दक्षिण बिहार में दिन का तापमान 26-28°C के बीच रहने की संभावना है. उत्तर और उत्तर-पश्चिमी जिलों में यह 28-30°C तक जा सकता है. रात का तापमान दक्षिण-मध्य और दक्षिण-पश्चिम जिलों में 11-14°C तक गिर सकता है. उत्तर बिहार में रातें थोड़ी कम ठंडी रहेंगी, जहां तापमान 14-16°C के आसपास रहेगा. हालांकि हवा की दिशा वही बनी रहने पर यह अंतर कुछ ही दिनों में मिट सकता है और पूरे राज्य में कड़ाके की ठंड बढ़ सकती है।

रोहतास में एनडीए की सुनामी छह सीटों पर लहराया परचम

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में रोहतास जिले ने राजनीतिक रूप से बड़ा बदलाव दिखाते हुए एनडीए को भारी जनादेश दिया। पिछले चुनाव में सातों सीटें जीतने वाले महागठबंधन को इस बार केवल एक सीट (काराकाट) मिली।बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में रोहतास जिले ने इस बार बड़ा राजनीतिक बदलाव देखते हुए एनडीए को भारी जनादेश दिया है। पिछली बार जहां महागठबंधन ने जिले की सभी सात सीटें जीती थीं, वहीं इस बार समीकरण पूरी तरह बदल गए। एनडीए ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए सात में से छह सीटों पर कब्जा जमाया, जबकि महागठबंधन केवल एक सीट बचा पाया। जिले में एनडीए कार्यकर्ताओं के बीच जश्न का माहौल है।सबसे दिलचस्प मुकाबला काराकाट विधानसभा सीट पर देखने को मिला, जहां महागठबंधन ने अपनी एकमात्र जीत दर्ज की। यहां माले उम्मीदवार ने बेहद कम अंतर से जदयू के उम्मीदवार को हराया।रोहतास जिले की सासाराम, डेहरी, दिनारा, करगहर, नोखा और चेनारी सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की है। वहीं काराकाट सीट महागठबंधन के खाते में गई, जहां माले उम्मीदवार अरुण सिंह ने जदयू को मात दी।

सुभाषितम्

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे। - प्रेमचंद

मंत्री का नाम सेक्स स्कैंडल में

सोशल मीडिया के युग में आरोप लगाना बेहद आसान है। आरोपों की जांच नहीं होना सत्य और असत्य का अंतर धुंधला देता है। कुछ दिनों से इंटरनेट पर एक वायरल मेल तेजी से घूम रहा है। जिसमें दावा किया जा रहा है, कि जेफ्री एपस्टीन से जुड़े एक कथित दस्तावेज में भारत सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री का नाम शामिल है। यह दावा जितना सनसनीखेज है, उतना ही संवेदनशील भी है। यह आरोप सीधे तौर पर भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री, वैश्विक कूटनीति, विदेश मंत्रालय, पेट्रोलियम मंत्रालय और शासन की नैतिकता से जुड़ता है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है, क्या ई-मेल में जो दस्तावेज हैं, वह वास्तविक दस्तावेज हैं? अभी तक भारत सरकार,अथवा किसी अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसी और अन्य किसी जिम्मेदार, मान्य स्त्रोत ने इस वायरल मेल की पुष्टि नहीं की है। बिना सत्यापन के किसी भी व्यक्ति, चाहे वह सामान्य नागरिक हो या कैबिनेट मंत्री के स्तर का हो, उस पर ऐसे गंभीर आरोप लगाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में नहीं है। ना ही पत्रकारिता की मयार्दा के अनुरूप हैं। फिर भी, यह घटना और घटना से जुड़े आरोप एक बड़ा सवाल खड़ा करते हैं। जब कोई आरोप या दावा राष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक संबंधों से जुड़ा हुआ हो, तो सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी, पारदर्शिता के साथ जांच करते हुए सच्चाई को सुनिश्चित करना होता है। यदि आरोप किसी केंद्रीय मंत्रिमंडल के वरिष्ठ और संवेदनशील विभाग के मंत्री का नाम अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज में आता है। चाहे वह सत्यापित हो या वायरल दावा हो। सरकार का कर्तव्य है, वह स्पष्ट रूप से दस्तावेज के आरोपी की जांच कराये और उस पर भारत सरकार वस्तु स्थिति से अवगत कराये। ऐसे संवेदनशील आप पर केंद्र सरकार की चुप्पी भ्रम और अविश्वास को जन्म देती है। एपस्टीन मामला स्वयं एक अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बना हुआ है। यह मामला अमेरिका से भी जुड़ा हुआ है। एलन मस्क ने भी इसके बारे में कई तरह के आरोप लगाए हैं। कई देशों के बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपति और प्रभावशाली व्यक्तियों के नाम चर्चा मे हैं। अधिकांश जानकारी अधूरी है। अभी तक आधिकारिक रूप से कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में किसी भी ह्लवायरल पीडीएफह्व को सत्य मान लेना और राजनीतिक निष्कर्ष निकालना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। इस तरह के आरोप से राजनीतिक सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था भंग होती है। मीडिया की भूमिका यहाँ और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। गोदी मीडिया कहकर भारतीय मीडिया को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निशाना बनाया जाता है। यह भी वास्तविकता है, किसी भी संवेदनशील मामले में ठोस सबूतों का इंतजार करना पत्रकारिता का मूल सिद्धांत है। मीडिया खुद अपने स्तर पर तथ्यों को एकत्रित करके इसे सार्वजनिक करता है, ताकि दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी बातों को सामने ला सकें। सनसनी फैलाने से अधिक आवश्यक है, जिस तरह के दस्तावेज सामने आए हैं उनकी तथ्यात्मक जांच की जाए और वास्तविक स्थिति को सामने लाया जाए। लोकतंत्र में सत्ता से सवाल पूछना जरूरी है। उतना ही जरूरी है, सवाल आधारहीन ना हों। भारत सरकार को इस मामले पर स्पष्टता के साथ सामने आना चाहिए। यदि दस्तावेज फर्जी हैं, तो सरकार को सार्वजनिक रूप से इस मामले में वक्तव्य देकर आरोपों को खारिज करना चाहिए। अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वायरल है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार रह चुके एलन मस्क द्वारा इस मामले को उठाया गया था, लेकिन किसी दबाव के कारण उन्होंने भी अब इस मामले में चुप्पी साध ली है। यह अमेरिका और भारत से जुड़ा हुआ मामला नहीं है, इसकी जद में कई देश के राजनेता आ रहे हैं। ये आरोप नैतिकता, राजनीतिक भ्रष्टाचार तथा सत्ता के खेल से जुड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में जब विदेश मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय पर इसका असर हो रहा हो ऐसी स्थिति में भारत सरकार को इस मामले की जांच कराकर वास्तविक स्थिति को सामने लाना जरूरी है।

चिंतन-मनन

चैतन्यता जरूरी

स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़! दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात्सा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति! विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है। जीवन की अनेक घटनाएं सी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा। हम आवश्यक बातों को याद रखें और अनावश्यक बातों को भूलते चले जाएं। अपने कर्तव्य की विस्मृति शिक्षा की बहुत बड़ी बाधा है।

शांति ही नहीं, सह-जीवन के लिये जरूरी है सहिष्णुता

- ललित गर्ग

विश्व में सहिष्णुता को बढ़ावा देने और जन-जन में शांति, सहनशीलता, स्वस्थता एवं संवेदना के लिये जागरूकता फैलाने के लिए हर वर्ष 16 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य संसार में हिंसा, युद्ध एवं आतंक की भावना और नकारात्मकता को खत्म कर अहिंसा को बढ़ावा देना है। दुनिया में बढ़ते अत्याचार, आतंक, हिंसा और अन्याय को रोकने और लोगों को सहनशीलता और सहिष्णुता के प्रति जागरूकता की भावना जगाने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है। यह दिवस सभी धर्मों और अलग-अलग संस्कृतियों को एक होने की प्रेरणा देता है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य को बचाने की अनिवार्य पुकार है। जिस समय दुनिया विकास और तकनीक की ऊँचाइयों को छू रही है, उसी समय वह असहिष्णुता, हिंसा, युद्ध, आतंक और आक्रोश की गहराइयों में डूबती भी जा रही है। यह विरोधाभास बताता है कि मनुष्य बाहरी रूप से कितना भी समर्थ हो जाए, लेकिन यदि भीतर सहिष्णुता, धैर्य और संवेदना का प्रकाश न हो, तो सभ्यताएँ चमकते हुए भी विघटन के कगार पर खड़ी हो सकती हैं। आज के तनावपूर्ण वातावरण में सहिष्णुता मानवीय संबंधों को जोड़ने वाली सबसे महत्वपूर्ण शक्ति है। यह कमजोरी नहीं, बल्कि वह आंतरिक सामर्थ्य है जो हमें अपने विचारों के साथ दूसरों के विचारों को समझने, स्वीकारने और सम्मान देने की क्षमता प्रदान करती है। व्यक्तियों, समाजों एवं राष्ट्रों की एक दूसरे के लिये बढ़ती असहिष्णुता ही युद्ध, नफरत एवं द्वेष का कारण है, यही साम्प्रदायिक हिंसा एवं उन्माद का भी कारण है। असहिष्णुता, घृणास्पद भाषण और दूसरों के प्रति भय, नफरत, घृणा एवं द्वेष न केवल संघर्ष और युद्धों का एक शक्तिशाली प्रेरक है, बल्कि इसका मुख्य कारण भी है। जबकि सहिष्णुता वह बाध्यकारी शक्ति है जो हमारे बहुसांस्कृतिक, बहुजातीय और बहुधार्मिक समाज को एकजुट करती है। असहिष्णुता केवल सामाजिक एवं राजनैतिक ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न नहीं करती है, बल्कि इसका देश की अर्थव्यवस्था, उसके विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार व्यवस्था को मजबूती देने के लिये सहिष्णुता की बड़ी जरूरत है। यह व्यक्तिगत जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। दुनिया भर में बढ़ते युद्ध, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय संघर्ष, जातीय टकराव और सोशल मीडिया पर फैलती नफरत इस बात का प्रमाण हैं कि असहिष्णुता की आग कितनी तेजी से फैल रही है। ऐसे वातावरण में सहिष्णुता केवल सामाजिक मूल्य नहीं, बल्कि मानवता का आधार बन जाती है। मनुष्य जब संवाद खो देता है, जब सुनने की संस्कृति कमजोर पड़ जाती है, जब व्यक्तिगत अहंकार सामूहिक सद्भाव पर भारी पड़ने लगता है, तब असहिष्णुता जन्म लेती है। यही कारण है कि आज की दुनिया में सबसे बड़ी कमी है-संवाद, धैर्य और विविधता को सम्मानपूर्वक स्वीकारने की क्षमता। सहिष्णुता केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए आवश्यक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन की भी अनिवार्यता है। घरों में तनाव बढ़ रहा है क्योंकि हम दूसरों की बात सुनने का धैर्य खोते जा रहे हैं। रिश्ते टूट रहे हैं क्योंकि हम भिन्नता को स्वीकारने के लिए तैयार नहीं। आधुनिक मनुष्य तेजी से प्रतिक्रियाशील हो गया है; छोटी-सी आलोचना भी उसे अस्थिर कर देती है। यदि हम अपने भीतर सहिष्णुता का दीपक जलाएँ, तो जीवन सरल, सुंदर और शांतिमय हो सकता है।

विशेष रूप से राजनीति में सहिष्णुता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। राजनीति राष्ट्र का मार्ग निर्धारित करती है; यदि इसमें असहिष्णुता, अपमान, दुराग्रह और द्वेष बढ़ता है, तो समाज में भी यही भाव प्रसारित होते हैं। आज जब राजनीतिक भाषा में कटुता बढ़ रही है, विपक्ष की नकारात्मकता के कारण लोकतांत्रिक संवाद और राजनीतिक संस्कृति दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। राजनीति का मूलभूत उद्देश्य जनता की सेवा और राष्ट्र का विकास है, परन्तु यह तभी संभव है जब विचारों की विविधता को सम्मान मिले, विचार-विमर्श की परंपरा जीवित रहे और नेता विरोधी विचारों को भी सुने। श्रेष्ठ नेतृत्व वही है जो सबको साथ लेकर चले, न कि विभाजन और नफरत की सियासत को हवा दे। सहिष्णुता राजनीति को परिपक्वता प्रदान करती है और सत्ता के अहंकार को मानवीय संवेदना से संतुलित करती है। धर्म के क्षेत्र में भी सहिष्णुता की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि धर्म का मूल स्वरूप शांति, करुणा, प्रेम और सद्भाव है। लेकिन जब धर्म कट्टरता और संकीर्णता का साधन बनने लगता है, जब लोग अपने मत को सर्वोच्च और दूसरों के मत को नीचा समझने लगते हैं, तब धर्म का वास्तविक उद्देश्य नष्ट हो जाता है। महावीर, बुद्ध, ईसा, पैगंबर, गांधीकृसभी ने धर्म को मन की शुद्धि और मानवता की रक्षा का मार्ग बताया है, न कि विभाजन और संघर्ष का। धर्म का सार यही है कि हम भिन्नताओं को समझें, दूसरों की आस्थाओं का सम्मान करें और मनुष्यता को सर्वोच्च मानें। धार्मिक सहिष्णुता किसी समाज की आध्यात्मिक ऊँचाई का मापदंड होती है। सह-अस्तित्व की भावना ही वह आधार है जिस पर उन्नत दुनिया का निर्माण संभव है। हम एक ही धरती पर रहते हैं, एक ही मानव समुदाय से जुड़े हैं, और चाहे किसी भी भाषा, धर्म, जाति या संस्कृति से हों, हमारी नियति एक-दूसरे से गुँथी हुई है। यदि हम साथ रहना सीख लें, एक-दूसरे का सम्मान करते हुए आगे बढ़ें, तो दुनिया हिंसा और तनाव से मुक्त होकर सौहार्द और समृद्धि का नया अध्याय लिख सकती है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। सामाजिक माहौल ना बिगड़े और लोग एक दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहे। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा एवं युद्ध की स्थितियां बनना आम हो गया है। रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमाम के बीच लम्बे युद्धों ने विश्व मानव समाज के लिये गंभीर खतरे उत्पन्न किये है। लगातार युद्ध की बढ़ती स्थितियां एवं आतंकवाद की बढ़ना व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं विश्व में बढ़ती असहिष्णुता का ही परिणाम है। किसी भी युग में किसी भी देश में जब-जब सहिष्णुता की दीवार में कोई सुराख करने की कोशिश हुई है, तब-तब आसुरी एवं हिंसक शक्तियों ने सामाजिक एकता को कमजोर किया है और विनाश का तांडव रचा है। सहिष्णुता तभी कायम रह सकती है जब संवाद कायम रहे। सहिष्णुता इमारत है तो संवाद आधार। लेकिन प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद के जाल में फंस चुके इस विश्व में यह संवाद लगातार टूटता जा रहा है। संत कबीरदास से लेकर गुरूनानक, रैदास और आचार्य तुलसी आदि संतों ने समाज में सहिष्णुता का भाव उत्पन्न कर सामाजिक समरसता को जन जन तक पहुंचाया। इससे समाज में सही अर्थों में सहिष्णुता की भावना बलवती हुई। संत कबीर हिन्दु-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे।

आरोपों की राजनीति में झूलता लोकतंत्र

- सुरेश हिन्दुस्थानी

भारत की राजनीति में कौन सी स्थिति कब पैदा हो जाए, कोई यकीनी तौर पर कह नहीं सकता। कभी सत्ता से बेदखल करने के लिए कांग्रेस के विरोध में राजनीतिक दल एकत्रित होते थे, अब यह दृश्य पूरी तरह से विपरीत होता जा रहा है। अब भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए राजनीति की जा रही है। इतना ही नहीं इसके लिए लोकतांत्रिक देश में आरोप और प्रत्यारोप का अभियान सा भी चलता दिखाई दे रहा है। आज की राजनीति के लिए सबसे गंभीर बात यह है कि यह सारे आरोप केवल और केवल प्रायोजित जैसे ही लगते हैं। अभी हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव के लिए चलाए जा रहे प्रचार अभियान के अंतर्गत विपक्षी राजनीतिक दलों ने केन्द्र की भाजपा सरकार पर वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाकर चुनावी दृश्य को अपने रंग में रंगने का प्रयास किया। इस बारे में सबसे गंभीर तथ्य यह भी है कि जो इस दुनिया से चले जाते हैं, उनके वोट हर वर्ष कटते ही हैं और जो युवा अपनी 18 वर्ष की उम्र पूर्ण कर लेते हैं, उनके नाम भी जुड़ते हैं। वैधानिक स्थिति में दो स्थानों पर नाम होना एक बड़ा अपराध होता है। यहां सबसे बड़ा सवाल यही है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने का काम विधिवत तरीके से चुनाव आयोग ही करता है, लेकिन राजनीतिक दल इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा को जिम्मेदार बताने का प्रयास किया जा रहा है। यह आरोप लगाना ही यह प्रमाणित करता है कि वोट चोरी का मामला पूरी तरह से राजनीतिक है, लोकतांत्रिक नहीं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किए जा रहे कार्यों पर सवाल खड़े करना लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा ही है। बिहार में जो आरोप लगाए गए, उनको प्रमाणित करने का सामर्थ्य अगर किसी के पास है तो उन प्रमाणों के साथ ही आरोप लगाना चाहिए। अगर प्रमाण नहीं है तो उन आरोपों को तथ्यहीन ही माना जाएगा। वोट चोरी का आरोप भी तथ्यहीन ही माना जा रहा है। क्योंकि चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर के अंतर्गत की जा रही कार्यवाही में केवल उन्हीं लोगों के नाम हटाए हैं, जिनके हटाए जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने जब इन आरोपों को सबूत के साथ लिखित में देने को कहा तो कोई भी सामने नहीं आया। आज विपक्ष की राजनीति लगभग ऐसी ही होती रही है। आरोप लगाने मात्र से कोई अपराधी नहीं बन जाता, उसके लिए समय पर प्रमाण भी देना होता है। ऐसा ही एक निराधार मामला हरियाणा के चुनाव से जुड़ा हुआ है। जिसमें कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव में ब्राजील की एक मॉडल ने 22 बार वोट डाला है। इसके विपरीत मॉडल लारिसा नेरी का कहना है कि वे भारत कभी गई ही नहीं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब वे भारत आई ही नहीं, तब कांग्रेस का यह आरोप केवल एक नैरेटिव स्थापित करने जैसा ही माना जा सकता है। राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर इस प्रकार का असत्य आरोप लगाना निश्चित ही लोकतंत्र के लिए घातक ही है। बिहार चुनाव के लिए इस प्रकार के आरोपों में कितना दम है, यह तो जांच करने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीति में इस प्रकार के आरोप लगाना उचित है। यकीनन इसका उत्तर नहीं ही होगा। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल द्वारा ऐसे आरोप लगाने के यही निहितार्थ निकाले जा सकते हैं कि उनको किसी भी प्रकार से बिहार में अपनी सरकार बनाना है। आज बिहार के प्रमुख राजनीतिक दलों के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिसके सहारे जनता को प्रभावित किया जा सके। इसलिए सभी राजनीतिक दल एक दूसरे पर आरोप लगाने की राजनीति कर रहे हैं। बिहार के राजनीतिक परिदृश्य की बात की जाए तो वहां भाजपा, कांग्रेस, राजद और जदयू के आसपास ही सत्ता के ताले की चाबी घूमती रहती है। अब भाजपा, जदयू, कांग्रेस, राजद के नेता अपनी पीठ पर तरकश बांधकर तैयार खड़े हैं। किसके तीरों से किसका संधान होगा, यह भविष्य के गर्भ में है। जहां एक ओर राजद की ओर से नीतीश कुमार को राजनीति के लिए अनफिट बताने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं जदयू और भाजपा की ओर से राहुल और तेजस्वी को अपरिपक्व बताने का भी खेल हो रहा है। लेकिन इस बार सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर भी रहेगा कि प्रशांत कुमार की पार्टी कितना प्रभाव दिखाती है। अगर इनका खासा प्रभाव हुआ तो इसकी गति किसको ओवरटेक करेगी, यह देखने वाली बात होगी। देश के कुछ राजनीतिक विश्लेषक बिहार की राजनीति में लगाए जा रहे आरोपों पर यही कहते दिखाई दे रहे हैं कि इन आरोपों के चलते यह दल अपने बचाव करने की स्थिति बना रहे हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि इस चुनाव में भी भाजपा और जदयू के नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत मिलेगा। इस प्रकार का राजनीतिक दृश्य बनता है तो कांग्रेस और राजद इन्हीं मुद्दों को एक नए राजनीतिक हथियार के रूप में उपयोग कर सकता है। सबसे बड़ी बात यह भी है कि अगर बिहार का मतदाता कांग्रेस और राजद को पसंद करता है तो चुनाव आयोग की कोई भी गलती दिखाई नहीं देगी। आरोप केवल तब ही लगाए जाते हैं, जब कोई दल चुनाव हारता है। चूंकि हारने के लिए कोई बहाना भी तलाश करना होता है। इसलिए विपक्ष के पास वोट चोरी का मामला एक बहाने का ही काम करेगा। जहाँ तक बिहार की राजनीति की बात है तो यह सब जानते हैं कि यहां जातिवाद के सहारे ही सरकार बनाई जाती रही हैं। इस बार भी इसी को आधार मानकर विपक्ष राजनीति कर रहा है, वहीं भाजपा और जदयू विकास के नाम पर वोट मांग रही है। विपक्ष के सामने सबसे कठिन बात यही है कि जब प्रदेश में उनकी सरकार रही, तब के बिहार और वर्तमान बिहार की स्थिति में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है।

बिहार का निर्णायक जनादेश नीतीश कुमार की वापसी

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत के सबसे राजनीतिक रूप से सक्रिय और संवेदनशील राज्यों में से एक बिहार ने एक बार फिर ऐसा जनादेश दिया है, जिसने न केवल राज्य की राजनीति में भारी हलचल पैदा की है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता-संतुलन और राजनीतिक संकेतों को भी गहराई से प्रभावित किया है। 2025 के इस चुनावी परिणाम ने साफ कर दिया है कि पटना का राजनीतिक किला एक बार फिर बिहार के अनुभवी और लंबे समय तक शासन करने वाले नेता नीतीश कुमार के हाथों में जाता दिख रहा है। एनडीए गठबंधन ने न केवल यह चुनाव जीतने की दिशा में ऐतिहासिक बढ़त हासिल की है, बल्कि पिछले 15 वर्षों में बना कोई भी रिकॉर्ड इस चुनाव की भव्यता और जनसमर्थन की ऊंचाई से मेल नहीं खाता। मैं एडवोकेट किशन सनमुदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि बिहार में एनडीए की प्रचंड वापसी राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय जुड़ रहा है,चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक विश्लेषण के आधार पर यह लगभग तय माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ एनडीए एक बार फिर सरकार बनाने की स्थिति में है। नीतीश कुमार, जो बिहार की राजनीति में एक स्थिरता का प्रतीक माने जाते हैं, राज्य के राजनीतिक किले पर दोबारा कब्जे की ओर तेजी से बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। इस चुनाव में न केवल जदयू-बीजेपी गठबंधन ने अपने पारंपरिक मतदाताओं को मजबूत तरीके से साधा, बल्कि एनडीए ने उन इलाकों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जहां पिछले वर्षों में विपक्ष को बढ़त मिली थी।चुनाव परिणामों की गहराई से समीक्षा करने पर यह स्पष्ट होता है कि एनडीए की इस बार की बढ़त किसी सामान्य चुनावी लहर का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कई बहुआयामी सामाजिक- राजनीतिक रणनीतियों, योजनाओं और शासन के मॉडल का संयुक्त प्रभाव है। बिहार के मतदाता इस वक़्त केवल राजनीतिक दलों के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि वे उन सरकारों को चुन रहे हैं जिनके पास व्यवस्थापकीय क्षमता, विकास का ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य का स्पष्ट रूप से सटीक दृष्टिकोण भी दिखाई देता है। साथियों बात अगर हम प्रदर्शन जिसने रिकॉर्ड तोड़ दिए है एनडीए की 200 सीटों से अधिक की ओर बढ़त है,इस चुनाव का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि जेडीयू-बीजेपी गठबंधन लगभग 200 सीटों के आंकड़े से अधिक की ओर पहुंच रहा है, जो पिछले 15 वर्षों के किसी भी चुनावी प्रदर्शन से अधिक है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं है,यह एक सामाजिक संदेश है कि बिहार के लोगों ने स्थिरता, अनुभव और नीति-प्रधान शासन के मॉडल को प्राथमिकता दी है।एनडीए की इस जीत के पीछे दो कारक सबसे प्रमुख रहे,पहला, जमीनी स्तर पर योजनाओं की प्रभावी पहुंच, और दूसरा, विपक्ष का कमजोर संगठन और बिखराव। भारत के अन्य राज्यों की तरह, बिहार में भी अब चुनाव केवल जातीय समीकरणों पर नहीं, बल्कि योजनाओं की डिलीवरी, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के रोजगार और सामाजिक कल्याण जैसे कारकों पर लड़ने लगे हैं। यह बदलाव भारतीय लोकतंत्र के परिपक्व होने का संकेत है। साथियों बात कर हम बिहार से बंगाल तक बीजेपी की राष्ट्रीय विस्तार रणनीति को समझने की करें तो,एनडीए की इस अभूतपूर्व सफलता के बाद भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति में एक नई ऊर्जा दिखाई दे रही है।

आज का राशिफल

मेष शुभ समाचार प्राप्त होगा। इसके फलस्वरूप आपको मांगलिक कार्यों में शामिल होने का मौका मिलेगा।

तुला कई तरह के शुभ अवसर लेकर आ रहा है। भाग्य का साथ मिलने से दिन लाभकारी रहेगा।

वृषभ आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। इस दौरान किसी देवस्थान की यात्रा का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक स्थिति के लिहाज से लाभदायक रहने वाला है। आज के दिन काफी मजबूत रहेगी।

मिथुन ऐसे में किसी रचनात्मक काम को पूरा करने में आपका दिन बीत सकता है।

धनु काम सोच समझकर करना होगा। व्यापार में अधिक सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी।

कर्क आज के दिन मान-सम्मान की प्राप्ति होती दिख रही है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

मकर भागीदारी में किए गए व्यापारिक कार्यों से काफी मुनाफा होता दिख रहा है।

सिंह दिन काफी व्यस्त रखने वाला है। दिन धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में ही गुजरने वाला है।

कुंभ सतर्क रहना होगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही आपकी परेशानी बढ़ा सकती है।

कन्या आस-पास के लोगों से या सहकर्मियों के साथ किसी प्रकार के टकराव की नौबत आ सकती है।

मीन दिन लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने से आपको अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

विशेष

बिहार विधानसभा चुनाव ना भूतो ना भविष्यते

बिहार का विधानसभा चुनाव ना भूतो ना भविष्यति की तर्ज पर हुआ है। स्वतंत्रता के बाद जितने भी चुनाव हुए हैं। ऐसा चुनाव कभी देखने को नहीं मिला।ऐसी ऐतिहासिक जीत जो एनडीए गठबंधन को मिली है। वैसी जीत कभी किसी भी नेता या पार्टी की नहीं हुई है। इसे ज्ञानादेश की जीत कहा जा रहा है। विपक्ष कह रहा है, जनादेश हार गया। जनता इस ज्ञानादेश को स्वीकार करती है, या नहीं, यही देखना बाकी रह गया है। कोई भी चुनाव विशेषज्ञ इस चुनाव की व्याख्या नहीं कर पा रहा है। यह चुनाव व्याख्या करने योग्य नहीं है।

अमित शाह ने बता दिया उन जैसा चाणक्य कोई नहीं

बिहार के विधान सभा चुनाव में जिस तरह से एनडीए गठबंधन ने जीत के पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं।उसके बाद यह कहा जा रहा है। चुनाव प्रबंधन और सत्ता के सिंहासन में कैसे कब्जा किया जा सकता है। इस युग में केवल अमित शाह ही ऐसे चाणक्य हैं। जो हर मुश्किलों का सामना बड़े कौशल से करते हैं। सामने वाला उनके सामने वेवश होकर रह जाता है। बिहार विधानसभा चुनाव की जीत ने अमित शाह के चेहरे पर चार चांद लगा दिए हैं।विपक्ष को उन्होंने बिहार चुनाव में जो जवाब दिया है। उसके बाद अब संसद के सत्र में विपक्ष के पास मिमयाने के अलावा कुछ नहीं रह जाएगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1713: बालाजी विश्वनाथ पेशवा नियुक्त किए गए। 1797: ब्रिटिश नौ सेना भूमध्यसागर से हटी। 1835: झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का जन्म। 1860: भारत से अनुबंधित श्रमिको गिरमिटिया मजदूरों का प्रथम दल नायल दक्षिण अफ्रीका गया। 1933: अमरीका और सोवियत संघ के बीच राजनयिक संबंध कायम हुए। 1941: जर्मनी ने मास्को पर दोबारा हमला किया। 1952: यूनान में फील्ड मार्शल पापगोस ने सरकार का गठन किया। 1967: साइप्रस में संघर्ष में 23 तुर्की सीप्रियाई मारे गए। 1968: सोवियत संघ ने विश्व का सबसे बड़ा अंतरिक्ष यान प्रोटोन चार का प्रक्षेपण किया। 1972: अमरीका और यूरोपीय देशों ने सोवियत संघ को मध्य यूरोप में हथियारों की कटौती संबंधी वार्ता में शामिल होने का न्यौता दिया। 1988 :एस्टोनिया की संसद ने स्वतंत्रता की घोषणा की।

दैनिक पंचांग

16 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.20 ब.से
चंद्र	कन्या में	धनु	08.36 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.41 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.27 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.00 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.31 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.11 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.09 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.22 बजे से
		सिंह	23.38 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	कन्या	01.50 बजे से
		तुला	04.01 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 320 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 04.48 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 02.11 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 06.46 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.41 बजे तदनन्तर तैतिल 04.48 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 18° 44' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872530 **जूलियन दिन** 2460995.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 24 **विशेष** वृश्चिक संक्रांति।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

बच्चों को शिक्षित करना भी देश सेवा है : सरदार शैलेंद्र सिंह

जमशेदपुर, एजेंसी। बाल दिवस के अवसर पर जुगसलाई के एक स्कूल में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें छह ग्रुप शामिल हुए। बाल दिवस के अवसर पर जुगसलाई के एक स्कूल में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें छह ग्रुप शामिल हुए। इसमें प्रथम शशि, द्वितीय सूरज व विजेता में तीसरे स्थान पर जिया की टीम रही। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता सरदार शैलेंद्र सिंह, वशिष्ठ अतिथि के रूप में विमलेश उपाध्याय, बुलेट तिवारी ने विजेता टीम को शील्ड प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया। सरदार शैलेंद्र सिंह ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करना भी देश सेवा है। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक अरुण कुमार सिंह, प्राचार्य राधा कुमारी, रौकी वर्मा, खुशबू कुमारी सोनकर, निशा कुमारी, सुनीता कुमारी, पूनम, पिंकी कुमारी समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

घाटशिला की बड़ी जीत जनता के भरोसे का परिणाम : जम्मी भास्कर

जमशेदपुर, एजेंसी। कांग्रेस के कोल्हान प्रवक्ता जम्मी भास्कर ने घाटशिला उपचुनाव में सोमेश चंद्र सोरेन की ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी है। कांग्रेस के कोल्हान प्रवक्ता जम्मी भास्कर ने घाटशिला उपचुनाव में सोमेश चंद्र सोरेन की ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह जीत कांग्रेस-झामुमो गठबंधन की मजबूती और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व पर जनता के बढ़ते भरोसे का स्पष्ट संकेत है।जम्मी भास्कर के अनुसार, राज्य सरकार के जनहितकारी और विकासात्मक कदमों को जनता ने सराहा है, जिसका सकारात्मक संदेश चुनाव परिणाम में दिखायी देता है। उन्होंने कहा कि स्व। रामदास सोरेन के प्रति लोगों की श्रद्धांजलि और संवेदना भी परिजनों को मिले भारी समर्थन में झलकती है।उन्होंने कहा कि यह जीत सरकार को और मजबूती देगी तथा साबित करती है कि झारखंड की जनता गठबंधन सरकार के साथ खड़ी है। इससे विकास कार्यों में और तेजी आयेगी।

जीएनएम स्कूल की छात्राओं ने डायबिटीज के प्रति किया जागरूक

जमशेदपुर, एजेंसी। विश्व डायबिटीज दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एमजीएम अस्पताल के ओपीडी में जीएनएम नर्सिंग स्कूल की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिये लोगों को डायबिटीज के प्रति जागरूक किया। विश्व डायबिटीज दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एमजीएम अस्पताल के ओपीडी में जीएनएम नर्सिंग स्कूल की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिये लोगों को डायबिटीज के प्रति जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इसके कारण, लक्षण, बचाव, समय पर जांच एवं उपचार के महत्व को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। वास्तविक जीवन से प्रेरित दृश्य, संवाद और नारों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने का संदेश दिया गया। इस दौरान एमजीएम मेडिसिन विभाग के पूर्व एचओडी डॉ निर्मल कुमार ने उपस्थित लोगों को शुगर बीमारी के बारे में जानकारी देने के साथ ही इसकी रोकथाम, प्रारंभिक लक्षणों की पहचान और जीवनशैली में सुधार पर उपयोगी जानकारी दी। इस कार्यक्रम में छात्रों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सुनैना टुडू प्रथम, प्रिया प्रमाणिक द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिशु रोग विभाग के डॉ राघवेंद्र, नर्सिंग स्कूल की सह प्राचार्य एच डाग, नर्सिंग ट्यूटर मिनी बाला सोरेन, मनीषा टोप्पो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

घूस लेते पकड़े गये डाक विभाग के दोनों कर्मचारी होंगे सस्पेंड

जमशेदपुर, एजेंसी। सीबीआइ की गिरफ्त में आये सरायकेला के पोस्टल इंस्पेक्टर दिवाकर कुमार दीपक और हजारीबाग में पदस्थापित डाक विभाग के क्लर्क रंजन कुमार दास को सस्पेंड किया जायेगा। सीबीआइ की गिरफ्त में आये सरायकेला के पोस्टल इंस्पेक्टर दिवाकर कुमार दीपक और हजारीबाग में पदस्थापित डाक विभाग के क्लर्क रंजन कुमार दास को सस्पेंड किया जायेगा। पोस्टल विभाग को इसकी पूरी रिपोर्ट भेजी गयी है। तय नियम के मुताबिक, 48 घंटे तक अगर कोई जेल चला जायेगा, तो निश्चित तौर पर उनको सस्पेंड किया जायेगा। इसको लेकर आंतरिक तौर पर भी जांच की जा रही है और विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। वरिष्ठ डाक अधीक्षक उदयभान सिंह ने बताया कि डाक विभाग के नियम के मुताबिक, विभागीय कार्रवाई को लेकर नियम तय है। अगर कोई 48 घंटे तक जेल में जाता है, तो उसको सस्पेंड करना ही होता है। यह कार्रवाई स्वत: हो जायेगी। सीबीआइ की कार्रवाई की जानकारी विभागीय तौर पर दे दी गयी है। गौरतलब है कि बुधवार को मध्य प्रदेश के रहने वाले विश्वजीत सिंह सिकरवार का चयन ग्रामीण डाकसेवक के तौर पर हुआ था। उनकी ज्वाइनिंग सीनी के कमलपुर शाखा में बतौर सहायक शाखा डाकपाल के पद पर होनी थी। जब विश्वजीत सिंह ड्यूटी ज्वाइन करने आये, तो ऐसा करने नहीं दिया गया।

झारखंड 25 : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं, राज्यपाल और सीएम ने भगवान बिरसा को अर्पित की पुष्पांजलि

रांची, एजेंसी। झारखंड अलग राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। 15 नवंबर, 2000 को झारखंड को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ था। तब से, झारखंड अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रयासरत है। 15 नवंबर, 2000 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर बिहार से अलग राज्य के रूप में गठित झारखंड ने अपने अस्तित्व के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान राज्य ने कई राजनीतिक उथल-पुथल देखी हैं। हर साल झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन किए जाते हैं। इस वर्ष भी मोरहाबादी मैदान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।मोरहाबादी मैदान में आज झारखंड की कला, संस्कृति, इतिहास और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने वाली एक भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी, मुख्य समारोह भी यहीं आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। दोपहर 1 बजे तक दर्शकों के बैठने की व्यवस्था हो जाएगी, जिसके बाद औपचारिक कार्यक्रम शुरू होंगे। मोरहाबादी मैदान को झारखंड थीम पर सजाया गया है, जहां

एक मंच पर राज्य की उपलब्धियों और विकास योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, 'आज झारखंड के लिए बहुत बड़ा दिन है। आज स्थापना दिवस भी है और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती भी। भगवान बिरसा मुंडा के बारे में जितना भी कहा जाए, कम होगा। उन्होंने देश के इतिहास में एक लंबी छाप छोड़ी और सर्वसमाज को आगे लाने का काम किया।।।'

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा, 'आज इस राज्य का 25वां स्थापना दिवस है। भगवान बिरसा मुंडा सचमुच एक ऐसी शख्सियत हैं जिनके बारे में जितना भी कहा जाए, कम है। हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और कामना करते हैं कि राज्य प्रगति करे।'

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को उनकी 150वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि झारखंड प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध संस्कृति और खनिज संपदा से भरपूर एक खूबसूरत राज्य है। यहां की सभ्यता और परंपराएं इस भूमि को और भी विशेष बनाती हैं। झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी।पी। राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और बांसुरी स्वराज और अन्य ने आज स्वतंत्रता सेनानी को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। संसद परिसर में प्रेरणा स्थल से है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि, जनजातीय संस्कृति से समृद्ध गौरवशाली प्रदेश झारखंड के सभी निवासियों को राज्य के स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान बिरसा मुंडा जी की इस धरती का इतिहास साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की गाथाओं से भरा हुआ है। आज इस विशेष अवसर पर मैं राज्य के अपने सभी परिवारजनों के साथ ही यहां की प्रगति और समृद्धि की कामना करता हूं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी को झारखंड राज्य की स्थापना की रजत जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की इस धरती के प्रतिभाशाली और कर्मठ लोगों ने राज्य का और पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। प्राकृतिक संपदाओं से समृद्ध यह राज्य देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है। यहाँ के जनजातीय समुदाय की समृद्ध लोक-कलाओं की देश-विदेश में प्रतिष्ठा है। यहाँ के शूरवीरों ने भारत माता की सेवा के अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मेरी मंगलकामना है कि झारखंड प्रगति-पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा राज्य के सभी निवासियों का भविष्य उज्ज्वल हो।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने झारखण्ड स्थापना दिवस पर सभी राज्यवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि झारखण्ड आज अपने स्थापना के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर रहा है, यह विभिन्न क्षेत्रों में हमारी प्रेरणादायक प्रगति का प्रतीक है। मैं आप सभी की सुख-समृद्धि और राज्य की निरंतर उन्नति की कामना करता हूं।

शराब घोटाला: छत्तीसगढ़ का कारोबारी राजेंद्र जायसवाल गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। झारखंड में हुए शराब घोटाले में एक और बड़ी गिरफ्तारी हुई है। झारखंड एसीबी ने छत्तीसगढ़ के बड़े शराब कारोबारी राजेंद्र जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है। राजेन्द्र जायसवाल की गिरफ्तारी छत्तीसगढ़ से की गई है।

एसीबी ने शराब घोटाले में छत्तीसगढ़ के शराब कारोबारी राजेंद्र जायसवाल उर्फ चुन्नु जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी के द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, गुरुवार को राजेंद्र की गिरफ्तारी विलासपुर के फेज वन सकरी, आशमा सिटी के बंगला नंबर 287 से की गई है। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम कारोबारी को लेकर रांची पहुंची। एसीबी ने कोर्ट में पेशी के बाद राजेंद्र जायसवाल को जेल भेज दिया है।

राजेंद्र जायसवाल मेसर्स वेलकम डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर सह संचालक हैं। आईएएस विनय कुमार चौबे के करीबी सिद्धार्थ सिंघानिया के जरिए राजेंद्र ने झारखंड में देशी शराब की आपूर्ति का ठेका लिया था। जांच में एसीबी ने यह पाया है कि वेलकम डिस्टिलरी के द्वारा आपूर्ति की गई शराब के बोतलों में कांच के टुकड़े और गंदगी पाए गए थे।

एसीबी ने प्रेस नोट जारी कर बताया है कि खराब क्वालिटी के देशी शराब की आपूर्ति से आमजनों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया गया, जान माल की हानि की संभावना भी इससे बनी रही। एसीबी ने बताया है कि जांच में प्रारंभिक साक्ष्य पाते हुए प्राथमिक अभियुक्त राजेंद्र जायसवाल को गिरफ्तार किया गया है।

झारखंड के 25 साल: स्वास्थ्य के क्षेत्र में रफ्तार धीमी काफी सुधार की जरूरत

रांची, एजेंसी। बिहार से अलग होकर 15 नवंबर 2000 को एक अलग राज्य के रूप में उभरा झारखंड अपनी रजत जयंती मना रहा है। अपनी स्थापना के बाद से 25 वर्षों में झारखंड ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कितनी प्रगति की है और कहां पिछड़ा है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है, लेकिन ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था, डॉक्टरों पर कम और भगवान पर ज्यादा निर्भर है। लगभग 4 करोड़ की आबादी के बावजूद राज्य में डॉक्टरों की कमी है। ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति और भी बदतर है।

झारखंड राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ (झासा) के अध्यक्ष डॉ। बिमलेश कुमार सिंह ने बताया कि राज्य गठन के समय केवल 900 सरकारी डॉक्टर थे। आज यह संख्या बढ़कर लगभग 2,300 हो गई है, लेकिन आबादी और इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड (आईपीएचएस) को देखते हुए यह संख्या अभी भी कम है। उनके अनुसार, शहरी इलाकों में स्वास्थ्य सेवा में सुधार जरूर दिखाई दे रहा है। रांची सदर अस्पताल अब अपनी सुपर-स्पेशलिटी सेवाओं के लिए जाना जाता है। रिम्स ने कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और चाइल्ड सर्जरी जैसी सुपर-स्पेशलिटी सेवाएं शुरू की हैं और रक्त संबंधी बीमारियों के लिए एक अत्याधुनिक डे केयर सेंटर भी संचालित करता है। 25 वर्षों में, मातृ एवं शिशु सेवा से लेकर सुपर-स्पेशलिटी सेवा तक में बदलाव और आयुष्मान भारत आरोग्य योजना के सफल कार्यान्वयन के साथ, रांची सदर अस्पताल ने देश भर में एक मॉडल हॉस्पिटल के रूप में पहचान बनाई है। साल 2000 में, यहां केवल सामान्य मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, और बाल रोग जैसे विभाग थे। 2025 तक, यह न केवल नई तकनीकों से लैस है, बल्कि डीएनबी डिग्री प्रोग्राम, प्राइवेट-पब्लिक मॉडल पर सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी सेवाओं और एक दर्जन सुपर-स्पेशलिटी विभागों का केंद्र भी बन गया है। झारखंड बनने के समय, राजेंद्र मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (आरएमसीएच) बाद में स्वायत्त होकर राजेन्द्र इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बन गया। आरएमसीएच में बिस्तरों की संख्या, जो पहले 300 से भी कम थी, अब 25 वर्षों में 2,000 से ज्यादा हो गई है। रिम्स चिकित्सा शिक्षा संघ के अध्यक्ष डॉ। प्रभात कुमार कहते हैं कि रिम्स में मरीजों की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन उस अनुपात में फैकल्टी की संख्या नहीं बढ़ी है। नर्सिंग और मेडिकल स्टाफ की कमी भी बनी हुई है। रांची के सदर अस्पताल में तैनात युवा मेडिकल अफसर डॉ। स्टीफन खेस कहते हैं कि राज्य बनने के बाद से 25 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में एकमात्र विकास यह हुआ है कि अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी जटिल सर्जरी की जा रही है, लेकिन ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में डॉक्टरों और उनके परिवारों के लिए कोई बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। नतीजतन, जैसे ही किसी योग्य युवा डॉक्टर का ग्रामीण इलाके में तबादला होता है, वह वहां जाने के बजाय नौकरी छोड़ना पसंद करता है। 15 नवंबर, 2000 को जब झारखंड अलग राज्य बना, तब केवल रांची, जमशेदपुर और धनबाद में ही एक-एक मेडिकल कॉलेज अस्पताल था। राज्य बनने के बाद से, देवघर में एम्स के साथ-साथ दुमका, पलामू और हजारीबाग में सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थापित किए गए हैं, जबकि जमशेदपुर और विश्रामपुर में दो मेडिकल कॉलेज अस्पताल वर्तमान में संचालित हैं।

घाटशिला उपचुनाव: जीत के बाद बोले जेएमएम प्रत्याशी सोमेश सोरेन, 'बाबा के सपनों को करेंगे पूरा'

जमशेदपुर, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झामुमो उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन ने भारी जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन दूसरी बार हार गए। जीत के बाद सोमेश सोरेन ने कहा कि उन्हें अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करना है। झामुमो उम्मीदवार सोमेश सोरेन ने भाजपा उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन को 38,524 मतों के अंतर से झामुमो विधायक और झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन के बाद यह उपचुनाव हुआ था। झामुमो ने दिवंगत रामदास सोरेन के बड़े बेटे सोमेश सोरेन को मैदान में उतारा था। सोमेश सोरेन का राजनीति में यह पहला कदम था। इस बीच, भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन को टिकट दिया। बाबूलाल सोरेन, जिन्होंने पहले भाजपा के टिकट पर घाटशिला विधानसभा चुनाव लड़ा था, हार गए थे। उन्होंने दूसरी बार चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें जनता का समर्थन नहीं मिला।

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,56,352 मतदाता थे। इस उपचुनाव में तेरह उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। कुल 300 मतदान केंद्रों पर 11 नवंबर को मतदान हुआ, जिसमें 74।63 प्रतिशत मतदान हुआ।

सोमेश सोरेन की जीत के बाद झामुमो समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया। झामुमो उम्मीदवार सोमेश सोरेन ने कहा कि उन्हें पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि वह अपने दिवंगत पिता के अधूरे सपनों को पूरा करना चाहते हैं। वह निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को निराश नहीं करेंगे।

लंदन में जनजातीय गौरव दिवस समारोह, रांची की बेटियों ने लोकनृत्यों से बिखेरा जलवा, भारतीय उच्चायोग संथाल और नागपुरी गीत-संगीत से सराबोर

रांची, एजेंसी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाती है। इसी दिन झारखंड गठन के 25 साल भी पूरे हुए हैं। देश-विदेश में जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन शुरू हो गए हैं। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में भी जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लंदन में रहने वाली रांची की बेटियों ने भी इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग, इंडिया हाउस में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे बड़े ही गौरव, उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम महान आदिवासी नेता, स्वतंत्रता सेनानी और स्वाभिमान के प्रतीक बिरसा मुंडा की अमर विरासत को समर्पित था। उपस्थित सभी लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन यूनाइटेड किंगडम स्थित भारतीय उच्चायोग के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने किया। इस कार्यक्रम में लंदन से आए कई विशिष्ट अतिथियों, भारत से आए समुदाय के सदस्यों और सांस्कृतिक संगठनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनजातीय परंपराओं को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताया।

उन्होंने भारत की स्वतंत्रता में जनजातीय नेताओं के योगदान पर प्रकाश डाला और जनजातीय उत्थान एवं मान्यता में भगवान बिरसा मुंडा के अग्रणी योगदान पर भी अपने विचार साझा किए। यह कार्यक्रम लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग और सिफी, धुन, झारखंड यूके नेटवर्क और टीम स्वरांगी सहित स्थानीय संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान, यूके में सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और शैक्षिक विकास के क्षेत्रों में सिफी के उल्लेखनीय कार्यों को मान्यता दी गई। भारतीय उच्चायोग के उप निदेशक कार्तिक पांडे ने चर्चा का नेतृत्व किया और जनजातीय लोक नृत्य के सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उज्ज्वल बंगा, सिफी, धुन, झारखंड यूके नेटवर्क और टीम स्वरांगी के सदस्य भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर, रांची की बेटी और कांके रोड निवासी जूही प्रिया के नेतृत्व में टीम स्वरांगी ने सहयोगियों रिमी रॉय सरकार, शरबोनी दास, सुदेशना सामंत और वैसाखी दत्ता के साथ आदिवासी वेशभूषा में झारखंड के संथाल लोक नृत्य पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य और गीत प्रस्तुत किया, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस कार्यक्रम के दौरान स्वरांगी टीम की महिलाओं ने पारंपरिक आदिवासी संगीत, नृत्य और प्रस्तुति के माध्यम से बिरसा मुंडा के योगदान को श्रद्धापूर्वक याद किया।

झारखंड पुलिस के दो मजबूत स्तम्भ: एक ने नक्सलियों को किया तबाह तो दूसरे ने आतंक पर ढाया कहर !

रांची, एजेंसी। 15 नवंबर 2000 को अलग झारखंड राज्य का गठन हुआ। नए सपनों की उम्मीद के बीच विरासत में मिले घाव को जड़ से मिटाने का बड़ा जिम्मा भी थी। नासूर बन चुके नक्सलियों से लोहा लेना नये राज्य की पुलिस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं थी। फिर वक्त के साथ संभलते हुए झारखंड पुलिस ने वो कारनामा कर दिखाया, जिसके बाद राज्य पुलिस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

झारखंड राज्य निर्माण के 25 साल हो गए हैं। इन 25 वर्ष के दौरान झारखंड में आधारभूत संरचनाओं में कई तरह के बदलाव हुए। कई तरह के आधुनिक संसाधन झारखंड राज्य लैस हुआ। झारखंड पुलिस महकमे ने भी इन 25 सालों में काफी तरक्की की है। एक समय थ्रीनॉटथ्री (303) राइफल से दुश्मनों से लोहा लेने वाली पुलिस के पास अब अत्याधुनिक हथियारों का जखीरा है।

नक्सलियों के खिलाफ झारखंड पुलिस में अपना विशेष फोर्स बनाया। वहीं आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए एटीएस का गठन हुआ। यूं तो झारखंड के कई विभाग बेहद महत्वपूर्ण हैं लेकिन झारखंड निर्माण के बाद दो ऐसे विभाग बने जिन्होंने झारखंड पुलिस में बेहतरीन योगदान दिया है उनमें से पहला है झारखंड जगुआर और दूसरा है झारखंड एटीएस।

झारखंड निर्माण के 25 साल हो गए इन 25 सालों में अगर सबसे ज्यादा झारखंड पुलिस को किसी ने नुकसान पहुंचा है तो वह है नक्सलियों से। जिस समय आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में नक्सलियों का दबदबा था, उस दौरान झारखंड भी लाल आतंक के साए में जी रहा था।

साल 2000 से लेकर 2007 तक झारखंड में नक्सलवाद अपने चरम पर था। झारखंड पुलिस सीआरपीएफ के मदद से नक्सलवाद के खिलाफ एक तरह से एक बेहद खूनी लड़ाई लड़ रही थी। जिसमें जंगलों-पहाड़ों पर अक्सर नक्सली पुलिस पार्टी पर भारी पड़ते थे। उस समय झारखंड पुलिस पूरी तरह से अभियान के लिए केंद्रीय बलों पर आश्रित थी। जबकि आंध्र प्रदेश पुलिस की अपनी नक्सल एक्सपर्ट फोर्स ग्रे हाउंड नक्सलियों के खिलाफ बेहद मारक साबित हो रही थी।

इसके बाद झारखंड पुलिस ने भी नक्सलियों के खिलाफ एक अपनी फोर्स तैयार की जिसका नाम झारखंड जगुआर दिया गया। आंध्र प्रदेश के ग्रे हाउंड के तर्ज पर नक्सल अभियान में झारखंड जगुआर की भूमिका बेहद कारगर है। गठन के 17 सालों में जगुआर की वजह से माओवादी समेत तमाम उग्रवादी संगठनों पर नकेला कसा है।

झारखंड जगुआर यानी भरोसे का दूसरा नाम, अपने गठन के बाद से ही स्पेशल फोर्स झारखंड के नक्सलियों के लिए खौफ का दूसरा नाम है। 17 साल पहले जब झारखंड के लगभग सभी जिलों में नक्सलियों की धमक थी तब इस फोर्स का गठन हुआ, उसके बाद से इस फोर्स ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फोर्स ने दर्जन भर नक्सलियों को इनकाउंटर में मार गिराया, वहीं सैकड़ों को सलाखों के पीछे भी पहुंचाया है। झारखंड में नक्सलियों पर लगाम लगाने और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोगों को सुरक्षा देने के लिए अब केंद्रीय बलों की सहयोग की बहुत कम जरूरत पड़ती है। यह संभव इसलिए हो पाया क्योंकि स्पेशल टास्क फोर्स की झारखंड में गठित स्पेशल यूनिट अब नक्सलियों के साथ लोहा ले रही है, जिसे झारखंड जगुआर के नाम से जाना जाता है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों की रोकथाम और उनके आतंक को पूरी तरह से खत्म करने के लिए झारखंड के निर्माण के लगभग 8 साल बाद झारखंड जगुआर की स्थापना की गई थी।

एक समय था जब अगर कहीं नक्सलियों के द्वारा बिछाया गया लैंडमाइंस या आईईडी मिल जाए तो उसे कैसे नष्ट किया जाए यह एक बड़ी समस्या होती थी। अक्सर इसके लिए सीआरपीएफ और सेना की मदद ली जाती थी लेकिन यह बातें पुराने हो चुकी हैं। झारखंड जगुआर के गठन के बाद सबसे पहले इसकी 12 बीडीएस टीम यानी बम निरोधक दस्ते की टीम तैयार की गई।

झारखंड जगुआर के बीडीएस टीम ने पूरे झारखंड से सैकड़ों की संख्या में आईईडी को जमीन से निकालकर उसे नष्ट किया। वर्तमान समय में जगुआर में 40 एसॉल्ट ग्रुप 12 बम स्क्वायड टीम है। झारखंड जगुआर में शामिल अधिकारियों और जवानों को 50% अतिरिक्त भत्ता का लाभ भी मिलता है। झारखंड से नक्सलवाद 95% खत्म हो चुका है हालांकि हकीकत यह भी है कि जो नक्सली बचे हैं उनके पास भी अत्यधिक हथियार मौजूद है। लेकिन इन सबके बीच सबसे बड़ी राहत यह है कि नक्सलियों से लोहा ले रहे झारखंड जगुआर के पास अत्याधुनिक हथियारों का जखीरा है। जगुआर के पास रात में दिखाई देने वाला यंत्र भी मौजूद है। इसके अलावा एक-47 के साथ-साथ टेबेरो एक्स 95 हथियार भी है।

इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जानें

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस का कोर्स करते है लेकिन इसमें प्लेसमेंट बहुत कम देखने को मिलती है। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जान लें।

इंजीनियरिंग का सपना देखने वाले छात्रों को यह बात जरुर पता होना चाहिए। वैसे तो देश के कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो लाखों का प्लेसमेट पैकेज देते हैं। आज के समय में सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर सांइस ब्रांच में सबसे ज्यादा छात्र एडमिशन लेते हैं लेकिन इस ब्रांच में प्लेसमेंट बहुत ही कम मिलते हैं। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जान लें।

बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट में पीछे हुआ

आजकल सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस के ब्रांच से इंजीनियरिंग कर तो रहे हैं लेकिन कई कॉलेज के प्लेसमेंट रिकॉर्ड में पाया गया है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट काफी पीछे रह गया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर के प्लेसमेंट रिकॉर्ड के बारे में बताएं तो यहां बीटेक कंप्यूटर साइंस में प्लेसमेंट बहुत कम हुआ है। NIT रायपुर में बीटेक कंप्यूटर साइंस में कुल 83.65 फीसदी छात्रों को नौकरी मिली है।

BTech IT में सबसे ज्यादा प्लेसमेंट

गौरतलब है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस से ज्यादा बीटेक आईटी के छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट में जॉब ऑफर ज्यादा मिल रहे हैं। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी यानी BTech IT के 84.47 फीसदी छात्रों का सेलेक्शन कैंपस प्लेसमेंट राउंड में हुआ है।

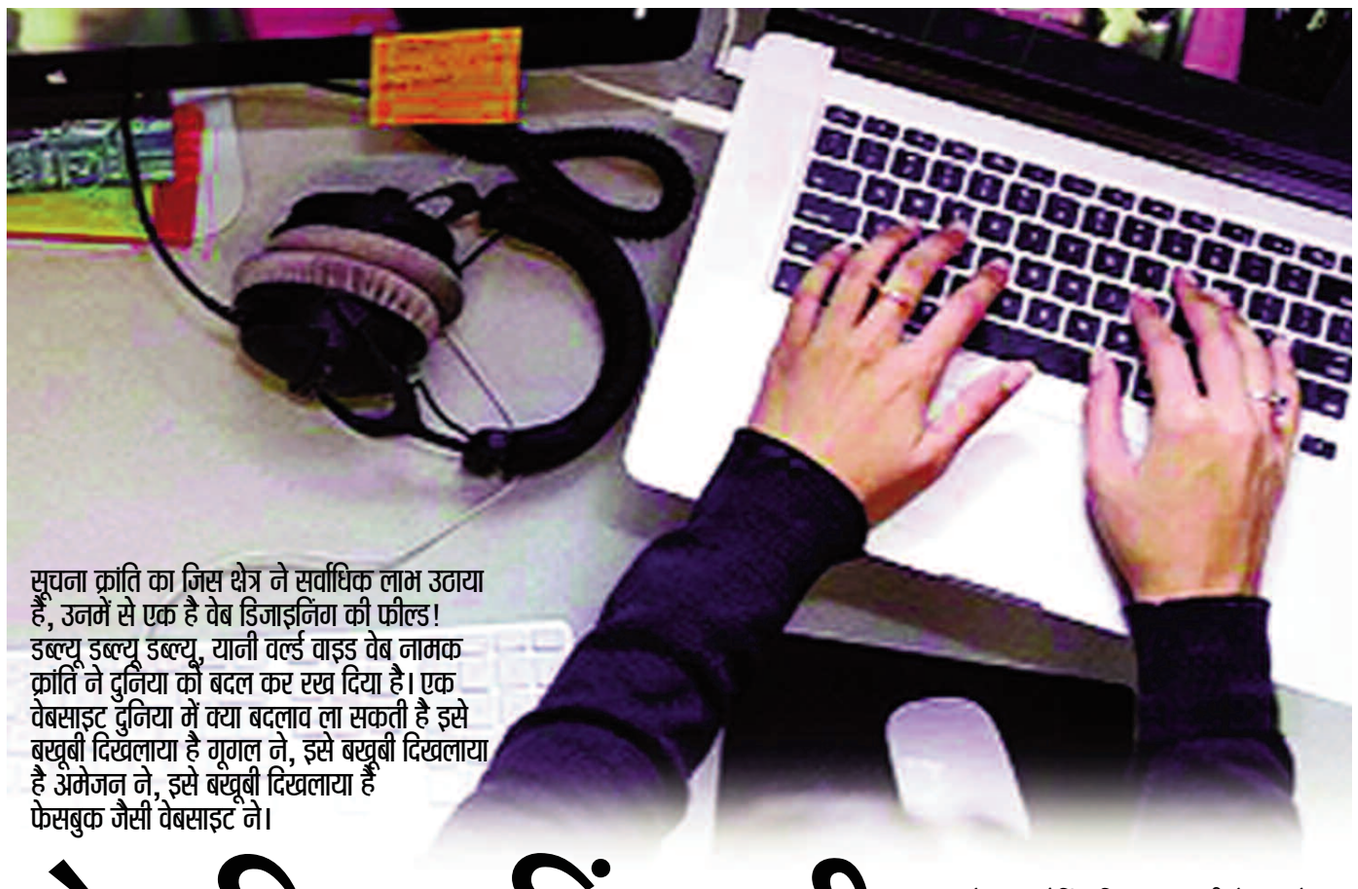

सूचना क्रांति का जिस क्षेत्र ने सर्वाधिक लाभ उठाया है, उनमें से एक है वेब डिजाइनिंग की फील्ड! डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू, यानी वर्ल्ड वाइड वेब नामक क्रांति ने दुनिया को बदल कर रख दिया है। एक वेबसाइट दुनिया में क्या बदलाव ला सकती है इसे बखूबी दिखलाया है गूगल ने, इसे बखूबी दिखलाया है अमेजन ने, इसे बखूबी दिखलाया है फेसबुक जैसी वेबसाइट ने।

वेब डिजाइनिंग की फील्ड ने उठाया है सूचना क्रांति का सर्वाधिक लाभ

आप चाहे विकिपीडिया का नाम लें, चाहे फ्लिपकार्ट कहें, चाहे न्यूज की दूसरी वेबसाइट का उद्धरण दें, इसने नए युग में नई क्रांति को जन्म दिया है। छोटा बिजनेस हो, बड़ा बिजनेस हो, किसी आम या खास इंडस्ट्री से संबंधित कंटेंट की वेबसाइट हो, सामान की डिलीवरी हो या फिर कोई और काम, लोगों की जिंदगी में एक वेबसाइट ने आमूलचूल परिवर्तन लाया है। वस्तुतः यह कहने में हमें संकोच नहीं होना चाहिए कि शिक्षा तक की ट्रेडिशनल पद्धति को वेबसाइटों ने ना केवल बदला है, बल्कि इसकी बुनियाद को बदलने में भी अहम भूमिका निभाई है। अब जरा सोचिए! अगर इसका प्रभाव इतना व्यापक है तो इस फील्ड में कार्य करने वाले लोग भला महत्वपूर्ण क्यों नहीं होंगे सच बात तो यह है कि वेब डिजाइनर पिछले कई दशकों से महत्वपूर्ण बने हुए हैं और आज भी इनका महत्व कम नहीं हुआ है। वेब डिजाइनिंग में आप सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट से लेकर, स्टैटिक ऑपरेशन एवं डायनेमिक बिहेवियर वाली वेबसाइट बनाते हैं और उसकी सहायता से अपने कस्टमर को लाभ भी पहुंचाते हैं। वेब डिजाइनिंग के कई भाग हैं।

डिजाइनिंग पार्ट

किसी वेबसाइट का ले आउट कैसा रहना चाहिए, इसका यूजर इंटरफेस किस डिजाइन से बेहतर होगा, इसे डिसाइड करने के लिए आप इसकी स्केचिंग करते हो। साथ में किसी सॉफ्टवेयर में इसका प्रोटोटाइप भी बनाते हो। कई लोग इसे तकनीकी लैंग्वेज में पीएसडी बनाना भी बोलते हैं। यहां डिजाइन फाइनल होती है और उसके बाद ही अगले स्टेप की तरफ कोई बढ़ता है। अगर आप इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो एडोबी का फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर में आपको सिद्धहस्त होना चाहिए। इसे आप एक लेवल पर ग्राफिक डिजाइनर भी बोल सकते हैं और आप जितनी बेहतरीन डिजाइन बनाएंगे, वेबसाइट उतनी ही शानदार तरीके से तैयार होगी। इस फील्ड में उपरोक्त सॉफ्टवेयर की महारत रखने वाले लोग न केवल वेबसाइट का लेआउट बनाते हैं, बल्कि लोगो से लेकर तमाम इमेज वर्क भी इनके हाथ में होता है।

एचटीएमएल, सीएसएस की जानकारी

इसे फ्रंट एंड कोडिंग भी बोल सकते हैं। मतलब सामने वेबसाइट जो दिखती है, उसकी कोडिंग। ब्राउजर में जब आप कोई भी यूआरएल डालते हैं, तो जो फ्रंट एंड नजर आता है वह एचटीएमएल पर चलता है। एचटीएमएल मतलब हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज। इसके कई वर्जन आ चुके हैं और हाल-फिलहाल एचटीएमएल- 5 पर कार्य हो रहा है। इसी प्रकार एचटीएमएल को खूबसूरत बनाने का काम करती है स्टाइलशीट जिसको सीएसएस (कैस्केडिंग स्टाइल शीट) बोलते हैं। यह दोनों कोडिंग लैंग्वेज ही होती हैं और इन्हें आप एक तरह से स्क्रिप्टिंग भी बोल सकते हैं। वेबसाइट डिजाइन करने में जावास्क्रिप्ट भी यूज होती है, जो खासकर इवेंट के लिए प्रयोग की जाती है। जैसे माउस क्लिक करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, माउस रोलओवर करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, स्क्रोलिंग पर क्या एक्शन होना चाहिए, यह कार्य जावास्क्रिप्ट करती है। इसकी जानकारी आपको एचटीएमएल, सीएसएस, जावास्क्रिप्ट में मिलती है। सामान्य तौर पर इसे आसान कोडिंग लैंग्वेज कहा जाता है और आप इसमें भी महारत हासिल कर सकते हैं।

कोडिंग जोन

यह ऐसा क्षेत्र है जो असली प्रोग्रामिंग की दुनिया में बदलाव लाता है। एक सामान्य वेबसाइट और गूगल में क्या अंतर है यह डिफाइन करता है कि इसमें कोडिंग किस स्तर की हुई है एक सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट और फेसबुक में क्या अंतर है, एक सामान्य वेबसाइट और अमेजन में क्या अंतर है, यह कोडिंग डिसाइड करती है। कहने का तात्पर्य यह है कि मनुष्य ऊपर से जैसा भी दिखता हो, किंतु उसके मस्तिष्क में कितनी नसें हैं, ब्लड सर्कुलेशन किस प्रकार होता है यह आप प्रोग्रामिंग समझ सकते हैं।
कोडिंग लैंग्वेज किसी भी वेबसाइट को नियंत्रित करती है। वह वेबसाइट चाहते गूगल जैसा कोई सर्च इंजन हो, फेसबुक जैसा कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हो या फिर फ्लिप्कार्ट जैसी कोई शॉपिंग वेबसाइट हो, कोडिंग ही यह तमाम चीजें तय करती है। इसमें पीएचपी से लेकर जावा और एएसपी से लेकर पाइथन और सी प्लस प्लस जैसी हेवी लैंग्वेज होती हैं, जिसके ऊपर कोई भी फंक्शन कार्य करता है। इसमें अगर आप महारत हासिल करते हैं, तो वेबसाइट में बड़ी-बड़ी फंक्शनैलिटी ऐड कर सकते हैं, नयी खोज कर सकते हैं। कॅरियर की बात करें तो, गूगल-फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों में इंजीनियर के पद पर आप मोटी सैलरी भी उठा सकते हैं या फिर अपना कोई स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

वेब कंसलटेंसी

अगर आप ऊपर में से तीन चीजों में से कुछ नहीं करते हैं तो भी आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप तमाम सीएमएस में से किसी एक सीएमएस में महारत हासिल करके लोगों को कंसल्टेंसी दे सकते हैं। बहुत सारी ऐसी कंपनियां हैं जो ड्रैग एंड ड्रॉप पर चलती हैं, किंतु लोगों को उसकी जानकारी नहीं होती है। जैसे वर्डप्रेस, ब्लॉगर, टंबलर इत्यादि। तो किस प्रकार से कोई वेबसाइट बनती है, कार्य करती है, आपको इसकी जानकारी देनी होती है, जो सामान्यतः उसके ट्यूटोरियल में दिया भी होता है। इसे आप यूट्यूब से भी स्टेप बाय स्टेप सीख सकते हैं और अच्छा खासा पैसा भी कमा सकते हैं। ऊपर की चीजें ऐसी हैं जो आप फुल टाइम कर सकते हैं और अच्छी खासी अर्निंग कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको डोमेन, होस्टिंग की भी जानकारी रखनी होती है, क्योंकि अगर आप यह कार्य करते हैं तो फिर एक संपूर्ण पैकेज के तौर पर अपने कॅरियर में चार चांद लगा सकते हैं।

बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है एआई

अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शुरुआती दौर में नौकरी छीनने की आशंका को देखते हुए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था। लेकिन वर्तमान समय में वास्तविकता एकदम अलग है। क्योंकि एआई न सिर्फ युवाओं को नई नौकरी दिलाने में मदद करता है, बल्कि कौशल निखारने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। छात्रों की पढ़ाई से लेकर शिक्षक और पेशेवरों को पेशेवर तौर-तरीके सिखाने में एआई मदद करता है। ऐसे में अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।

एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल

कुछ कंपनियां ऐसी हैं, जहां पर खाली पदों को भरने के लिए कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। इसको हिडन जॉब मार्केट कहा जाता है। ऐसी नौकरी की जानकारी के लिए आपके लिए नेटवर्किंग काफी मददगार होती हैं। इसके अलावा लिंक्डइन के एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल के माध्यम से संबंधित क्षेत्र के पेशेवरों से जुड़ने एवं अपने कौशल को उजागर करने में भी सहायता मिलती है। लिंक्डइन के अलावा एंगेज और टैप्लियो ऐसे ऐआई टूल हैं, तो आपकी नेटवर्किंग को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

रिज्यूमे और कवर लेटर

आपको बता दें कि आकर्षक रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने में भी एआई मदद करता है। जिससे आपके कौशल नियोक्ता के सामने बेहतर और बेहद अच्छे तरीके से उजागर हो पाएंगे। रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने के लिए रेजी एक ऐसा ही टूल है, जो कौशल व शैक्षणिक पृष्ठभूमि को आकर्षक आकार देता है और आपके रिज्यूमे को प्रभावी बनाता है। हायरिंग कंपनी के नाम और पद के लिए जारी किए गए विज्ञापन के आधार पर विशेष रूप से बनाया गया जॉब एप्लीकेशन भी तैयार करता है। इसके अलावा यह एप्लीकेशन व्याकरण की गलतियों को भी सुधारने में सहायक है।

इंटरव्यू के लिए भी करेगा तैयार

इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। इसके लिए आप चैटजीपीटी की मदद ले सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से इस पर निर्भर होना भी ठीक नहीं है। चैटजीपीटी केवल संभावित सुझावों के लिए अच्छा ऑप्शन है। आप कंपनी और पद का नाम डालकर इंटरव्यू में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों की लिस्ट और उस दौरान आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, इसके बारे में जान सकते हैं। आप चैटजीपीटी द्वारा सुझाए गए कौशल और क्षमताओं के आधार पर अपने उत्तर को बेहतर बना सकते हैं। प्रमोशन के लिए एआई सिर्फ नौकरी दिलाने में ही मदद नहीं कर रहा बल्कि इसकी मदद से आप पेशेवर प्रमोशन पाने तक का सफर भी तय कर सकते हैं। चैटजीपीटी और जेमिनी आदि के जरिए आप बॉस से अपने प्रमोशन संबंधी बात करने तरीके के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

विदेश में करना चाहते हैं जॉब, तो इंजीनियरिंग की इस ब्रांच का कोर्स कर लें

अगर आप भी अपना करियर इंजीनियरिंग में बनाना चाहते हैं तो पहले जान लें सबसे बेस्ट इंजीनियरिंग ब्रांच के बारे में। इंजीनियरिंग की इस ब्रांच में कोर्स करते हैं तो आपको विदेश में जानें का सुनहरा मौका मिलेगा। मिलती हैं लाखों में सैलरी। गर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

आजकल ज्यादातर लोगों की पसंद इंजीनियर बनना होता है। अगर आप भी करियर में इंजीनियरिंग बनने का सपना देख रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। विदेश की टॉप कंपनियों में काम करने के लिए हर किसी का एक ड्रीम होता है। अगर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

विदेश में मिलती है जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको बता दें कि कॉलेज के कैंपस प्लेसमेंट में मल्टी नेशनल कंपनियां भी हिस्सा लेती हैं। विदेश में जॉब करने की इच्छा आप रखते हैं तो इंजीनियरिंग ब्रांच में आप भी देख लें।

Btech ECE

विदेश में जॉब करने की चाहत रखने वाले लोग बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग ब्रांच की डिमांड जॉब मार्केट में काफी ज्यादा है।

BTECH Computer Science

Btech CSE कोर्स करने से विदेशी कंपानियां जॉब ऑफर करती है। बीटेक CSE के छात्रों को Google, Infosys और microsoft जैसी कंपनियों में लाखों के पैकेज वाले जॉब ऑफर मिलता है।

BTECH Chemical Engineering

विदेश में इंजीनियरिंग की इस ब्रांच की काफी डिमांड है। कैमिकल इंजीनियर्स को विदेशी कंपानियों में आसानी से लाखों के पैकेज पर जॉब ऑफर होता है। आप भी इस ब्रांच में कोर्स कर सकते हैं।

Btech Data Science

बीटेक डेटा साइंस एक बेहतरीन इंजीनियरिंग ब्रांच में से एक है। आपको बता दें कि देश के टॉप IITs, NITs और IIITs में यह कोर्स कराया जाता है।

जुर्माने के बाद गूगल का विज्ञापन सेवाओं में बदलाव

- यूरोपीय संघ की कार्रवाई पर जताई असहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय आयोग द्वारा नई डिजिटल प्रतिस्पर्धा जांच शुरू करने के ठीक दूसरे दिन, शुक्रवार को गूगल ने अपनी विज्ञापन सेवाओं में बड़े बदलावों की घोषणा की। गूगल प्रवक्ता ने कहा, हमारा प्रस्ताव बिना किसी व्यवधानकारी विभाजन के इस फैसले का पूर्ण समाधान करता है। इससे उन हजारों यूरोपीय प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं को नुकसान होगा जो अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए गूगल टूल का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि कंपनी ने कहा, वह अभी भी यूरोपीय संघ (ईयू) के फैसले से असहमत है और जुर्माने के विरुद्ध अपील की योजना बना रही है। गूगल का यह कदम ब्रुसेल्स द्वारा कंपनी पर अपनी विज्ञापन सेवाओं को कथित रूप से तरजीह देने के लिए 2.95 अरब यूरो का प्रतिस्पर्धा-विरोधी जुर्माना लगाने के दो माह बाद आया है।

गूगल योजना में उत्पाद परिवर्तन शामिल- गूगल की नई योजना में तत्काल उत्पाद परिवर्तन शामिल हैं। इनमें प्रकाशकों को गूगल ऐड मैनेजर पर विभिन्न बोलीदाताओं के लिए अलग-अलग न्यूनतम मूल्य निर्धारित करने का विकल्प देना शामिल है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं के लिए अपने उपकरणों की अंतर-संचालनीयता में सुधार करेगी ताकि हितों के टकराव पर यूरोपीय संघ की चिंताओं का समाधान किया जा सके। गूगल अमेरिका में भी जांच का सामना कर रहा है।

3351 रुपये सस्ता हुआ गोल्ड, चांदी की कीमतों में भी गिरावट!

खरीदारों ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड की कीमतों में शुक्रवार को तगड़ी गिरावट देखने को मिली थी। एमसीएक्स में सोने का भाव 2% लुढ़क गया। एमसीएक्स गोल्ड दिसंबर फ्यूचर का भाव 2.64 प्रतिशत या फिर 3351 रुपये की गिरावट के बाद 1,23,400 रुपये के लेवल पर आ गया। वहीं, एमसीएक्स सिल्वर दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट्स का दाम 4.27 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1,55,530 रुपये के स्तर पर आ गया।

6000 रुपये लुढ़का भाव- सर्राफा बाजार में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 1,24794 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कल आ गया था। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड का रेट 124294 रुपये और 22 कैरेट गोल्ड का रेट 114311 रुपये के लेवल पर था। बता दें, चांदी का दाम 159367 रुपये के लेवल पर आ गया था। बता दें, 17 अक्टूबर को गोल्ड का दाम 130874 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था। तब से अबतक 24 कैरेट गोल्ड की कीमतों में 6000 रुपये की गिरावट आई है।

20 साल में 1200% बढ़ा गोल्ड- 2005 में सोने का भाव 7638 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। सितंबर तक 2025 के डाटा के अनुसार गोल्ड का रेट 125000 रुपये के लेवल पर था। तब से अबतक गोल्ड की कीमतों में 1200 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। इस साल अबतक सोने की कीमतों में 56 प्रतिशत की तेजी आई है।

अमेरिकी टैरिफ और सुस्त मांग का दोहरा झटका

अक्तूबर में भारत का रत्न-आभूषण निर्यात 30 प्रतिशत तक लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। कमोजर वैश्विक मांग और ऊंचे टैरिफ के बीच अक्तूबर में भारत के रत्न व आभूषण व्यापार में गिरावट देखी गई। रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने यह जानकारी दी। जीजेईपीसी के आंकड़ों के अनुसार वैश्वि मांग में कमी, उच्च ब्याज दरों, आपूर्ति शृंघला में व्यवधान और तीव्र अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के कारण प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात और आयात में गिरावट आई।

अक्तूबर में कुल निर्यात 30.5 प्रतिशत घटा- आंकड़ों से पता चलता है कि अक्तूबर 2025 में कुल सकल निर्यात 30.57 प्रतिशत घटकर 2,168.05 मिलियन डॉलर (19,172.89 करोड़ रुपये) रह गया। यह एक साल पहले 3,122.52 मिलियन डॉलर (26,237.10 करोड़ रुपये) था। आयात भी 19.2 प्रतिशत घटकर 1276.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11,299.6 करोड़ रुपये) रह गया, जो पिछले वर्ष इसी माह में 1580.13 मिलियन अमेरिकी डॉलर (13,276.26 करोड़ रुपये) था।

व्यापार शुल्कों का प्रभाव अब महसूस हो रहा है- कामा ज्वैलरी के प्रबंध निदेशक कॉलिन शाह ने कहा कि पहले लगाए गए व्यापार शुल्कों का प्रभाव अब महसूस किया जा रहा है। इससे लागत बढ़ गई है और खरीदारी कम हो गई है। उन्होंने बताया कि त्योहारों के बाद कंपनियां भी अपना स्टॉक कम-ज्यादा करके बाजार की स्थिति के हिसाब से काम कर रही हैं।

सोने और हीरे की कीमतों में उतार-चढ़ाव

घरेलू स्तर पर, सोने और हीरे की कीमतों में उतार-चढ़ाव, निर्यातकों के लिए सीमित वित्तपोषण और प्रयोगशाला में विकसित हीरा क्षेत्र में समायोजन ने आयात और निर्यात में कमी में योगदान दिया। जीजेईपीसी ने आगे कहा कि मुद्रा में उतार-चढ़ाव और मजबूत डॉलर ने मूल्य प्रतिस्पर्धा और व्यापार की मात्रा को और प्रभावित किया।

सोने के आभूषणों के निर्यात में भारी गिरावट

अक्तूबर में सोने के आभूषणों के निर्यात में भारी गिरावट आई और यह 24.61 प्रतिशत घटकर 850.15 मिलियन डॉलर रह गया, क्योंकि 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के कारण भारतीय उत्पाद अप्रतिस्पर्धी हो गए और ऑर्डर रद्द हो गए। हालांकि, अप्रैल-अक्तूबर 2025 की अवधि में, सोने के आभूषणों का निर्यात 11.9 प्रतिशत बढ़कर 6,645.63 मिलियन डॉलर हो गया। इसे सोने की ऊंची कीमतों और शुरुआती साल की मजबूत मांग से समर्थन मिला।

चांदी के आभूषणों का सकल निर्यात बेहतर रहा

चांदी के आभूषणों का सकल निर्यात (अनंतिम, अप्रैल 2025 - अक्तूबर 2025) 717.78 मिलियन डॉलर (रुपये के हिसाब से 14.36 प्रतिशत) रहा। यह पिछले वर्ष के 652.95 मिलियन डॉलर (5,465.16 करोड़ रुपये) के इसी आंकड़े से बेहतर है। चालू वर्ष में सोने की ऊंची कीमत के कारण अप्रैल-अक्तूबर 2025 के दौरान चांदी के आभूषणों के निर्यात में डॉलर के हिसाब से 9.93 प्रतिशत और रुपये के हिसाब से 14.36 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बाजार एकाधिकार की साजिश में एपल-ओपनएआई पर चलेगा केस

एंटी-ट्रस्ट कानून का किया उल्लंघन

नई दिल्ली, एजेंसी। एपल और चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई एलन मस्क की कंपनी एक्स कॉर्प द्वारा दायर उस मुकदमे को खारिज नहीं करा सके जिसमें स्मार्टफोन व जनरेटिव एआई चैटबॉट्स के बाजारों पर एकाधिकार करने की साजिश का आरोप था। एपल-ओपनएआई टेक्सास में फोर्ट वर्थ में अमेरिकी जिला जज मार्क पिटमैन को यह केस खत्म कराने के लिए तर्क पेश करने में नाकाम रहे। अपने फैसले में जज ने कहा, मस्क का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स व स्टार्टअप एक्सएआई फिलहाल अपने मुकदमे को आगे बढ़ा सकते हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभुत्व की लड़ाई में अरबपति उद्यमी की प्रारंभिक जीत है। जज ने अपने संक्षिप्त आदेश में कहा कि उनके फैसले को एक्स के आरोपों के गुण-दोष पर निर्णय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और वह मामले में बाद के चरण में तथ्यों पर विवादों पर विचार करेंगे। मस्क कंपनियों का कहना है कि एपल ने एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन किया है। ओपनएआई ने मुकदमे को मस्क के उत्पीड़न के चल रहे पैटर्न के अनुरूप बताया और कहा कि हम इसे अदालत में साबित करने के लिए उत्सुक हैं।

एपल ने एंटी-ट्रस्ट कानून का किया साफ उल्लंघन- कोर्ट के फैसले पर एपल और एक्स की तरफ से कोई त्वरित प्रतिक्रिया नहीं आई है। मस्क की कंपनियों ने अगस्त में दायर मुकदमे में दावा किया था कि एपल ने आईफोन और अन्य उपकरणों पर खुफिया सुविधाओं में चैटजीपीटी को विशेष रूप से एकीकृत करके एंटी-ट्रस्ट कानून का उल्लंघन किया है। मुकदमे में आरोप लगाया गया कि एपल ने ओपनएआई के साथ साझेदारी में प्रतिद्वंद्वियों को अवैध रूप से बाहर कर दिया है।

ओपनएआई सौदा अनन्य नहीं

एक्स और एक्सएआई ने यह भी आरोप लगाया कि एपल ने एप स्टोर में प्रतिद्वंद्वियों को दरकिनार कर चैटजीपीटी को अपनी जरूरी एप्स सूची में शामिल किया है। केस खारिज करने की मांग कर एपल ने कहा, उसका ओपनएआई सौदा अनन्य नहीं है। एपल ने यह भी कहा कि एक भागीदार को चुनना किसी भी तरह से गैरकानूनी नहीं है।

आईपीओ से 48 प्रतिशत चढ़ चुका है स्टॉक, कीमत 200 रुपये से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रो के आईपीओ पर जिन निवेशकों ने दांव नहीं लगाया होगा अब वो काफी दुखी होंगे। कंपनी की शेयर बाजार में शानदार लिस्टिंग हुई थी। बीएसई में 13 नवंबर को ग्रो का आईपीओ 14 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ है। ब्रोकरेज कंपनी के शेयर 130.94 रुपये के लेवल पर लिस्ट हुआ है।

ग्रो के आईपीओ का इश्यू प्राइस 100 रुपये प्रति शेयर था। बता दें, शुक्रवार को ग्रो के शेयरों का भाव 153.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। हालांकि कल मार्केट के क्लोजिंग के टाइम पर ग्रो का शेयर 148.41 रुपये था। यानी अब भी 48 प्रतिशत का फायदा ग्रो के आईपीओ पर दांव लगाने वाले निवेशकों को है। ग्रो भारत की अग्रणी ब्रोकरेज कंपनी है। सितंबर 2025 तक के डाटा के अनुसार कंपनी मार्केट शेयर 26.30 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान कंपनी के सीएजीआर में 101.70 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौजूदा समय में भी इस स्टॉक का फंडामेंटल काफी मजबूत है। ग्रो का आईपीओ सालाना कमाई के 34 गुना के वैल्यूएशन पर आया था। जबकि एंजल वन और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का क्रमशः 20 से 27 प्रतिशत वैल्यूएशन है।

क्या था साइज

ग्रो के आईपीओ का साइज 6632.30 करोड़ रुपये था। कंपनी आईपीओ के जरिए 10.60 करोड़ फ्रेश शेयर और 55.72 करोड़ ऑफर फार सेल के जरिए जारी की है। यह आईपीओ 4 नवंबर को खुला था। निवेशकों के पास 7 नवंबर तक दांव लगाने का मौका था। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 3 नवंबर को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी ने 2984.54 करोड़ रुपये जुटाए थे।

सिर्फ 5 हजार रुपये से शुरुआत

अब 1 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की 51 वर्षीय समता बोथरा ने घर की रसोई से सफल व्यवसाय खड़ा किया है। एक गृहिणी के रूप में तीन दशक बिताने के बाद 2018 में उन्होंने मम्मीज कुल्फी की शुरुआत की। आइसक्रीम उद्योग से पारिवारिक जुड़ाव होने के बावजूद उनकी दिलचस्पी इस काम में कभी नहीं थी। हालांकि, होली से ठीक पहले एक प्रयोग के रूप में बनाई गई उनकी होममेड कुल्फी को परिवार और रिश्तेदारों से इतना प्यार मिला कि उन्हें इसे बिजनेस में बदलने का आइडिया आया। बेटे की मदद से उन्होंने सिर्फ 5,000 रुपये के शुरुआती निवेश से तीन फ्लेवर्स के साथ काम शुरू किया। आज उनकी कंपनी का सालाना टर्नओवर लगभग 1 करोड़ रुपये है। यह पूरे दिल्ली में विस्तार करने की तैयारी में है। आइए, यहां समता बोथरा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

- **रसोई से बिजनेस का आइडिया-** समता बोथरा ने अपने जीवन के 30 से ज्यादा साल घर संभालने में बिताए। उन्होंने साल 2018 में होली से पहले घर पर कुल्फी बनाने का प्रयोग किया। यह कुल्फी गाढ़े दूध और फ्लेवर्स से बनाई गई थी।

उनके परिवार को यह इतनी पसंद आई कि उन्होंने इसे रिश्तेदारों को भी खिलाया। रिश्तेदारों से बार-बार कुल्फी की डिमांड आने लगी। इससे समता को इसे बिजनेस में बदलने का आइडिया आया। उन्होंने अपने बेटे की मदद से सिर्फ 5,000 रुपये के निवेश से कुल्फी के सांचे खरीदे और मम्मीज कुल्फी की शुरुआत की। शुरुआती दिनों में उन्हें हर दो दिन में मुश्किल से एक ऑर्डर मिलता था। लेकिन, 6-7 महीनों में लोगों के बीच इसके स्वाद की चर्चा फैलने लगी।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिला बड़ा ब्रेक

साल 2019 में जब समता के स्टार्टअप ने जोमैटो और स्विगी जैसे ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन कराया तो बिजनेस में बड़ा उछाल आया। जहां पहले कभी-कभार ऑर्डर मिलते थे, वहीं इसके बाद शाम 6 बजे से रसोई के पास डिलीवरी राइडर्स की लाइन लगने लगी। रोजाना 60-70 ऑर्डर डिस्पैच होने लगे। इस सफलता को देखकर समता ने कॉरपोरेट ऑर्डर्स के लिए जोमैटो के साथ भागीदारी की। अब वह डेलॉयट, ईवाई और केपीएमजी जैसी बड़ी कंपनियों के लिए एक बार में 2000 से 3000 कुल्फी के बल्क ऑर्डर पूरे करने लगी हैं। साथ ही कई कंपनियों में पॉप-अप स्टॉल भी बढ़ाए हैं।

मोदी सरकार प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में दे रही क्रेडिट कार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की कई ऐसी स्कीम हैं जिसमें सरकार लोगों को क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराती है। ऐसी ही स्कीम प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) भी है।

बीते साल के आम बजट में सरकार ने इस स्कीम के तहत यूपीआई लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड मुहैया कराने का ऐलान किया था। इसकी लिमिट 30 हजार रुपये तक की तय की गई है। यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड की शुरुआत से स्ट्रीट वेंडरों को किसी भी आकस्मिक व्यावसायिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तत्काल ऋण उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा, स्ट्रीट वेंडर खुदरा और थोक लेनदेन करने पर 1,600 रुपए तक के कैशबैक प्रोत्साहन का लाभ उठा सकते हैं।

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना की शुरुआत कोरोना काल में हुई थी। इसके तहत स्ट्रीट वेंडर्स को लोन दिया जाता है ताकि वे अपना काम कर सकें। यह योजना 31 मार्च, 2030 तक के लिए है।

नो कॉन्ट्रैक्ट, नो कॉफी, जोहरान ममदानी ने की

स्टारबक्स के बहिष्कार की अपील रेड कप डे से पहले बवाल

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने शुक्रवार को स्टारबक्स के बहिष्कार की अपील करते हुए लोगों से कहा कि वे हड़ताल पर बैठे यूनियन बारिस्ताओं का साथ दें।

ममदानी ने साफ कहा कि जब तक कर्मचारियों की हड़ताल जारी है, वे खुद भी स्टारबक्स से कॉफी नहीं खरीदेंगे और जनता से भी ऐसा ही करने को कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, स्टारबक्स के कर्मचारी पूरे देश में एक अनफेयर लेबर प्रैक्टिस स्ट्राइक पर हैं, और एक उचित कॉन्ट्रैक्ट के लिए लड़ रहे हैं।

- **यूनियन के आरोपों से स्टारबक्स का इनकार-** स्टारबक्स यूनियन के आरोपों से इनकार करती है। कंपनी के अनुसार, यूनियन की मांगें अनुचित हैं, कंपनी पहले ही कर्मचारियों को औसतन 19 डॉलर प्रति घंटा और लाभों समेत 30 डॉलर से अधिक का पैकेज देती है। स्टारबक्स का यह भी कहना है कि वह अपने कर्मचारियों को उद्योग में सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं देता है।
- **स्टोर बंद होने पर भी विवाद-** न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, बीते महीनों में स्टारबक्स ने देशभर में सैकड़ों स्टोर्स बंद किए, जिनमें 59 यूनियनाइज्ड स्टोर भी शामिल थे। कई बंद स्टोरों को केवल कुछ दिनों का नोटिस ही मिला। पिछले साल भी रेड कप डे की हड़ताल के दौरान कंपनी को करीब 60 स्टोर अस्थायी रूप से बंद करने पड़े थे।

क्या है रेड कप रिबेलियन हड़ताल

इसी दिन यूनियन स्टारबक्स वर्कर यूनाइटेड ने एक ओपन-एंडेड हड़ताल शुरू की, जिसे उन्होंने रेड कप रिबेलियन नाम दिया है। यह हड़ताल स्टारबक्स के सालाना रेड कप डे के साथ रखी गई, वह दिन जब कंपनी के स्टोर सबसे ज्यादा भीड़ देखते हैं, क्योंकि ग्राहक फ्री रीयूजेबल हॉलिडे कप लेने के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। इस हड़ताल में 25 से अधिक अमेरिकी शहरों में कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल हुए।

एक ऐलान और पेनी स्टॉक में लगातार लग रहा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में कुछ ऐसे पेनी शेयर हैं जिनमें शुक्रवार को अपर सर्किट लगा। ऐसा ही एक पेनी शेयर- दीप डायमंड इंडिया है। बीते शुक्रवार को इस कंपनी के शेयर में एक बार फिर अपर सर्किट लगा। एक दिन पहले की क्लोजिंग 8.16 रुपये के मुकाबले यह शेयर 5% बढ़त के साथ 8.56 रुपये तक पहुंच गया। इससे पहले लगातार दो दिन तक शेयर में अपर सर्किट लगा। मई 2025 में शेयर की कीमत 3.55 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। इस शेयर की कीमत अक्टूबर महीने में 10.04 रुपये तक पहुंच गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। इस स्टॉक ने एक महीने में 36% तक की बढ़त हासिल की है और सिर्फ छह महीनों में 104% का शानदार मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दीप डायमंड इंडिया ने अपनी लीडिंग डिजिटल-हेल्थ पहल दीप हेल्थ इंडिया एआई-- के आगामी लॉन्च की घोषणा की। यह एक इंटेलिजेंट कैमरा-आधारित वेलनेस प्लेटफॉर्म है, जो वास्तविक समय में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए फेशियल-स्कैन तकनीक का उपयोग करता है।

कैमरा-आधारित इंटेलिजेंट वेलनेस सिस्टम

दीप हेल्थ इंडिया एआई- एक कैमरा-आधारित इंटेलिजेंट वेलनेस सिस्टम है, जो चेहरे की स्कैनिंग तकनीक से रियल-टाइम स्वास्थ्य संकेतों का विश्लेषण करता है। यह प्लेटफॉर्म उन्नत कंप्यूटर विजन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके सिर्फ 60 सेकंड में हार्ट रेट, ब्रीदिंग रेट, ब्लड-प्रेशर इंडिकेटर, स्ट्रेस इंडेक्स और ऑक्सीजन सैचुरेशन जैसे प्रमुख पैरामीटर मापने में सक्षम है। कंपनी ने बताया कि यह पूरी तरह नॉन-इनवेसिव, कॉन्टैक्टलेस और किसी भी स्मार्टफोन कैमरे के जरिए इस्तेमाल किया जा सकने वाला प्लेटफॉर्म है, जो बिना किसी मेडिकल डिवाइस या लैब विजिट के तुरंत हेल्थ फीडबैक प्रदान करता है।

एशियाई तीरंदाजी में अंकिता और धीरज ने स्वर्ण पदक जीता, दीपिका कांस्य का मौका चूकीं

ढाका, एजेंसी। भारत के अंकिता भकत ने दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन को 7-3 से हराकर और भारतीय धीरज बोम्मादेवरा ने हमवतन राहुल को 6-2 से हराकर शुक्रवार को ढाका में एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सेमीफाइनल शूट-ऑफ में पूर्व विश्व नंबर 1 दीपिका कुमारी को हराने वाली अंकिता भकत की जीत विशेष इसलिए भी है क्योंकि दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन पेरिस ओलंपिक में रजत पदक विजेता रही हैं। अंकिता ने नाम के खिलाफ पहला सेट 29-27 से जीता। दूसरा सेट 27-27 पर समाप्त हुआ। तीसरा सेट नाम ने 28-26 से जीता। चौथे सेट में भारतीय तीरंदाज ने शानदार वापसी की और 29-28 के शानदार प्रयास से दो 10 अंक लगाकर 5-3 की बढ़त बना ली। निर्णायक सेट में अंकिता ने भी संयम बनाए रखा और दो 10 अंक लगाए। इस प्रदर्शन के आधार पर उन्हें पहला एशियाई व्यक्तिगत स्वर्ण पदक मिला। संगीता ने अनुभवी दीपिका कुमारी को शूट-ऑफ में 6-5 से हराकर महिला रिकर्व स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। पुरुषों के फाइनल में, धीरज ने पहला और तीसरा सेट बराबर किया, जबकि दूसरा और चौथा सेट जीतकर राहुल पर आसान जीत हासिल की। धीरज एशियाई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए। 24 वर्षीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के जंग चाएवान के खिलाफ जीत दर्ज की थी। इससे पहले, यशदीप भोगे, अतनु दास और राहुल की पुरुष रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया की दिग्गज टीम को एक रोमांचक शूट-ऑफ में हराकर 18 वर्षों में अपना पहला एशियाई चैंपियनशिप स्वर्ण पदक जीता। भारतीयों ने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सेओ मिंगी, किम येचन और जंग जिहो जैसी कोरियाई दूसरी श्रेणी की टीम पर 5-4 से नाटकीय जीत दर्ज की और 2009 से इस प्रतियोगिता पर कोरिया का दबदबा खत्म कर दिया।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता कार्तिक तीन साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्तिक कुमार ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में 10,000 मीटर में रजत पदक जीता था। कार्तिक का तीन साल का निलंबन 10 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार को यूएस एंटी-डोपिंग एजेंसी ने तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है। उन्होंने इस प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। अमेरिका में प्रशिक्षण के दौरान लिए गए उनके दो आउट-ऑफ-कम्पटीशन नमूनों में प्रतिबंधित एनाबॉलिक एजेंट्स की मौजूदगी पाई गई थी। ष्ठ को सूचना मिलने के बाद इसी साल 27 फरवरी को कार्तिक का परीक्षण किया गया। 19 मार्च 2025 को उनका दूसरा परीक्षण हुआ। दोनों नमूने पॉजिटिव पाए गए। ष्ठ ने बयान में कहा, 'भारत के सहारनपुर के एथलीट कार्तिक कुमार ने कई प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव परीक्षण के बाद तीन साल के प्रतिबंध को स्वीकार किया है। हम ऐसे महत्वपूर्ण टिप्स के लिए आभारी हैं, जो हमें खेल की निष्पक्षता बनाए रखने में मदद करते हैं।' 26 वर्षीय कार्तिक कुमार ने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में 10,000 मीटर में रजत पदक जीता था। कार्तिक का तीन साल का निलंबन 10 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है, जब उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया था।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास

पूरे किए 4,000 रन और 300 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के भरोसेमंद ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह आधुनिक क्रिकेट के सबसे बड़े मैच-विनर्स में से एक हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले जा रहे भारत-साउथ अफ्रीका पहले टेस्ट के दौरान जडेजा ने अपने बेहतरीन करियर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ ली।जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 4,000 रन पूरे करते ही उस एलीट क्लब में एंट्री मार ली, जिसमें सिर्फ तीन दिग्गज शामिल थे: इयान बॉथम, कपिल देव और डेनियल वेटोरी। अब चौथे सदस्य हैं–रवींद्र जडेजा।

सिर्फ 87 टेस्ट में पूरा किया यह यूनिक डबल

जडेजा ने यह कारनामा 87 टेस्ट में पूरा किया। यह बॉथम के बाद दूसरा सबसे तेज़ प्रदर्शन है। जडेजा की रन मशीन में अब 6 शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। जडेजा का फील्डिंग रिकॉर्ड भी विश्वस्तरीय जडेजा टेस्ट क्रिकेट के सबसे बेहतरीन फील्डर्स में गिने जाते हैं। स्लिप, पॉइंट और शॉर्ट कवर पर उनकी बिजली सी फुर्ती मैच को पलट देने की क्षमता रखती है। विकेटों के बीच उनकी तेज़ दौड़ और रनिंग बिटवीन विकेट्स भी उन्हें तीनों पहलुओं में मैच-विनर बनाती है।

विदेशों में भी दमदार प्रदर्शन

अक्सर एशियाई पिचों के स्पिनर माने जाने वाले जडेजा ने विदेशों में भी शानदार प्रदर्शन किया है– इंग्लैंड में 2022 की सेंचुरी, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका में मैच-विनिंग स्पेल, जिससे साबित होता है कि वह सिर्फ होम ट्रैक स्टार नहीं, बल्कि एक ग्लोबल टेस्ट चैंपियन हैं।जडेजा अपनी फिटनेस, कंसिस्टेंसी और बैट-बॉल दोनों से योगदान देकर टीम इंडिया की 'बैलेंस की रीढ़' हैं।

खराब रोशनी के कारण जल्दी स्टंप्स हुआ अफ्रीका 63 रन से आगे

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को मैच का दूसरा दिन है और तीसरे सेशन का खेल जारी है। साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 93 रन बना लिए हैं। टीम को 63 रन की लीड मिल गई है। टेम्बा बावुमा और कॉर्बिन बॉश क्रीज पर हैं। मार्को यानसन (13 रन) को कुलदीप यादव और काइल वेरिने (9 रन) को अक्षर पटेल ने आउट किया। ट्रिस्टन स्टब्स (5 रन) को रवींद्र जडेजा ने बोल्ड करके भारत में 250 विकेट पूरे कर लिए। इससे पहले भारतीय टीम ने पहली पारी में 189 रन बनाए। उसे 30 रन की बढ़त मिली थी। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन की वजह से पहले सेशन में रिटायर हर्ट हो गए थे।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास

टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। इस मामले में पंत ने पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे ऋषभ पंत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 24 गेंदों का सामना करते हुए 27 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 छक्के और 2 चौके निकले। ऋषभ पंत ने टेस्ट करियर के 48 मुकाबलों में अब तक 92 छक्के लगाए हैं। वहीं, वीरेंद्र सहवाग 103 टेस्ट मुकाबलों में 90 छक्के लगा सके थे। इस लिस्ट में रोहित शर्मा तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 67 टेस्ट मुकाबलों में 88 छक्के लगाए। 88 टेस्ट में 80 छक्कों के साथ रवींद्र जडेजा चौथे पायदान पर मौजूद हैं। धोनी लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं, जिन्होंने 90 टेस्ट में 78 छक्के लगाए ।ईडन गार्डन्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने मेहमान साउथ अफ्रीका के खिलाफ बढ़त हासिल कर ली है। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए पहली पारी में महज 159 रन बनाए। इस पारी में एडेन मार्करम ने 31, जबकि वियान मुल्डर और टोनी डी जोरजी ने 24-24 रन की पारी खेली।

32 गेंदों में तूफ़ानी शतक

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

दूसरा सबसे तेज़ टी20 सैकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाज़ी से क्रिकेट जगत को चौंका दिया। दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में यूएई के खिलाफ एशिया कप राइजिंग स्टार्स के पहले ही मैच में सूर्यवंशी ने सिर्फ 32 गेंदों में शतक ठोक इतिहास रच दिया। उनकी यह पारी 10 चौकों और 9 लंबे छक्कों से सजी रही। यह भारत की ओर से संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज़ टी20 शतक है।

सूर्यवंशी का 32 गेंदों का शतक भारतीय बल्लेबाज़ों में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। सबसे तेज़ (28 गेंदों) टी20 शतक का रिकॉर्ड उर्विल पटेल और अभिषेक शर्मा के नाम है। इससे पहले 14 वर्षीय बिहार के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज़ ने आईपीएल2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 35 गेंदों में शतक जमाया था।

17 गेंदों में पचासा, 15 गेंदों में अगला पचासा

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत की खराब शुरुआत हुई जब उनके साथी प्रियांश आर्या जल्दी आउट हो गए। लेकिन सूर्यवंशी ने कोई दबाव नहीं दिखाया और शुरू से ही आक्रामक अंदाज़ अपनाया। सूर्यवंशी ने हरषित कौशिक के एक ही ओवर में 30 रन (4 छक्के, 1 चौका) ठोक डाले। यह स्कोर भारत की ओर से टी20 क्रिकेट में चौथा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर भी है।भारत इस टूर्नामेंट में एक मज़बूत मिश्रण के साथ उतरा है जिसमें कई उभरते आईपीएल खिलाड़ी शामिल हैं। हालाँकि यह टूर्नामेंट -23 खिलाड़ियों के लिए होता है, लेकिन इस बार चयनकर्ताओं ने जितेश शर्मा जैसे कुछ अनुभवी नामों को भी टीम में जगह दी है।

भारतीय बल्लेबाजों द्वारा सबसे तेज़ टी20 शतक

1. उर्विल पटेल - 28 गेंदें, गुजरात बनाम त्रिपुरा, इंदौर, 2024
2. अभिषेक शर्मा - 28 गेंदें, पंजाब बनाम मेघालय, सौराष्ट्र, 2024
3. ऋषभ पंत - 32 गेंदें - दिल्ली बनाम हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, 2018
4. वैभव सूर्यवंशी - 32 गेंदें - भारत ए बनाम यूएई, दोहा, 2025*

बाबर ने शतक ठोक मचाया कोहराम

- वार्नर, रोहित, सचिन सबको एक साथ छोड़ा पीछे; बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच शुक्रवार को रावलपिंडी में खेला गया और इस मैच में पाकिस्तान की टीम को 8 विकेट से जीत मिली। पाकिस्तान की टीम में बाबर आजम की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा और उन्हें इसके लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीता था और फिर पहले खेलते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 288 रन बनाए। पाकिस्तान ने 48.2 ओवर में 2 विकेट पर 289 रन बनाकर मैच जीत लिया। बाबर आजम 102 रन पर जबकि मोहम्मद रिजवान 51 रन पर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर वापस लौटे। बाबर का वनडे में ये 20वां शतक रहा और उन्होंने इस शतकीय पारी के दम पर रोहित, तेंदुलकर, वार्नर जैसे दिग्गजों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बाबर आजम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना शतक 806 दिन के बाद लगाया। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने अपने वनडे करियर का 20वां शतक लगाया और इसके साथ ही वो इस प्रारूप में सबसे कम पारियों में 20 शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। बाबर ने वनडे में अपना 20वां शतक 136वीं पारी में लगाया और डेविड वार्नर, क्विंटन डिकॉक, एबी डिविलियर्स, रोहित शर्मा, रॉस टेलर और सचिन तेंदुलकर को एक साथ पीछे छोड़ दिया।

सबसे कम पारियों में 20 शतक लगाने वाले बैटर्स

- 108 - हाशिम अमला
- 133 - विराट कोहली
- 136 - बाबर आजम
- 142 - डेविड वार्नर
- 150 - क्विंटन डिकॉक
- 175 - एबी डिविलियर्स
- 183 - रोहित शर्मा
- 195 - रॉस टेलर
- 197 - सचिन तेंदुलकर

भारतीय मुक्केबाजों के पास घरेलू दर्शकों के बीच ताकत दिखाने का मौका

नोएडा, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी बदलाव के दौर से गुजर रही है। खेल की नई अंतरराष्ट्रीय नियामक संस्था, विश्व मुक्केबाजी, ने नया प्रतियोगिता कैलेंडर, प्रारूप और रैंकिंग प्रणाली तैयार की है। भार वर्ग को घटाकर 13 से 10 कर दिया गया है। ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए विश्व मुक्केबाजी कप की सीरीज शुरू की गई। ग्रेटर नोएडा में शनिवार से विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल शुरू हो रहा है। कैलेंडर का सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट, विश्व चैंपियनशिप, सितंबर में आयोजित किया गया था। ग्रेटर नोएडा में ओलंपिक पदक विजेताओं, विश्व पदक विजेताओं और विश्व कप चरण विजेताओं में अंतरराष्ट्रीय सितारों की अच्छी-खासी संख्या देखने को मिलेगी। उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और चीनी ताइपे जैसे शीर्ष मुक्केबाजी देशों की मौजूदगी इस प्रतियोगिता को कठिन बना रही है। चीन इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रहा है। पुरुषों में, विश्व कांस्य पदक विजेता इंग्लैंड के कामारा ओडेल पॉली और पोलैंड चरण के स्वर्ण पदक विजेता इटली के अत्रातिवो साल्वाटोर पर सबकी नजर रहेगी। भारत के लिए टूर्नामेंट अहम है। हाल ही में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में चार महिला मुक्केबाजों मीनाक्षी हुड्डा (48 किग्रा), विश्व चैंपियन जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा), विजेता नूपुर श्योराण (+80 किग्रा), और कांस्य पदक विजेता पूजा रानी (80 किग्रा) सभी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। भारतीय पुरुष टीम में हितेश (70 किग्रा), अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), जदुमणि मंदेंगबाम (50 किग्रा), और लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) से उम्मीदें होंगी। इन सभी ने विश्व कप के विभिन्न चरणों में प्रभावित किया है। इससे घरेलू मैदान में इनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद बढ़ गई है।

सेमीफाइनल में केंटा निशिमोता से हारे लक्ष्य सेन

कुमामोतो, एजेंसी। निशिमोता ने भारतीय शटलर को 77 मिनट में तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य निशिमोता से 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए ।भारत के स्टार एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन का जापान मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया है। लक्ष्य को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोता से हार मिली और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। निशिमोता ने भारतीय शटलर को 77 मिनट में तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

एंजेलिना जोली से प्रेरित हैं शीना चौहान

फिल्मी दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो न केवल दर्शकों के दिलों पर छा जाते हैं, बल्कि कलाकारों को भी प्रेरित करते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शीना चौहान ने बताया कि उनके लिए आने वाली सीरीज में अपने किरदार को निभाने के लिए हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली का लोकप्रिय किरदार 'मेलफिसेंट' सबसे बड़ी प्रेरणा बना। एंजेलिना जोली ने डिज्नी की फिल्म 'मेलफिसेंट' में जिस तरह से एक 'विलेन' को ताकत, भावनाओं और मानवीय गहराई से पेश किया, उसने दुनियाभर के दर्शकों को प्रभावित किया था। शीना ने बात करते हुए कहा, ' 'एंजेलिना जोली का अभिनय केवल एक खलनायिका को दिखाने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने उसे एक ऐसी स्त्री के रूप में पेश किया जो ताकतवर भी है, भावनाओं से भरी भी है, और संवेदनशील भी है। कुल मिलाकर उन्होंने अपने किरदार के जरिए कल्पनाओं को जगाया। वह एक ऐसी शक्ति थीं, जिसमें प्यार, गुस्सा, दर्द और करुणा सब कुछ था। मैंने अपने किरदार में भी वही संतुलन लाने की कोशिश की है।'' शीना चौहान ने आगे कहा, ' 'सीरीज 'भयावह' में मेरा किरदार एक ऐसी औरत का है जो विद्रोही है, जुनूनी है और अपने विचारों में इंसानियत रखती है। अगर किसी भी नेगेटिव किरदार में भावनाओं और संवेदनशीलता की परतें जोड़ दी जाएं, तो वह और भी दिलचस्प बन जाता है। मेरी कोशिश यही रही कि दर्शक मेरे किरदार से डरें भी, लेकिन उसे समझें भी। अपने लुक और बदलाव के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि जब उन्होंने इस किरदार का रूप धारण किया, तो उन्हें खुद अपने अंदर एक अलग ऊर्जा महसूस हुई। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने सींग लगाए, रेड लिपस्टिक लगाई, और बालों को कर्ली किया, तो मुझे लगा कि मेरा किरदार मुझमें उतर आया है। मेरे किरदार में हास्य भी है और रहस्य भी। मुझे उसे निभाने में बहुत मजा आया और मैं चाहती हूं कि दर्शक भी उसे उतना ही पसंद करें।' 'भयावह' सीरीज साल 2026 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन से लेकर सैफ अली खान तक

बॉलीवुड के ये सितारे अब वेब सीरीज में कमा रहे नाम

कई बॉलीवुड कलाकारों ने बड़े पर्दे पर बेहतरीन अभिनय किया है। शुरू से उनकी पहचान फिल्मों में काम करने की रही है। इनमें से कुछ कलाकारों ने अब बड़े पर्दे पर अभिनय करना बंद कर दिया है। हालांकि इन कलाकारों ने वेब सीरीज में अच्छा अभिनय किया है। इनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा भी है। आइए उन कलाकारों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे के साथ वेब सीरीज में भी अच्छी अदाकारी की है।

सुष्मिता सेन- आर्या

लाखों दिलों की चाहत सुष्मिता सेन ने आर्या के जरिए सिनेमा में शानदार वापसी की। इसमें उन्होंने अपराध और खतरे का सामना करने वाली एक मां का किरदार निभाया। उनकी स्क्रीन उपस्थिति में शक्ति और कमजोरी का मिश्रण है। वेब सीरीज के फॉर्मेट को अपनाकर, सुष्मिता ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के सितारे नई जिंदगी पा सकते हैं।

माधुरी दीक्षित- द फेम गेम

माधुरी दीक्षित लंबे वक्त से बड़े पर्दे पर राज करती रही हैं। उन्होंने वेब सीरीज द फेम गेम में अभिनय के जरिए यह साबित कर दिया कि यह प्लेटफॉर्म छोटा नहीं है। सीरीज में उन्होंने एक ऐसी सुपरस्टार का किरदार निभाया, जिसकी जिंदगी में कई राज छिपे हैं। उनके सहज आकर्षण ने इस सीरीज को दर्शकों के दिलों में जगह दिलाई। वेब सीरीज में माधुरी के प्रवेश ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार भी नए दर्शकों से जुड़ने के लिए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं।

मनोज बाजपेयी-द फैमिली मैन

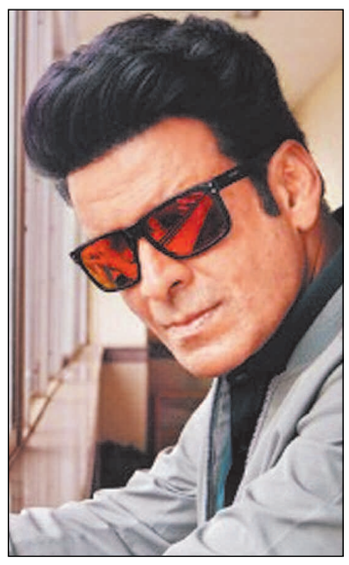

मनोज बाजपेयी ने द फैमिली मैन में श्रीकांत तिवारी नामक एक जासूस की भूमिका निभाकर फैंस के दिलों को जीत लिया। उन्होंने इसमें हास्य और चिंता से ग्रस्त व्यक्ति का किरदार निभाया। इस सीरीज के साथ, मनोज ने एक शानदार उदाहरण पेश किया कि कैसे बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार अच्छी कहानियों के साथ स्ट्रीमिंग में छा सकते हैं।

सैफ अली खान सेक्रेड गेम्स

सैफ अली खान बड़े पर्दे के मशहूर अभिनेता हैं। हालांकि उन्होंने वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में सरताज सिंह की भूमिका को पूरी ईमानदारी से निभाया है। वेब सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से फैंस को हैरान कर दिया है। डिजिटल ड्रामा में उनके अभिनय ने दूसरे बॉलीवुड कलाकारों को रास्ता दिखाया है। सैफ ने साबित कर दिया है कि स्ट्रीमिंग शो भी फिल्मों की तरह प्रभावशाली हो सकते हैं और दर्शकों से जुड़ सकते हैं। इसी तरह से नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने सेक्रेड गेम्स में अच्छा अभिनय किया। राधिका आप्टे ने लस्ट स्टोरीज में शानदार अभिनय किया। पंकज त्रिपाठी ने मिर्जापुर में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है।

अभिषेक बच्चन ब्रीद इंटू द शैडो

अभिषेक बच्चन ने सीरीज ब्रीद इनटू द शैडोज से दर्शकों को प्रभावित किया है। इसमें उन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई है। उनके डिजिटल डेब्यू ने दर्शकों को नया अनुभव दिया। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अभिषेक के सफर ने दिखाया कि कैसे बॉलीवुड अभिनेता खुद को नया रूप दे सकते हैं। उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि अपने बेहतरीन अभिनय से वह फैंस को हैरान कर सकते हैं।

इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया

पॉलिटिकल ड्रामा महारानी के चौथे सीजन में रानी भारती (हुमा कुरैशी) की बेटी रौशनी भारती, जिसकी भूमिका निभा रही हैं अभिनेत्री श्वेता बसु प्रसाद। एक्ट्रेस ने हाल ही में बातचीत की और सीरीज को लेकर बात की।

बातचीत के दौरान, श्वेता कहती हैं, मैं महारानी के तीनों सीजन की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। जब इस शो के क्रिएटर और राइटर सुभाष कपूर जी से मुलाकात हुई और उन्होंने सीजन 4 के लिए मेरा नाम सुझाया, तो यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सीजन 1 में रौशनी भारती का किरदार लिखा था, तब ही मन बना लिया था कि लीप के बाद मुझे कास्ट करेंगे। किसी क्रिएटर का इस तरह का विश्वास एक कलाकार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता, मजबूत लेखन और शानदार परफॉर्मेंस - इन सबने मुझे बहुत आकर्षित किया। अपने किरदार रौशनी भारती के बारे में श्वेता कहती हैं, स्पॉयलर तो नहीं दूंगी (हंसती हैं), लेकिन इतना जरूर कहूंगी कि रौशनी, रानी भारती की बेटी है - एक पॉलिटिकल परिवार में पली-बढ़ी, बेहद दमदार और अपने माता-पिता की विरासत को लेकर चलने वाली। इस बार वो पहले से ज्यादा मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली नजर आएगी।

अपनी स्क्रिप्ट चॉइस को लेकर श्वेता हमेशा ईमानदार रही हैं। वह स्वीकार करती हैं, अगर दिल नहीं मानता, तो मैं प्रोजेक्ट नहीं करती। जैसा मैंने कहा, मैं पहले ऑडियंस हूं, फिर एक्टर। अगर मुझे लगे कि मैं खुद वो फिल्म नहीं देखना चाहूंगी, तो ऑडियंस का वक्त क्यों बर्बाद करूं? मेरी जिम्मेदारी है कि वही प्रोजेक्ट चुनूं जो ऑडियंस को पसंद आए। हिट-फ्लॉप तो किस्मत की बात है, पर इरादा हमेशा ईमानदार होना चाहिए। वह आगे जोड़ती हैं, मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हूं। मैं एक आउटसाइडर रही हूं, लेकिन इस इंडस्ट्री ने हमेशा मुझे काम, इज्जत और प्यार दिया। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं मिला। यहां धैर्य और अनुशासन बहुत जरूरी हैं और अब मुझे लगता है कि मेहनत का असर दिख रहा है। हुमा कुरैशी के साथ काम को लेकर श्वेता बसु प्रसाद का अनुभव बेहद खास रहा।

मैंने 'रिटेक' लिखी और डायरेक्ट की...

अब श्वेता केवल कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे भी अपना टैलेंट दिखा रही हैं। वह बताती हैं, मैंने रिटेक नाम की एक शॉर्ट फिल्म लिखी और डायरेक्ट की है, जिसमें अनुपम खेर साहब हैं और अप्पलॉज एंटरटेनमेंट ने इसे प्रोड्यूस किया है। मैं फिलहाल नई स्क्रिप्ट्स पर काम कर रही हूं - शॉर्ट फिल्म ही नहीं, बल्कि फीचर फिल्म पर भी। आगे डायरेक्शन जरूर करूंगी, लेकिन एक्टिंग मेरा पहला प्यार है और रहेगा। कैमरे के आगे रहना मेरी पहचान है, वो कभी नहीं छोड़ूंगी।

मैं अभी बहुत कुछ हासिल करना चाहती हूं

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में हैं। एसएस राजामौली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आएंगी। 15 नवंबर को फिल्म का एक बड़ा इवेंट होना है। इस बीच अभिनेत्री ने एक्स पर अपने फैंस के साथ बातचीत का एक सेशन चलाया। इस दौरान देसी गर्ल ने फैंस के सवालों के कुछ मजेदार जवाब भी दिए। आस्क पीसीजे सेशन की शुरुआत में प्रियंका ने अपनी एक सेल्फी शेयर करते हुए कहा कि वो अभी कार में हैं। आप सब कहां हैं? सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा कि आपने बॉलीवुड, हॉलीवुड, म्यूजिक और प्रोड्यूसर के तौर पर सब कुछ एक्सप्लोर किया है। अब ऐसा क्या है जो आप सीखना चाहती हैं या कुछ नया क्रिएट करना चाहती हैं? इस पर पीसी ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैं अभी बहुत कुछ करना और हासिल करना चाहता हूं। उम्मीद है कि मैं कर पाऊंगी।'

शादी की होनी चाहिए एक्सपायरी डेट

अजय देवगन के साथ काजोल की शादी को 26 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन अब काजोल ने शादी को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

अभिनेत्री काजोल इन दिनों अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में अब अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री कृति सेनन नजर आएंगे। हालांकि, शो के कुछ प्रोमो सामने आए हैं, जिनमें काजोल और ट्विंकल अपने मेहमानों के साथ जमकर मस्ती करती नजर आ रही हैं। अब इस एपिसोड के प्रोमो में दिखता है कि काजोल ने शादी की एक्सपायरी डेट होने का समर्थन किया है। साथ ही उन्होंने इस मामले में नया विकल्प होने की बात का भी पक्ष लिया है।

सिर्फ काजोल ने किया समर्थन

दरअसल, शो के 'ये या वो' सेगमेंट के दौरान सवाल पूछा गया, 'क्या शादी की एक एक्सपायरी डेट और रिन्यूवल का विकल्प होना चाहिए?' इस सवाल से कृति सेनन, विक्की कौशल और ट्विंकल ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने इस सवाल पर रेड जोन चुना। लेकिन अभिनेता अजय देवगन की पत्नी और अभिनेत्री काजोल ने इस सवाल का समर्थन करते हुए ग्रीन जोन को चुना। इस पर ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में कहा, 'नहीं, यह शादी है, वॉशिंग मशीन नहीं।'

सही व्यक्ति से शादी होने की क्या गारंटी

अपने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए काजोल ने कहा कि मुझे तो बिल्कुल ऐसा ही लगता है। क्या गारंटी है कि आप सही समय पर सही व्यक्ति से शादी करेंगे? रिन्यूवल का विकल्प सही होगा और अगर कोई एक्सपायरी है, तो किसी को ज्यादा देर तक परेशान नहीं होना पड़ेगा। यही नहीं काजोल ने ट्विंकल को भी ग्रीन जोन में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की। लेकिन ट्विंकल अपने विचार पर अड़ी रहीं।

ट्विंकल-विक्की का मानना पैसे से खरीद सकते हैं खुशी

इसी सेगमेंट के दौरान अगला स्टेटमेंट था, 'क्या पैसे से खुशी खरीदी जा सकती है।' इस बार ट्विंकल खन्ना और विक्की कौशल इस बात से सहमत नजर आए और उन्होंने ग्रीन जोन चुना। जबकि काजोल ने इस कथन पर अपनी असहमति जताई। काजोल ने कहा कि आपके पास चाहे कितना भी पैसा हो, यह वास्तव में एक बाधा बन सकता है। यह आपको असली खुशी से दूर कर देता है। वहीं कुछ देर सोचने के बाद कृति ने माना कि पैसे से कम से कम कुछ हद तक खुशी खरीदी जा सकती है।

काजोल और ट्विंकल का कॉमन है एक्स

गेम के बाद ट्विंकल ने कहा कि सबसे अच्छे दोस्तों को एक-दूसरे के एक्स को डेट नहीं करना चाहिए। फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में काजोल को गले लगा लिया। ट्विंकल ने कहा मजाक में कहा कि हमारा एक एक्स कॉमन है, लेकिन हम बता नहीं सकते। इस पर काजोल तुरंत हंस पड़ीं और ट्विंकल को चुप रहने के लिए कहा।